सुविचार

मौन हो जाओ। बहुत कुछ सुनाई देगा और दिखाई भी देगा।

-स्वामी विवेकानंद

Daily THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज़ Published from Ranchi

Ranchi ● Wednesday, 25 June 2025 ● Year : 03 ● Issue : 160 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Sara Ali Khan Looks Fierce In A Red... 12

SHARE

सेंसेक्स	:	82,055.11
निफ्टी	:	25,044.35

SARAFA

सोना	:	9,335
चांदी	:	120.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

जंग के कारण भारत में रद्द हुईं 60 से अधिक उड़ानें

NEW DELHI : ईरान-इजरायल युद्ध का प्रभाव भारत से मिडिल ईस्ट आने-जाने वाली फ्लाइट्स पर पड़ा। बढ़ते तनाव और एयरस्पेस बंद होने से अब तक 60 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो गई हैं। दिल्ली एयरपोर्ट की 48 फ्लाइट्स कैंसिल हुई हैं। इनमें 28 फ्लाइट दिल्ली आने और 20 दिल्ली से रवाना होने वाली थीं। जयपुर एयरपोर्ट से 6 फ्लाइट्स रद्द हुई हैं। इनमें मिडिल ईस्ट आने-जाने वाली 3-3 उड़ानें शामिल हैं। लखनऊ एयरपोर्ट से अबु धाबी और शारजाह जाने वाली 2 फ्लाइट को यूएई-कतर एयरस्पेस बंद होने से कैंसिल किया गया है। अहमदाबाद एयरपोर्ट आने वाली 5 फ्लाइट कैंसिल कर दी गई है। इनमें लंदन, अबु धाबी, दुबई, कुवैत और दोहा से आने वाली उड़ानें शामिल हैं। अमृतसर एयरपोर्ट से दुबई जाने वाली फ्लाइट एसजी-55 भी रद्द हुई है। 23 जून की रात को ईरान ने अपने परमाणु ठिकानों पर हमलों का बदला लेने के लिए कतर में अमेरिका के अल-उदीद एयर मिलिट्री बेस पर 6 मिसाइलें दागी।

आज व कल एससीओ देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक

NEW DELHI : चीन की मेजबानी में इस बार शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक 25-26 जून को किंगदाओ में होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। बैठक में राजनाथ सिंह वैश्विक शांति और सुरक्षा के बारे में भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करेंगे। रक्षा मंत्री चीन और रूस सहित कुछ भागीदार देशों के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आतंकवाद को समाप्त करने के लिए संयुक्त प्रयासों का आह्वान करने के साथ ही एससीओ के भीतर अधिक व्यापार और आर्थिक सहयोग के मुद्दे पर वार्ता करेंगे। बैठक में विभिन्न देशों के रक्षा मंत्रियों के बीच क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी प्रयासों और एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रालयों के बीच सहयोग सहित कई मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

हजारीबाग में अपराधियों का उत्पात, 2 जेसीबी सहित 6 गाड़ियों को फूंका

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : सोमवार की देर रात ट्रांसपोर्ट सड़क निर्माण में लगे 6 वाहनों को अपराधियों ने आग के हवाले कर दिया। घटना बड़कागांव के जोराकात के आसपास वारदात को अंजाम दिया गया। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार की सुबह के बाद आग पर काबू पाया गया। आग इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ियों से गहरा धुआं निकल रहा था। इससे ग्रामीणों में सनसनी फैल गई। यह सड़क एनटीपीसी बादाम कोयला परियोजना के लिए चरही बड़कागांव के जोराकाट तक बनाई जा रही थी। अपराधियों ने निर्माण कार्य में लगी दो जेसीबी मशीन, दो हाइवा ट्रक, एक ग्रेडर मशीन, एक पानी का टैंकर और एक जनरेटर को आग लगाकर जला दिया। कंपनी के मैनेजर रवि कुमार ने बताया कि कुछ लोगों के साथ मारपीट भी की गई है। लगभग 35 की संख्या में हथियार से लैस अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है।

सड़क निर्माण कंपनी के थे वाहन, 35 की संख्या में पहुंचे हथियारबंद अपराधियों ने कर्मचारियों को पीटा

बड़कागांव में जोराकात के आसपास वारदात को दिया अंजाम, सुबह आग पर पाया गया काबू

36 घंटे में तीसरी बड़ी आपराधिक घटना

यह घटना पिछले 36 घंटे में हजारीबाग जिले में हुई तीसरी बड़ी आपराधिक वारदात है। इससे पहले रविवार को हजारीबाग शहर स्थित एक जेवरात की दुकान पर सात राउंड फायरिंग की गई थी। सोमवार सुबह ओकनी क्षेत्र में डकैती की घटना को अंजाम दिया गया। इन लगातार हो रही घटनाओं से जिले में कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

अपराधियों ने इन्हीं वाहनों को जला दिया।

लेवी को लेकर आगजनी की आशंका सड़क निर्माण के दौरान फैलाई दहशत

पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह मामला लेवी वसूली से जुड़ा हुआ माना जा रहा है। हालांकि अब तक किसी उग्रवादी संगठन ने इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। घटना के बाद से सड़क निर्माण कार्य पूरी तरह ठप हो गया है, इससे परियोजना पर असर पड़ने की आशंका है। घटना की सूचना मिलते ही बड़कागांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि तीनों घटनाओं में शामिल अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। हालांकि क्षेत्र के लोगों में लगातार हो रही घटनाओं से भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। गोदलपुरा पंचायत के वार्ड 5 के वार्ड सदस्य प्रेमनाथ गुप्ता ने बताया कि गांव में सड़क नहीं होने के कारण काफी परेशानी का सामना लोगों को करना पड़ रहा था। ग्रामीण इस बात को लेकर खुश थे कि गांव में सड़क निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। सड़क नहीं होने के कारण अच्छा रिश्ता भी गांव में नहीं आता था।

इजरायल-ईरान ने स्वीकार की अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की पहल

सीजफायर : 12वें दिन थमी जंग

NEW DELHI @ PTI : मंगलवार को इजरायल और ईरान ने जंग के 12वें दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रस्तावित संघर्षविराम योजना को स्वीकार कर लिया है। दोनों देशों की ओर से इस समझौते को स्वीकार किए जाने के पहले ईरान ने मंगलवार की सुबह इजरायल पर मिसाइलों से हमला किया, जिसमें कम से कम पांच लोग मारे गए, जबकि इजरायल ने भोर से पहले ईरान में हवाई हमलों की बौछार कर दी। सरकारी मीडिया के अनुसार, ईरान की सेना ने इजरायल पर हमला करने से इनकार किया है - लेकिन मध्याह्न के समय उत्तरी इजरायल में विस्फोटों की आवाजें गूंजीं और सायरन बजने लगे, तथा एक इजरायली सैन्य अधिकारी ने कहा कि दो ईरानी मिसाइलों को नष्ट कर दिया गया। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि ट्रंप के समन्वय से इजरायल ने ईरान के साथ द्विपक्षीय संघर्षविराम पर सहमति व्यक्त की है। नेतन्याहू ने कहा कि 12 दिनों के अभियान में अपने सभी युद्ध लक्ष्य हासिल कर लिए हैं, जिसमें ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों के खतरे को दूर करना भी शामिल है। नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल ने ईरान के सैन्य नेतृत्व और कई सरकारी स्थलों को भी नुकसान पहुंचाया और तेहरान के आसमान पर नियंत्रण हासिल कर लिया।

संघर्ष विराम स्वीकार करने के पहले ईरान ने इजरायल पर किया हमला

- इजरायल ने इसके पहले ईरान के कई शहरों पर की थी हवाई हमलो की बौछार
- सरकारी मीडिया के अनुसार, ईरानी सेना ने इजरायल पर हमला करने से किया इनकार

सुरक्षित ठिकानों पर जाने के लिए किया मजबूर

सुबह चार बजे से कुछ पहले तक ईरानी शहरों में भारी इजरायली हमले जारी रहे, इसके बाद ईरान के हमलों ने इजरायल के लोगों को सूरज उगने के साथ ही सुरक्षित ठिकानों पर जाने के लिए मजबूर कर दिया। ईरान को हमले रोकने के लिए दी गई समय-सीमा समाप्त होने के एक घंटे बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर लिखा, संघर्ष विराम अब प्रभावी है। कृपया इसका उल्लंघन न करें।

ईरान व इजराइल दोनों ने संघर्ष विराम का किया उल्लंघन : ट्रंप

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इजरायल और ईरान ने शत्रुता समाप्त करने के लिए मंगलवार की समय-सीमा समाप्त होने के बाद हमले करके संघर्ष विराम की शर्तों का उल्लंघन किया है। इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष विराम को बनाए रखने की कोशिश कर रहे ट्रंप ने इजरायल को चेतावनी दी कि वह अपने पायलटों को वापस बुला ले। यह बात ट्रुथ सोशल पर मंगलवार को एक पोस्ट में कही गई। हेग में नाटो शिखर सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने लगातार हो रहे हमलों पर निराशा व्यक्त की।

1967 का छह दिवसीय युद्ध

ट्रंप ने इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष को नाम दिया है 12 दिवसीय युद्ध यह 1967 के पश्चिम एशिया युद्ध की याद दिलाता है, जिसे छह दिवसीय युद्ध के रूप में भी जाना जाता है। इसमें इजरायल ने मिस्र, जॉर्डन और सीरिया सहित अरब देशों से लड़ाई लड़ी थी। ट्रंप का यह संदर्भ अरब जगत खास तौर पर फलस्तीनियों के लिए भावनात्मक रूप से महत्वपूर्ण है। 1967 के युद्ध में इजरायल ने जॉर्डन से वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम, मिस्र से गाजा पट्टी और सिनाई प्रायद्वीप और सीरिया से गोलन हाइट्स कब्जा लिया था।

ईरानी विदेश मंत्री की अपील

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा था, फिलहाल किसी भी संघर्षविराम या सैन्य अभियानों की समाप्ति पर कोई समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने कहा था, अगर इजरायल ईरान के लोगों के खिलाफ अपने अवैध आक्रमण हमारे समयानुसार सुबह चार बजे से पहले बंद कर दे, तो हमारा उसके बाद अपनी कार्रवाई जारी रखने का कोई इरादा नहीं है।

ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की कठोर नीति का प्रतीक : प्रधानमंत्री

- श्रीनारायण गुरु-महात्मा गांधी संवाद शताब्दी समारोह को पीएम मोदी ने किया संबोधित, कहा-
- भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए अब दुनिया में कोई भी जगह सुरक्षित नहीं
- आज के दौर में भारत सतत विकास के लक्ष्य में निभा रहा है अग्रणी भूमिका

AGENCY NEW DELHI : मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विज्ञान भवन में आयोजित श्रीनारायण गुरु और महात्मा गांधी के ऐतिहासिक संवाद शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने हाल ही में सफलतापूर्वक संपन्न ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख कर कहा कि इसने आतंकवाद के खिलाफ भारत की स्पष्ट और कठोर नीति को दुनिया के सामने रख दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने दिखा दिया है कि भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए अब दुनिया में कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है। आज का भारत अपने हितों के अनुसार हर जरूरी कदम उठाने में पीछे नहीं रहता। उन्होंने श्रीनारायण गुरु और महात्मा गांधी की 1925 में हुई ऐतिहासिक मुलाकात को याद करते हुए कहा कि यह संवाद केवल इतिहास की घटना नहीं, बल्कि आज भी सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि श्रीनारायण गुरु का जीवन समता, एकता और आध्यात्मिक उत्थान का प्रतीक रहा है। भारत की विशेषता यही है कि जब भी देश किसी संकट में होता है, कोई न कोई महान विभूति मार्गदर्शन के लिए सामने आती है। श्रीनारायण गुरु ऐसे ही संत थे, जिन्होंने समाज को नई दिशा दी।

महिला सशक्तीकरण का उल्लेख

महिला सशक्तीकरण की दिशा में किए गए प्रयासों का उल्लेख कर प्रधानमंत्री ने कहा कि आज बेटियां कोर्ट से लेकर स्पेस तक भारत का नाम रोशन कर रही हैं। हमने उन क्षेत्रों में भी महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की है, जहां पहले उनकी एंट्री तक वर्जित थी। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति न केवल शिक्षा को समावेशी और आधुनिक बना रही है, बल्कि मातृभाषा में पढ़ाई को बढ़ावा देकर पिछड़े वर्गों को आगे ला रही है। शताब्दी समारोह के अवसर पर मोदी ने कहा कि यह कार्यक्रम एक वैचारिक महाकुंभ है, जो सामाजिक न्याय, एकता और आध्यात्मिक सद्भाव के मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा। यह ऐतिहासिक संवाद 12 मार्च 1925 को शिवगिरी मठ में महात्मा गांधी और श्रीनारायण गुरु के बीच हुआ था, जिसमें वैकोम सत्याग्रह, धर्मांतरण, अस्पृश्यता उन्मूलन, दलित उत्थान और मोक्ष जैसे विषयों पर विचार हुआ था। श्री नारायण धर्म संघम ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस आयोजन में देशभर के आध्यात्मिक और सामाजिक नेता हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने शिवगिरी मठ के साथ अपने पुराने संबंधों को याद करते हुए कहा कि वह स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं कि यह मठ हमेशा उनके साथ खड़ा रहा है।

स्वास्थ्य कारणों से शिबू सोरेन हॉस्पिटल में हैं भर्ती

गंगाराम अस्पताल में गुरुजी से मिले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दिल्ली के गंगाराम अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने अपने पिता और झारखंड आंदोलन के प्रणेता शिबू सोरेन (गुरुजी) से मुलाकात की। गुरुजी इन दिनों स्वास्थ्य कारणों से अस्पताल में भर्ती हैं। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार हेमंत सोरेन दो दिनों तक दिल्ली में रहेंगे। इस दौरान वे 'इंडिया' गठबंधन के शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं। माना जा रहा है कि राजनीतिक विमर्श और आगामी रणनीतियों को लेकर भी चर्चा संभव है।

फाइल फोटो।

- दो दिनों तक दिल्ली में रहेंगे सीएम
- 'इंडिया' गठबंधन के शीर्ष नेताओं से कर सकते हैं मुलाकात

आज और कल के लिए येलो अलर्ट, अब 29 जून तक वर्षा होने की संभावना

दोपहर के बाद फिर जमकर हुई बारिश, बढ़ी परेशानी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में मंगलवार को भी दोपहर के बाद जमकर बारिश हुई। लगातार तीसरे दिन दोपहर के बाद झमाझम बारिश हो रही है। इससे जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है। रांची में सुबह तेज धूप निकली थी, जिससे लोगों को लगातार हो रही वर्षा से राहत मिली। लेकिन, दोपहर बाद फिर तेज बारिश होने लगी। मूसलधार बारिश से सड़कों पर जलजमाव हो गया। बिरसा चौक, बंधु नगर, सेवा सदन रोड और कांके रोड जैसे इलाकों में घरों में नाले का पानी घुस गया। पंडरा रोड तालाब में तब्दील हो गया। कई स्कूलों ने छात्रों को समय से पहले छुट्टी दे दी।

जनजीवन हो रहा प्रभावित, सड़कों पर जलजमाव, घरों में घुसा पानी

कई जिलों में बन गए बाढ़ जैसे हालात

लगातार हो रही बारिश का आलम यह है कि कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। खूंटी के तोरपा में बनई नदी पर बना पुल बह गया, जिससे आवागमन ठप हो गया। लातेहार में औरंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से किनारे के घरों पर खतरा मंडरा रहा है। जमशेदपुर में 247 मिमी बारिश हुई, जिससे कॉलोनियां जलमग्न हो गईं।

आज कहीं-कहीं भारी बारिश की चेतावनी

झारखंड के 12 जिलों में बुधवार को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने दी है। विभाग के अनुसार जिन जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है उनमें दक्षिणी-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी जिले शामिल हैं। इन जिलों के लिए विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

विशेष पहल अखिल भारतीय किसान संघों के महासंघ ने जारी किया श्वेत पत्र

जलवायु व कृषि की बाधाएं दूर करने के लिए अधिक निवेश जरूरी

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : चाहे तकनीकी दृष्टि से आज का दौर कितना भी समृद्ध क्यों न हो चला हो, रोजगार की दृष्टि से कृषि क्षेत्र अभी भी सर्वाधिक महत्वपूर्ण बना हुआ है। भारत जैसे देश में आज भी आधी से अधिक आबादी किसी न किसी रूप में कृषि क्षेत्र से जुड़ी हुई है और यही उसकी आजीविका का मूल आधार है। सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर पिछले वर्षों में लगातार कम हुए हैं। लाख प्रयास के बाद भी इसमें अपेक्षित सफलता नहीं मिल पा रही है। इस बीच यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि जलवायु आधारित कृषि के विकास और कृषि में उन्नत तकनीक के इस्तेमाल पर अखिल भारतीय किसान संघों के महासंघ ने महत्वपूर्ण पहल की है। जानकारी के अनुसार, अखिल भारतीय किसान संघों के महासंघ (एफएआईएफए) ने हाल ही में जलवायु समर्थ खेती को बढ़ावा देने और कृषि क्षेत्र ?में तकनीक के इस्तेमाल के लिए निवेश बढ़ाने और कार्यान्वयन में मौजूद बाधाओं को दूर करने की सरकार से अपील की।

नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान सभी पहलुओं पर की गई व्यापक चर्चा

किसानी को फायदेमंद बनाना व किसानों की आर्थिक स्थिति और मजबूत करना जरूरी

- रोजगार की दृष्टि से कृषि का क्षेत्र आज भी बरकरार रखे हुए है अपनी प्रमुखता
- सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने में नहीं मिल रही अपेक्षित कामयाबी

नीति निर्माताओं, शोध संस्थानों और निजी क्षेत्र को मिलकर काम करने की आवश्यकता

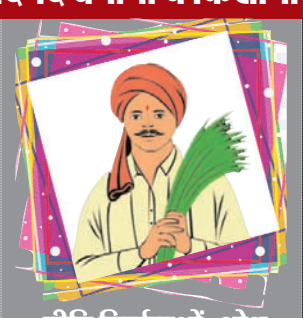

- क्लाइमेट चेंज के प्रभावों का मुकाबला करने के लिए टिकाऊ कृषि प्रथाओं की जरूरत
- अनियमित बारिश, तापमान परिवर्तन, अकाल और कीट प्रकोप को बताया गया बड़ा खतरा

खेती में लगातार बढ़ रही लागत

एफएआईएफए के महासचिव मुरली बाबू ने कहा कि मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट, बढ़ती लागत और गिरते जलस्तर से खेती की उपज और किसानों की आय पर असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि अब किसानों को अधिक उगाओ की जगह बेहतर उगाओ की सोच अपनानी चाहिए। एफएआईएफए ने सरकार की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं की सराहना की, लेकिन यह भी कहा इन्हें लागू करने में ज्यादा शुरूआती खर्च, बिखरा हुआ ढांचा और किसानों की कम भागीदारी जैसी खामियां हैं।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने दी जानकारी

पीएफ अकाउंट से 72 घंटे में निकाल सकेंगे 5 लाख, पहले एक लाख रुपये की थी लिमिट

AGENCY NEW DELHI : अब पीएफ अकाउंट से इमरजेंसी या जरूरत के समय 72 घंटे में ₹5 लाख तक निकाल सकेंगे। पहले ये लिमिट ₹1 लाख थी। केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इससे पहले श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा ने 28 मार्च को श्रीनगर में हुई ईपीएफओ की कार्यकारी समिति (ईसी) की 113वीं बैठक में इस प्रस्ताव को पास किया था। ऑटो सेटलमेंट में पीएफ विड्रॉल क्लेम को सिस्टम द्वारा अपने आप प्रोसेस किया जाता है। इसमें ह्यूमन इंटरवेंशन बहुत कम या बिल्कुल नहीं होता। अगर आपका यूएएन (यूनिवर्सल अकाउंट नंबर) आधार, पैन और बैंक खाते से लिंक है, और केवाईसी पूरी तरह से अपडेटेड है, तो सिस्टम आपके क्लेम की जांच करता है। यह प्रक्रिया तेज होती है क्योंकि यह पूरी तरह से ऑनलाइन और आईटी सिस्टम पर आधारित होती है।

ईसी की 113वीं बैठक में इस प्रस्ताव को किया गया था पास

जल्द ही यूपीआई और एटीएम से भी पैसे निकालने की मिलेगी सुविधा

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ईपीएफओ 3.0 के मसौदे के तहत कर्मचारियों को जल्द ही एटीएम और यूपीआई से सीधे पीएफ का पैसा निकालने की सुविधा मिल सकती है। इसमें पीएफ खाताधारकों को विड्रॉल कार्ड दिए जाएंगे। यह बैंक एटीएम कार्ड की तरह होगा। नई सुविधा के तहत एक तय रकम ही निकाली जा सकेगी। वहीं यूपीआई से पैसा निकालने के लिए पीएफ अकाउंट को यूपीआई से लिंक करना होगा।

बिहार एसटीएफ ने 24 घंटे में किया बोकारो ज्वेलरी लूटकांड का खुलासा, छह गिरफ्तार

पुलिस ने लूटे गए आभूषणों में 23 सोने की अंगूठियां, 6 मंगलसूत्र, 1 सोने का ब्रेसलेट और ₹13,820 नकद बरामद

PHOTON NEWS BOKARO/PATNA : बिहार एसटीएफ ने झारखंड के बोकारो जिले में 23 जून को हुई ज्वेलरी शॉप लूटकांड का 24 घंटे के भीतर खुलासा कर लिया है। पटना पुलिस के सहयोग से की गई इस बड़ी कार्रवाई में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने लूट के दौरान चुराए गए सोने के आभूषणों के साथ नकदी और वाहन भी बरामद किए हैं। इस तेज और सटीक कार्रवाई ने एक बार फिर बिहार पुलिस की तत्परता और समन्वय को साबित किया है।

बोकारो जिले के चास थाना क्षेत्र में हथियारों से लैस अपराधियों ने दुकान में घुसकर सोने के आभूषणों की लूटपाट की और फरार हो गए। घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। जांच के दौरान यह जानकारी सामने आई कि लूट की साजिश बिहार में रची गई थी और आरोपी बिहार के विभिन्न जिलों में छिपे हुए हैं।

लूट के दौरान का सीसीटीवी फुटेज (इंटरनेट मीडिया)

लूट का माल और वाहन किए गए जब्त

गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने लूटे गए गहनों में कुल 23 सोने की अंगूठियां, 6 मंगलसूत्र, 1 सोने का ब्रेसलेट और 13,820 रुपये नकद बरामद किए। इसके अतिरिक्त अपराध में प्रयुक्त एक स्विफ्ट डिजायर कार और तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। बरामद सामान की पहचान पीड़ित दुकानदार द्वारा की गई है और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

मुख्य आरोपी के खिलाफ पहले से दर्ज हैं आपराधिक मामले

पूछताछ के दौरान सभी आरोपियों ने अपराध में शामिल होने की बात स्वीकार की है। मुख्य आरोपी राहुल पटेल के खिलाफ पटना के चौक और बेऊर थाना क्षेत्रों में पूर्व से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। अन्य आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी पुलिस द्वारा गहनता से जांच की जा रही है। प्रारंभिक अनुमान यह है कि यह गिरोह संगठित आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है।

एसटीएफ और पटना पुलिस ने संयुक्त रूप से की कार्रवाई

जैसे ही बिहार एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली, एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया। पटना के आलमगंज और चौक थाना क्षेत्रों से दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद क्रमशः बेतिया, वैशाली, मोतिहारी और छपरा में छापेमारी कर अन्य चार आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पूरी कार्रवाई 24 घंटे के भीतर पूरी की गई, जो पुलिस के समन्वित प्रयास और खुफिया सूचना प्रणाली की सफलता को दर्शाता है।

साहिबगंज में प्रेमी जोड़े को बंधक बना कर पीटा, छोड़ने के बदले मांगे लाखों रुपये

SAHIBGANJ : साहिबगंज जिले के बोरियो थाना क्षेत्र के पुआल पंचायत स्थित वास्को गांव में एक युवक और युवती को गांव वालों ने देर रात रंगे हाथ पकड़ लिया और दोनों को रस्सी से बांधकर जमकर पिटाई की। यह घटना तब हुई जब छोटा कुसमी गांव का रहने वाला ऑटो चालक उमेश सिंह अपनी प्रेमिका से मिलने वास्को गांव आया था। जानकारी के अनुसार, महिला चार बच्चों की मां है और पति को उस पर पहले से शक था। पति ने जानबूझकर अपनी पत्नी से झूठ कहा कि वह बारात में गया है और मौका देखकर देर रात छिप गया। जैसे ही उसकी पत्नी और उसका प्रेमी मिले, दोनों को रंगे हाथ पकड़ लिया गया। गांव वालों ने दोनों को बीच सड़क पर बैठाकर रस्सियों से बांध दिया और बेरहमी से पिटाई की। दोनों को छोड़ने के लिए पहले 25 हजार रुपये की मांग की गई, जो मंगलवार दोपहर तक बढ़कर 3 लाख रुपये तक पहुंच गई। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से दोनों को छोड़ने का अनुरोध किया। एसडीपीओ किशोर तिर्की ने बताया कि पुलिस लगातार ग्रामीणों को समझाने का प्रयास कर रही है। दोनों को जल्द रिहा कराने की कोशिश जारी है। साथ ही इस मामले में कानून के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

एएसआई अभिमन्यु सिंह का आपत्तिजनक वीडियो वायरल

PALAMU : पलामू जिले में पदस्थापित सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) अभिमन्यु सिंह का एक आपत्तिजनक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एएसआईअभिमन्यु सिंह एक बार-बाला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में नजर आ रहे हैं। वीडियो में वे शराब और सिगरेट का सेवन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि यह वीडियो कब और कहां शूट किया गया है, इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। जानकारों का कहना है कि यह करीब एक साल पुराना हो सकता है और यह मामला जमीन से जुड़े एक पुराने विवाद से संबंधित है। यह वीडियो उस वक्त रिकॉर्ड किया गया था, जब एएसआईअभिमन्यु सिंह के बगल में बैठा एक व्यक्ति चोरी-छिपे इसे फिल्मा रहा था। वीडियो वायरल होने के बाद पलामू पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है, हालांकि अब तक पलामू एसपी या पुलिस विभाग की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। द फोटोन न्यूज इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

BRIEF NEWS

एनएच-18 पर दो बाइक भिड़े, एक की मौत, तीन घायल

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के गालूडीह थाना क्षेत्र के एनएच-18 पर दो बाइक की टक्कर हो गई, जिसमें एक महिला की मौत हो गई. जबकि महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद हाईवे पेट्रोलिंग वाहन से गालूडीह पुलिस ने सभी घायलों को घाटशिला अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। यहां चिकित्सक ने डुमरिया थाना क्षेत्र के आस्ता कवाली निवासी महिला को मृत घोषित कर दिया, वहीं दो लोगों का इलाज घाटशिला अनुमंडल अस्पताल में किया जा रहा है। एक व्यक्ति का इलाज गालूडीह स्थित निरामय हेल्थ केयर में किया जा रहा है। घटना के अनुसार बड़ा उल्दा निवासी इंद्रजीत सिंह अपने पत्नी ममता सिंह और अपनी सास पार्वती सिंह को लेकर छोटा उल्दा किसी काम से जा रहा था। इसी दौरान उल्दा के समीप डिवाइडर पार करने के दौरान जमशेदपुर से आ रही एक बाइक सवार ने इंद्रजीत सिंह को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद इंद्रजीत सिंह, पत्नी ममता सिंह व सास सड़क पर ही गिर गई। इस घटना में इंद्रजीत सिंह की सास की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जिस बाइक सवार ने इंद्रजीत सिंह को टक्कर मारी थी, वह भी गंभीर रूप से घायल है। उसका इलाज गालूडीह के निजी अस्पताल में किया जा रहा है।

खूंटी में लगा धरती आबा शिविर

KHUNTI : तोरपा प्रखंड की दियांकेल पंचायत में मंगलवार को धरती आबा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रखंड के विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। इसमें दियांकेल पंचायत के तीन जनजातीय बहुल गांवों से आवेदक शामिल हुए। शिविर में आधार कार्ड से संबंधित 60 मामलों का निष्पादन किया गया। साथ ही उज्ज्वला योजना के 18, आयुष्मान कार्ड से संबंधित 58, मनरेगा के 32 आवेदन और राशन कार्ड से संबंधित 46 मामले निबटाए गए। पेंशन से संबंधित 46 मामलों का निपटारा किया गया। इसके अतिरिक्त शिविर में 51 लोगों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें दवाइयां दी गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी नवीन चंद्र झा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस शिविर के माध्यम से हम अपने पंचायत के ऐसे जनजातीय बहुल ग्रामों तक पहुंच रहे हैं जिसकी आबादी में 50 फीसदी से अधिक जनजातीय आबादी है। इसके माध्यम से सरकार के जरिये विभिन्न योजनाओं से लोगों को परिचित कराने का काम किया जा रहा है। साथ ही उन्हें इस योजना से आच्छादित भी कर रहे हैं। मौके पर मंईयां सम्मान योजना के ऐसे लाभुक, जिनका खाता अभी भी आधार सीडिंग नहीं की गई है, उन्हें अपने बैंक में आधार सीडिंग करने का निर्देश दिया गया।

पांच लाख का इनामी उग्रवादी फिरोज अंसारी गिरफ्तार, हथियार व भारी मात्रा में गोली बरामद

एसपी को मिली गुप्त सूचना पर एसडीपीओ के नेतृत्व में की गई छापेमारी

PHOTON NEWS GUMLA : गुमला पुलिस ने जेजेएमपी के एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया है। पांच लाख के इनामी फिरोज अंसारी के पास से 303 की एक राइफल, भारी मात्रा में गोली, मोबाइल फोन, डायरी, राउटर और अन्य सामान बरामद हुए।

पुलिस के अनुसार, 23 जून को पुलिस अधीक्षक, गुमला को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि बिशुनपुर थाना क्षेत्र के घाघरा गांव के समीप जंगलों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन जेजेपीएम के सुप्रीमो रविन्द्र यादव अपने दस्ते के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना में जुटा है।

सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गुमला के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। इस टीम में झारखंड जगुआर के एजी-39 यूनिट और बिशुनपुर थाना का रिजर्व बल भी शामिल था। छापामारी दल जब घाघरा गांव के पास जंगल में पहुंची, तो देखा कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति हथियारों के साथ जंगल की ओर जा रहे हैं। पुलिस को देखते ही वे भागने लगे, परंतु पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक व्यक्ति को घेरकर पकड़ लिया।

गिरफ्तार व्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम फिरोज अंसारी, पिता कलीम अंसारी निवासी रूबेद, थाना जोबांग, जिला लोहरदगा बताया। वह जेजेपीएम का सक्रिय सदस्य है और झारखंड सरकार द्वारा घोषित आत्मसमर्पण नीति के तहत पांच लाख रुपये का इनामी है।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

खनिजों का अवैध परिवहन करते मई में जब्त किए गए 15 वाहन

HAZARIBAG : उपायुक्त के निदेर्शानुसार अपर समाहर्ता संतोष सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में खनन टास्क फोर्स की बैठक हुई। इसमें जिले में अवैध खनन के विरुद्ध संचालित अभियान एवं की जा रही कार्रवाई की गहन समीक्षा की गई। उन्होंने बिहार से अवैध रूप से बालू लाने वाले वाहनों पर विशेष निगरानी रखने पर भी बल दिया। बैठक में जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि मई में जिला खनन कार्यालय द्वारा कुल 5 मामलों में कार्रवाई करते हुए 15 वाहनों को जब्त किया गया। इनमें बालू लदे 11 तथा स्टोन चिप्स लदे 4 वाहन सम्मिलित हैं। इस दौरान 2 व्यक्तियों पर प्राथमिकी दर्ज की गई तथा 6.19 लाख रुपये की राजस्व वसूली की गई। पश्चिमी वन प्रमंडल, हजारीबाग द्वारा भी अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 9 वाद दर्ज किए गए हैं, जिनमें 12 अभियुक्तों को नामजद किया गया है।

हजारीबाग के डीसी का बनाया फेक वाट्सएप

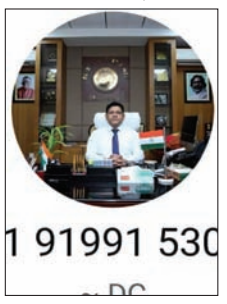

HAZARIBAG : साइबर अपराधियों ने हजारीबाग के डीसी शशि प्रकाश सिंह के नाम से फेक वाट्सएप अकाउंट बना लिया है। इस संबंध में जिला प्रशासन की ओर से आमजनों को आगाह किया गया है कि उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह का फोटो प्रयोग कर मोबाइल नंबर 9199153024 से फेक वाट्सएप आईडी बनाई गई है, जिससे भ्रामक जानकारी अथवा किसी प्रकार के संदेश भेजे जाने की आशंका है। प्रशासन स्पष्ट करता है कि उपायुक्त हजारीबाग का यह आधिकारिक नंबर नहीं है तथा यह वाट्सएप नंबर पूरी तरह फर्जी एवं भ्रामक है।

डीसी से एक दर्जन लोगों ने लगाई गुहार, मिला भरोसा

जिले वासियों की शिकायत सुनते उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ● फोटोन न्यूज

HAZARIBAG : समाहरणालय सभागार में मंगलवार को साप्ताहिक जनता दरबार लगा, जिसमें उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने जिले भर से आए एक दर्जन लोगों की शिकायतें सुनीं। ज्यादातर मामले भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि पर्चा (एलपीसी) निर्गत करने, भूमि हड़पने, रोजगार,भू-मुआवजा, रसीद निर्गत करने, मारपीट, गाली-गलौज आदि से संबंधित थे। ग्राम गंगपांचो, बरकट्ठा से मोसमात चंदवा देवी ने दूसरे पक्ष पर जबरन जमीन कब्जा कर मकान बनाने की शिकायत की। इचाक प्रखंड के टीको गोप ने सहारा इंडिया में जमा राशि दिलाने की गुहार लगाई। ग्राम परतन-पदमा प्रखंड की मालती देवी ने रिश्तेदारों द्वारा जबरन जमीन कब्जा कर लेने की बात बताई। ग्राम खरांटी, बड़कागांव से रिश्तेदारों द्वारा जमीन पर कब्जा करने एवं गालीगलौज करने की शिकायत आई। ग्राम असिया, प्रखंड इचाक से भगिया देवी ने कहा कि दूसरे पक्ष के लोग उसे अबुआ आवास का निर्माण नहीं करने दे रहे हैं। ग्राम इंदिरा टोला पोस्ट-जबरा, इचाक से सोमर साव ने कहा कि रिश्तेदार उसे झूठे केस-मुकदमा में फंसाने की धमकी दे रहे हैं।

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, ससुर-दामाद की मौके पर ही मौत

GIRIDIH : गिरिडीह जिले के सरिया थाना क्षेत्र में मंगलवार को हुए सड़क हादसे में ससुर और दामाद की दर्दनाक मौत हो गई। बाइक पर सवार दोनों व्यक्ति एक खड़े ट्रक से टकरा गए, जिससे मौके पर ही उनकी स्थिति गंभीर हो गई। उन्हें तुरंत बगोदर ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हादसा बगोदर-सरिया अनुमंडल कार्यालय के निकट हुआ, जहां एक बिना संकेत के खड़ा ट्रक हादसे का कारण बना। मृतकों की पहचान गौरव कुमार रजक उर्फ टिंकू और सहदेव मंडल के रूप में की गई है। गौरव कुमार सरिया के कलाली रोड का निवासी था, जबकि उसके ससुर सहदेव मंडल का घर बरकट्ठा थाना क्षेत्र के बेड़ो कला गांव में है।

बगोदर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। खड़े ट्रक की स्थिति और चालक की भूमिका की भी जांच की जा रही है। ट्रक चालक मौके से फरार बताया जा रहा है।

यूपी और बिहार वालों को नौकरियां बेच रही है राज्य सरकार : कोचे मुंडा

AGENCY KHUNTI : भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक कोचे मुंडा ने कहा कि अबुआ सरकार का दिखावा करनेवाली राज्य की हेमंत सरकार 25 से 30 लाख रुपये में उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों को नौकरी बेच रही है। झारखंड के आदिवासियों के पास पैसे नहीं हैं, इसलिए यहां के लोग सरकारी नौकरियों से वंचित हैं। कोचे मुंडा राज्य सरकार की विफलताओं के खिलाफ मंगलवार को तोरपा प्रखंड मुख्यालय में आयोजित आक्रोश प्रदर्शन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। प्रखंड कार्यालय में प्रदर्शन के पूर्व भाजपा कार्यकताओं ने नगर भवन से प्रखंड कार्यालय तक जुलूस निकाला और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जुलूस मेन रोड होते प्रखंड कार्यालय पहुंचकर सभा में तब्दील हो गई। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक ने कहा कि हेमंत सरकार हर मोर्चे पर विफल हो रही है। भाजपा ने सरकार को छह महीने का समय दिया था, पर सरकार की कार्यशैली में न कोई सुधार हुआ और न कानून व्यवस्था की स्थिति बदली। उन्होंने कहा कि बांग्लादेसी झारखंड की आदिवासी लड़कियों से शादी कर उएएनकी जमीन हड़प रहे हैं और जमीन हड़पने के बाद उनकी बेरहमी से हत्या कर दी जाती है। कोचे मुंडा ने कहा कि राज्य में हर ओर भ्रष्टाचार और घूसखोरी का बोलबाला है। उन्होंने कहा कि बिना पैसे दिये किसी सरकारी दफ्तर में कोई काम नहीं होता। उन्होंने कहा कि न तो वृद्धों का पेंशन मिल रही है और न विधवाओं को सम्मान राशि दी जा रही है। पूरे राज्य में विकास कार्य ठप पड़े हैं।

तोरपा प्रखंड मुख्यालय में हुए प्रदर्शन में उपस्थित भाजपा नेता

राज्य में विधि-व्यवस्था चौपट, शाम होते ही घर से निकलने में डरती हैं बहू-बेटियां : नीलकंठ

AGENCY KHUNTI : झारखंड सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा ग्रामीण और नगर मंडल के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम ग्रामीण मंडल अध्यक्ष मदन मोहन गोप और नगर मडल अध्यक्ष अर्जुन पहान के संयुक्त नेतृत्व में किया गया। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि लंबी-चौड़ी घोषणाओं का सपना दिखा कर फिर एक बार राज्य की सत्ता पर काबिज होने वाली हेमंत सरकार की नीति और नीयत में कोई बदलाव नहीं आया है। अपने पिछले कार्यकाल में जिस प्रकार से राज्य सरकार के संरक्षण में खनिज संसाधनों की लूट, पंचायत से लेकर सचिवालय-मंत्रालय तक

प्रदर्शन के दौरान मांगपत्र दिखाते भाजपाई

लूट भ्रष्टाचार ने अपना पैर जमाया है, वह दूसरे कार्यकाल में और मजबूत हो रहा है।

विधि व्यवस्था की हालत ऐसी कि कोई सुरक्षित नहीं। हत्या, लूट आम बात हो चुकी है। अपराधी बेखौफ अपराध को अंजाम दे रहे। बहन-बेटियां घर से निकलने से डरती हैं। दुष्कर्म, सामूहिक बलात्कार की घटनाएं ध्वस्त विधि व्यवस्था को उजागर कर रही हैं। जिला महामंत्री संजय साहू ने कहा कि आज विद्यालयों में शिक्षक नहीं हैं, लेकिन शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर है।

अस्पतालों में डॉक्टर नहीं, दवाई नहीं, ऑक्सीजन, एम्बुलेंस के अभाव में गरीब मरने को मजबूर हैं। अपराधी, दुराचारी, भ्रष्टाचारियों का हेमंत के राज हिम्मत बढ़ गई है। विरोध प्रदर्शन के बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी को विभिन्न मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। विरोध प्रदर्शन में जिला उपाध्यक्ष बिनोद नाग, जिला मीडिया सह प्रभारी महावीर राम, सोशल मीडिया प्रभारी रूपेश जयसवाल, जिला एसी मोर्चा अध्यक्ष योगेंद्र नायक, मंडल महामंत्री, विकास चौधरी, मंगा नाग, सुदर्शन भोगता, सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दोनों पर्वों की तिथियां एक साथ टकराने से बढ़ीं सरकारी महकमे की चुनौतियां

मुहर्रम व रथयात्रा के लिए पुलिस-प्रशासन ने बनाई रणनीति

PHOTON NEWS GHATSILA : इस बार 27 जून को रथयात्रा निकलेगी, जबकि मुहर्रम भी इसी दिन मनाए जाने की संभावना है। इसे लेकर पुलिस व प्रशासन ने विशेष रणनीति बनाई है, ताकि दोनों पर्व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सकें। इसे लेकर मऊभंडार ओपी परिसर में मंगलवार को घाटशिला की सीओ निशांत अंबर की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई।

इसमें सभी समुदायों से त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की गई। जगन्नाथ मंदिर समिति के प्रतिनिधियों ने जानकारी दी कि 27 जून को दोपहर 3.30 बजे रथयात्रा जगन्नाथ मंदिर से गोपालपुर रेलवे फाटक, मौसीबाड़ी, दुर्गा पूजा मंडप एवं शिव मंदिर होते हुए गुंडिचा मंदिर पहुंचेगी। 5 जुलाई को बाहुड़ा यात्रा भी दोपहर 3.30 बजे गुंडिचा मंदिर से तारिणी मंदिर, टुमानडुंगरी होते हुए वापस जगन्नाथ मंदिर पहुंचेगी। 6 जुलाई को स्वर्णवेश कार्यक्रम का आयोजन मंदिर परिसर में किया जाएगा। वहीं, मऊभंडार मुहर्रम कमेटी के प्रतिनिधियों ने बताया कि मुहर्रम की शुरूआत भी 27 जून को हो सकती है, हालांकि यह चांद दिखने पर निर्भर करता है। 6 जुलाई को मुहर्रम की दशमी के दिन ताजिया जुलूस मऊभंडार से नवाबकोठी तक जाएगा, जहां खेल का आयोजन किया जाएगा। इसके पश्चात जुलूस मुस्लिम बस्ती होते हुए इमामबाड़ा पहुंचेगा। शांति समिति के सदस्यों ने जुलूस मार्ग में आने वाली विभिन्न समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। लोगों ने 11 हजार वोल्ट बिजली तार पर कवर लगाने की मांग की। उपमुखिया रूपेश दुबे ने दाहीगोड़ा हनुमान मंदिर के समीप सड़क किनारे जलजमाव की समस्या रखी। सीओ निशांत अंबर ने सभी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। मऊभंडार ओपी प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि जुलूस के दौरान एंबुलेंस की व्यवस्था रहेगी। एचसीएल के प्रतिनिधि साकेत अग्रवाल को मुख्य चौक-चौराहों पर खराब लाइटों की मरम्मत का निर्देश दिया गया है।

बैठक में ओपी प्रभारी पंकज कुमार, एएसआई मार्शल हेरेंज, महमूद अली, कालीराम शर्मा, दिनेश कुमार साह, मोहम्मद शकील, चत्रुगन राउत, अजीत कुमार बेहुरा, आरक्षित बेहुरा, मेघनाथ सिंह, निरंजन सतपति, आजाद बेहरा सहित कई लोग मौजूद थे।

बैठक में उपस्थित अंचल अधिकारी, थानेदार व शांति समिति के सदस्य ● फोटोन न्यूज

BRIEF NEWS

बारिश से खराब हुई सड़कों की जल्द मरमत जरूरी : अमर महतो

RANCHI : मानसून की बारिश ने भारी तबाही मचाई' करोड़ों रुपये के सड़क पुल पुलिया तबाह हो गए ' राजमार्ग सड़कों पर सैकड़ों ऐसे गड्ढे दुर्घटना के कारण बन सकते हैं। रांची - जमशेदपुर-चाईबासा- सरायकेला क्षेत्र के सड़क मरमत की कगार पर हैं। नेशनल पीपुल्स पार्टी के अमर महतो ने कहा कि इन सड़कों के जल्द मरम्मत होनी चाहिए। एनएचएआई के महाप्रबंधक एवं प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता इस विषय को लेकर त्वरित कार्रवाई अब तक नहीं किया ' सुमन ने कहा कि सड़कों की गुणवत्ता में कमी,कमीशनखोरी एवं जनप्रतिनिधि के नजरअंदाज करने से से सड़कों का हाल खराब है ' पंचपरगना के बुंडू, राहे ,सिली, सोनाहातू ,तमाड़, इचागढ़ क्षेत्र में देखा जाए तो विधानसभा एवं प्रखंडों को जोड़ने वाली सड़क टूट गई हैं।

डॉ. लाल्स हॉस्पिटल के शिविर में 200 मरीजों का निःशुल्क इलाज

RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची से सटे झालदा में सेवा संस्था और डॉ लाल्स हॉस्पिटल रांची के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 200 मरीजों का निःशुल्क इलाज किया गया। शिविर में डॉ. समित लाल (ईएनटी विशेषज्ञ), डॉ रोहित लाल (हड्डी एवं नस रोग विशेषज्ञ), डॉ. शाब्दिका लाल और डॉ श्वेता लाल (स्त्री रोग विशेषज्ञ) सहित अन्य चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर परामर्श दिया। डॉ. लाल्स हॉस्पिटल की ओर से मरीजों को मुफ्त दवाइयां दी गईं। साथ ही प्रूडेंट पैथलैब द्वारा मरीजों की निःशुल्क जांच की गई और विशेष जांच पर छूट भी प्रदान की गई।

रांची में एमबीबीएस एब्रॉड एक्सपो-2025 का हुआ आयोजन

RANCHI : पूर्वी भारत के सबसे बड़े एमबीबीएस एब्रॉड एक्सपो-2025 का आयोजन मंगलवार को रांची के होटल लैंडमार्क लालपुर में प्राइम एडुटेक द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावकों ने भाग लिया। वहीं विदेश में मेडिकल शिक्षा के अवसरों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। जॉर्जिया, किर्गिस्तान, तजाकिस्तान, नेपाल, नॉर्थ अमेरिका और भारत के प्रतिष्ठित मेडिकल विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने छात्रों को पाठ्यक्रम, फीस, एडमिशन प्रक्रिया और करियर संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में कई छात्रों ने स्पॉट एडमिशन लिया और उन्हें फ्री एयर टिकट जैसी सुविधाएं भी प्रदान की गईं।

निवारणपुर के तपोवन मंदिर के पास उफान पर हरमू नदी

शहर में बढ़ी परेशानी, बारिश में सतर्क रहने की डीसी ने की अपील

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को दोपहर बाद रांची में एकबार फिर बादलों ने डेरा डाल दिया। सुबह में धूप के बाद दोपहर में अचानक मौसम बदल गया। राजधानी में दोपहर के बाद झमाझम बारिश हुई। इससे कई सड़कें डूब गईं और मुहल्लों में भी जलजमाव की स्थिति नजर आई। कुछ घरों में भी पानी घुस गया। इस वजह से लोगों को काफी परेशानी हुई। साथ ही जनजीवन अस्त-व्यस्त दिखा। शाम के बाद भी रिमझिम बारिश जारी रही। इस दौरान हवाएं चलीं और बादल भी गरजते रहे। बारिश को लेकर डीसी रांची मंजुनाथ भजंत्री ने कहा कि लोगों को भी बारिश में सतर्क रहने की जरूरत है। जिला प्रशासन और रांची नगर निगम तो सफाई में जुटा है। शहर में लोगों को भी अतिक्रमण और अपने आसपास को साफ रखना होगा। अनुशासन से ही शहर को भी हम साफ रख सकते है।

जनता दरबार में समस्याओं से रूबरू हुईं मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, दिए समाधान के निर्देश

तीन माह के बेटे को ले गया पति वापसी को पत्नी ने लगाई गुहार

PHOTON NEWS RANCHI : कांग्रेस पार्टी की जन समस्याओं के समाधान के लिए शुरू किए गए जनता दरबार पर लोगों का भरोसा बढ़ रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कांग्रेस कार्यालय में जनता दरबार आयोजित किया। जहां सैकड़ों लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। हिंदपीढ़ी की रहने वाली इरम प्रवीण ने अपने तीन माह के बच्चे को पति द्वारा ले जाने की शिकायत की। इस पर मंत्री ने तत्काल संज्ञान लेते हुए एसएसपी से बात की। उन्होंने पहल करते हुए बच्चे की वापसी हेतु तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

सड़क निर्माण में लापरवाही की शिकायत : जनता दरबार के बाद मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि हमारे समक्ष कई शिकायतें आई हैं। जैसे सड़क निर्माण, चिकित्सा, वर्षों से जमे अधिकारियों के तबादले आदि। ग्रामीण विकास से संबंधित सड़क निर्माण की भी शिकायतें मिली हैं, जिन पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण एक प्रक्रिया है, जिसमें समय लगता है।

मंत्री से जुड़ने का सीधा मंच : मंत्री ने कहा कि जनता दरबार से आम लोगों को अपनी बात सीधे मंत्रियों तक पहुंचाने का मंच मिल रहा है। ऐसी समस्याएं, जो सामान्य प्रक्रिया से हल हो सकती हैं, उनका समाधान तुरंत किया जा रहा है। साथ ही कहा कि कुछ गंभीर मामलों पर संबंधित जिलों के उपायुक्त एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। इस बार के जनता दरबार में कुल 63 लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। वहीं जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि पथ निर्माण से संबंधित 9, तबादले से जुड़े 3, जमीन से जुड़े 8, अबुआ आवास से 4, कर्ज माफी के 3, चिकित्सा सहायता से जुड़े 4 और अन्य कई मामलों पर शिकायतें आईं।

» हर मंगलवार को कांग्रेस के मंत्री कांग्रेस भवन में सुनेंगे जनता की समस्याएं

» बारिश के बावजूद 63 लोग पहुंचे मंत्री के पास फरियाद लगाने

प्रतिनिधियों ने भी गिनाई समस्याएं

इस अवसर पर कमलाकर शर्मा, हुसैन अंसारी, वेदांत कौस्तव, महिला स्वयं सहायता समूह रामगढ़ की प्रतिनिधियों समेत कई लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। इस जनता दरबार में कमल ठाकुर, अभिलाष साहू, राजन वर्मा, नरेंद्र लाल गोपी, राजीव चौधरी, अजय जैन और प्रशांत पांडे भी उपस्थित रहे।

जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनतीं दीपिका पांडेय सिंह ● फोटोन न्यूज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे मौजूद

मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश भी उपस्थित रहे और उन्होंने दरबार की कार्यप्रणाली की निगरानी की। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जनता का कांग्रेस पर विश्वास बरकरार है और इसी को देखते हुए सभी मंत्रियों को प्रत्येक मंगलवार को कांग्रेस कार्यालय में जनता दरबार आयोजित करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि दरबार में उठाई गई समस्याओं को सूचीबद्ध किया जाता है और उनके समाधान की दिशा में उठाए गए कदमों की प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर कांग्रेस मुख्यालय भेजी जाती है।

दिल्ली में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल से मिले बंधु तिर्की

झारखंड में संगठन की मजबूती, विस्तार और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर की चर्चा

राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात करते बंधु तिर्की ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल और वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद मुकुल वासनिक से दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान झारखंड में कांग्रेस संगठन की मजबूती, विस्तार और कार्यकताओं की भूमिका को लेकर गहन चर्चा हुई। बंधु तिर्की ने बताया कि झारखंड में प्रदेश से लेकर पंचायत स्तर तक संगठन सृजन का अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और जनसंपर्क बढ़ाने पर खास ध्यान दिया जा रहा है। चर्चा के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि कांग्रेस न केवल राज्य में जनता से जुड़े मुद्दों का समय पर समाधान करे, बल्कि गठबंधन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में भी संगठन की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य के सभी 24 जिलों में संगठन को गतिशील बनाया जा रहा है। कांग्रेस इस दिशा में काम कर रही है कि जनता से किए हर वादे को धरातल पर उतारा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी का लक्ष्य एक बार फिर से अपने ऐतिहासिक राजनीतिक योगदान को दोहराना है। बंधु तिर्की ने यह भी कहा कि देश के प्रिय नेता राहुल गांधी को अगला प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प कांग्रेस के हर नेता और कार्यकर्ता ने लिया है और उसी दिशा में संगठन पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है।

अकीदत और मोहब्बत के साथ निकाला जाएगा मुहर्रम का जुलूस

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को सेंट्रल मुहर्रम कमिटी की एक अहम बैठक मेन रोड मधुबन मार्केट में हुई। बैठक में मुहर्रम का जुलूस निकालने का निर्णय लिया गया। बैठक कमेटी के सरपरस्त मो. सईद की सरपरस्ती व कमेटी के अध्यक्ष जावेद गद्दी की अध्यक्षता में हुई। दोनों प्रमुख खलीफा क्रमशः धवताल अखाड़ा के प्रमुख खलीफा जमशेद अली उर्फ पप्पू गद्दी, इमाम बख्श अखाड़ा के खलीफा मो. महजूद के साथ दोनों अखाड़े के अधीन आने वाले तमाम क्षेत्रीय खलीफा एवं पदाधिकारी, सेन्ट्रल मुहर्रम कमिटी के प्रमुख पदाधिकारी एवं सदस्यगण बैठक में मुख्य रूप से शामिल हुए। सर्वसम्मति से इस वर्ष 2025 के मुहर्रम का जुलूस पूरे अकीदत व एहतराम से तथा

आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ निकाले जाने का निर्णय लिया गया है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मुहर्रम का चांद नजर आ जाने के बाद मुहर्रम से संबंधित तमाम कार्यक्रम पूर्व की तरह प्रत्येक अखाड़े व इमामबाड़े में आयोजित किए जाएंगे। यह भी निर्णय लिया गया कि मुहर्रम के जुलूस की सफलता के लिए दोनों प्रमुख खलीफा अपने अपने नेतृत्व में अपने क्षेत्रीय खलीफाओं एवं पदाधिकारियों के साथ अपने क्षेत्रीय स्तर पर बैठक कर लेंगे।

अंचल अधिकारी दो सप्ताह के अंदर प्रार्थी का नाम पंजी दो में करें दर्ज : हाईकोर्ट

RANCHI : हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की अदालत ने रांची के हेहल अंचल के अंचल अधिकारी को दो सप्ताह के अंदर प्रार्थी जितेंद्र सिंह का नाम पंजी दो में दर्ज कर लगान रसीद जारी करने का निर्देश दिया है। नहीं तो उनके ऊपर 50 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया जाएगा। जितेंद्र कुमार का नाम पंजी दो में लगानदाता के तौर पर दर्ज था और वो वह अपने भूखंड के उपभोग के विरुद्ध लगान देते आ रहे थे। जिसे हेहल अंचल अधिकारी ने रद्द कर दिया था। अंचल अधिकारी की ओर से पंजी दो रद्द करने के बाद जितेंद्र सिंह ने हाई कोर्ट का रुख किया। सुनवाई के दौरान प्रार्थी जितेंद्र सिंह की ओर से अधिवक्ता जितेंद्र त्रिपाठी ने पक्ष रखा।

झारखंड में हर हत्या और आत्महत्या के लिए हेमंत सरकार जिम्मेदार : सीपी सिंह

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की गिरती कानून व्यवस्था, व्यापक भ्रष्टाचार और सरकारी योजनाओं की विफलता को लेकर भाजपा रांची महानगर द्वारा मंगलवार आक्रोश प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन रांची सदर, हेहल, अरगोड़ा और बड़गाईं अंचल कार्यालयों के समक्ष हुआ। इसमें सैकड़ों कार्यकर्ता और आम नागरिक शामिल हुए। भाजपा कार्यकताओं ने इन अंचलों में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया और अंचल कार्यालयों का घेराव कर जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रांची के विधायक सीपी सिंह ने कहा कि झारखंड में हो रही हर हत्या और आत्महत्या के लिए प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से हेमंत सरकार और अंचल कार्यालयों में फैला भ्रष्टाचार जिम्मेदार है। बिना रिश्वत के यहां कोई कार्य नहीं होता। अंचल कार्यालय भ्रष्टाचार के अड्डे बन चुके हैं। हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने चेतावनी दी कि यदि जनता को परेशान करना बंद नहीं किया गया तो भाजपा कार्यकर्ता सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेंगे और भ्रष्ट अधिकारियों को जेल तक पहुंचाएंगे। भाजपा रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा कि अंचल कार्यालय आज लूट का अड्डा बन चुके हैं और यह बिना सरकार की मिलीभगत के संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार खुद भ्रष्टाचार में भागीदार है। भाजपा ने चेताया कि अगर भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं लगाई गई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

आक्रोश प्रदर्शन में शामिल विधायक सीपी सिंह व अन्य ● फोटोन न्यूज

सरकार की स्थानीयता व नियोजन नीति से घबराई भाजपा : झामुमो

RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने भाजपा की ओर से राज्यभर के प्रखंडों में किए गए आक्रोश प्रदर्शन को स्थानीयता आधारित नियोजन नीति की सफलता से उपजी घबराहट और हताशा करार दिया है। पार्टी के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने आदिवासी-मूलवासी हित में ऐतिहासिक फैसले लिए हैं, जिससे भाजपा की राजनीतिक जमीन खिसक गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह प्रदर्शन न तो जनहित से जुड़ा है और न ही जनता के दर्द से, बल्कि यह उनकी राजनीतिक नौटंकी और बौखलाहट का प्रतीक है। पांडेय ने कहा, भाजपा को इस बात का कष्ट है कि हेमंत सरकार स्थानीय युवाओं को नौकरी देने, महिलाओं को सम्मान दिलाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का काम कर रही है।

आर्यभट्ट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय नशा मुक्त अभियान कार्यक्रम में युवाओं ने ली शपथ, डीसी बोले-

नशा मुक्त समाज का निर्माण लोगों के सहयोग के बिना संभव नहीं

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार के तत्वावधान में 10 जून से 26 जून तक चलाए जा रहे राज्यव्यापी नशा विरोधी जागरूकता अभियान के अंतर्गत मंगलवार को रांची के आर्यभट्ट सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम हुआ। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और सामूहिक सहभागिता से नशामुक्त समाज का निर्माण करना था। मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री और विशिष्ट अतिथि डीआईजी सह एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा उपस्थित थे। उपायुक्त ने नशे के विरुद्ध शपथ दिलाई और सभी से नशामुक्त समाज निर्माण में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है बल्कि परिवार, समाज और देश की प्रगति में बाधा डालता है। हमारा लक्ष्य है कि रांची जिला का हर नागरिक, विशेषकर युवा, नशे के खतरे से पूरी तरह अवगत हो और एक जागरूक, सशक्त समाज की स्थापना हो।

एक्सपर्ट्स ने बताए नुकसान

एनसीबी झारखंड, रिनपास और सीआईपी के प्रतिनिधियों ने नशे की लत, मानसिक स्वास्थ्य और उपचार की सुविधाओं पर प्रभावी जानकारी दी। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस दौरान रांची विश्वविद्यालय, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, निजी और सरकारी विद्यालयों के लगभग 700 से अधिक स्टूडेंट्स, शिक्षकों और ग्रामीण प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में हस्ताक्षर अभियान, जागरूकता रैली और शॉर्ट फिल्म के माध्यम से नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। वहीं 23 जून को आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

मदद से लगाएंगे रोक

एसएसपी चंदन सिन्हा ने कहा कि इसके लिए लोगों को जागरूक होने की जरूरत है। लोगों के सहयोग के बिना हम नशे के सौदागरों को नहीं पकड़ सकते। अगर आपके आसपास भी संदिग्ध गतिविधि दिखाई देती है तो इसकी सूचना रांची पुलिस को दे सकते है। लोकेशन के साथ फोटो भी भेज सकते है। इस जानकारी को पूरी तरह से गुप्त रखा जाएगा। वहीं अपराधियों पर नकेल कसने में पुलिस को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि रांची में ड्रग पेडलरों की पूरी लिस्ट बनाई गई है। ये लिस्ट सभी स्कूलों, रांची की जनता के बीच बांट दिए जाएंगे। जिससे कि इनकी पहचान कर गिरफ्तार किया जा सके।

जेएसएलपीएस के सीईओ से कर्मचारी महासंघ के शिष्टमंडल ने की मुलाकात

RANCHI : झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के महामंत्री सुनील कुमार साह के नेतृत्व में मंगलवार को महासंघ का एक शिष्टमंडल झारखंड स्टेट प्रमोशन लाइवलीहुड (जेएसएलपीएस) के नव नियुक्त सीईओ अनन्य मित्तल से मुलाकात की। उन्हें पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया और चतुर्थवर्गीय कर्मियों के हक में मांगपत्र सौंपा गया। मांगों में 9-10 वर्षों से कार्यरत ऑफिस बॉय, अटेंडेंट, हाउसकीपर को मात्र 377 प्रतिदिन मानदेय देने पर आपत्ति जताते हुए श्रम मंत्रालय के अनुरूप 783 प्रतिदिन अथवा 20,000 मासिक मानदेय देने की मांग की गई। साथ ही सार्वजनिक, साप्ताहिक एवं महिलाओं को विशेष अवकाश देने और शेष 232 कर्मियों को एल-8 में समायोजित करने की बात कही गई।

जमीयतुल कुरैश चौरासी के नए अध्यक्ष बने हाजी अफसर कुरैशी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड जमीयतुल कुरैश चौरासी का चुनाव 24 जून को डोरंडा उर्स मैदान स्थित मुसाफिरखाना मे संपन्न हुआ। यह चुनाव 25 वर्षों के बाद ऐतिहासिक रहा। चुनाव में झारखंड के 22 जिलों की कुल 44 पंचायतों में से 34 ने चुनाव में भाग लिया। दिन के 11 से दोपहर तीन बजे तक वोटिंग हुई। जमीयतुल कुरैश 84 पंचायत के अध्यक्ष में उम्मीदवार अफसर कुरैशी लोहरदगा 185 वोट मिला, आजाद कुरैशी 19 वोट, 2 वोट कैंसिल हो गए। अफसर कुरैशी ने 166 वोट से जीत दर्ज की। महासचिव में मुमताज कुरैशी धनबाद 190 वोट और मोहम्मद इम्तियाज कुरैशी 13 वोट, मुमताज कुरैशी ने 177 वोट से महासचिव पद में जीत दर्ज की। कोषाध्यक्ष में तौफीक कुरैशी 190 वोट और नौशाद कुरैशी

10 वोट, रद्द 4 वोट रहे। हाजी तौफीक कुरैशी ने 180 वोट से कोषाध्यक्ष का चुनाव जीता। चुनाव संयोजक अफरोज कुरैशी ने बताया कि चुनाव पूरी तरह से पारदर्शी एवं निष्पक्ष कराया गया। 33 पंचायतों के करीब पांच सौ वोटर शामिल हुए। 330 वोटरों ने वोट किया। रांची के अलावा हजारीबाग, लोहरदगा, धनबाद, टाटा समेत अन्य सभी जिलों के वोटर शामिल हैं। हाजी अफसर कुरैशी ने बताया कि जो लोग चुनाव का विरोध कर रहे हैं, उन्हीं इलाके के पंचायतों ने चुनाव का लिखित समर्थन किया है।

समाचार सार

सरस्वती शिशु मंदिर में चला नशा मुक्ति अभियान

GHATSILA : बीडीएसएल सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, घाटशिला में मंगलवार को नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। इस मौके पर घाटशिला के थाना प्रभारी मधुसूदन दे ने छात्र-छात्राओं को नशा से होने वाली हानि के विषय में बताया। उनसे पड़ोसियों तक को जागरूक करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य लखन लाल करमाली व वरिष्ठ आचार्य छंदा मुखर्जी, आचार्य ओमप्रकाश अवस्थी, कैलाशनाथ पांडे, उदय कुमार, लखीकांत बारी, प्रियंका मुर्मू, गुरपद पातर, सुमन कुमार महतो आदि ने भी नशा त्याग करने का शपथ लिया।

ब्रेन मलेरिया से बच्ची की मौत

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड में ब्रेन मलेरिया से 5 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, चक्रधरपुर प्रखंड अंतर्गत झरझरा के रामडा गांव निवासी तोगो सामड की बेटी बालेमा सामड कुछ दिनों से बीमार थी। मंगलवार की सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद दादी बैजंती दोंगों ने बालेमा सामड को चक्रधरपुर स्थित अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने इलाज शुरू किया, लेकिन इसी क्रम में उसकी मौत हो गई। बच्ची के माता-पिता मजदूरी करने बाहर गए हैं, जिससे उसकी देखरेख दादी करती थी। दादी ने बताया कि पोती को कुछ दिन से बुखार था। इसके बाद बुखार छूट गया था। मंगलवार की सुबह अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। चिकित्सकों ने बताया कि बच्ची की मौत ब्रेन मलेरिया के कारण हुई है।

मनीष सिंह बने सवर्ण महासंघ के जिला अध्यक्ष

SERAIKELA : आदित्यपुर हाउसिंग कॉलोनी निवासी मनीष कुमार सिंह वंदन को सवर्ण महासंघ-फाउंडेशन ऑफ इंडिया का सरायकेला-खरसावां जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी यह नियुक्ति फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह की अनुशंसा पर की गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष धनुर्धर त्रिपाठी द्वारा इस संबंध में औपचारिक पत्र जारी किया गया है। मनीष का कार्यकाल तीन वर्षों का होगा।

फुटबॉल में संस्कृत विद्यालय व बंगाली स्कूल विजेता

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर के पोड़ाहाट स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबाल प्रतियोगिता का समापन मंगलवार को हो गया। यह प्रतियोगिता झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा विद्यालयों के बालक वर्ग में अंडर-15 व 17 और बालिका वर्ग अंडर-17 के लिए कराई गई। बालिका वर्ग अंडर 17 में बंगाली बालिका हाई स्कूल विजेता 1-0 गोल से विजेता तथा मारवाड़ी प्लस टू स्कूल उपविजेता बना। बालक वर्ग अंडर-15 में आदिवासी संस्कृति विद्यालय चक्रधरपुर 2-0 गोल से विजेता तथा कारमेल बालक मध्य विद्यालय उपविजेता बना। जबकि, बालक अंडर-17 में ट्राई ब्रेकर में आदिवासी संस्कृत विद्यालय ने मारवाड़ी प्लस टू विद्यालय को 4-3 गोल से हराया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी कांचन मुखर्जी समेत अतिथियों ने पुरस्कार और ट्राफी प्रदान किए।

फुटबॉल लीग में ऊपरपावड़ा की टीम बनी विजेता

GHATSILA : एचसीएल-आईसीसी के सहयोग से घाटशिला स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित फुटबॉल चैंपियन लीग 2025 के अंतर्गत मंगलवार को मऊभंडार स्पोर्ट्स मैदान में दो मुकाबले खेले गए। पहला मुकाबला (सुपर डिविजन) झारखंड ब्वायज क्लब ऊपरपावड़ा और एफसी बेनागड़िया के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में झारखंड ब्वायज क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एफसी बेनागड़िया को 8-3 से हराया। दूसरा मुकाबला (ए डिविजन) एवाईसी पावड़ा और मोहुल बगान एफसी पोटका के बीच खेला गया। यह मैच बराबरी पर छूटा और दोनों टीमों ने 4-4 गोल किया। इस मैच में रेफरी की भूमिका दिलीप मुर्मू, जितेन हेम्ब्रम, चंदन टुडू और कालीराम मुर्मू ने निभाई।

तकनीक व मानवता पर हुआ वैश्विक मंथन

JAMSHEDPUR : अरका जैन विश्वविद्यालय ने मानवता और तकनीक : बहुविषयक दृष्टिकोण की खोज विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन कराया। वर्चुअल सम्मेलन न्यूक्लियस ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट और केआईआईटी डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के सहयोग से हुआ। सम्मेलन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) ईश्वरन अय्यर की अध्यक्षता में हुआ। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार सह निदेशक डॉ. अमित कुमार श्रीवास्तव और मुख्य वित्त अधिकारी ऋचा गर्ग संरक्षक के रूप में जुड़े। डॉ. सोनिया रियात और डॉ. राजकुमारी घोष मुख्य संयोजक रहीं, जबकि डॉ. रूपा सरकार, डॉ. प्रद्यमनसिंह राज और डॉ. शारदा आचार्य सह-संयोजक के रूप में सक्रिय रहे। क्लीवलैंड क्लिनिक (ओहायो, अमेरिका) से जुड़े प्रतिष्ठित वैज्ञानिक डॉ. अफशिन खान ने उद्घाटन भाषण में पृथ्वी और अंतरिक्ष, अंत:विषय विज्ञान और भविष्य की भाषाएं आदि विषयों पर विचार रखा।

बहरीन से कुख्यात निसार ने ही कराया था राजा का मर्डर

जमशेदपुर पुलिस ने पहली बार किसी अपराधी के लिए जारी कराया था लुकआउट नोटिस

PHOTON NEWS JSR : मानगो थाना अंतर्गत 27 अगस्त 2023 को ग्वाला बस्ती, गुरुद्वारा रोड स्थित स्वर्णरेखा नदी के किनारे हुए चर्चित पवन यादव हत्याकांड के मुख्य आरोपी और कुख्यात अपराधी निसार उर्फ निशु ने ही राजा सिंह का भी मर्डर कराया था। यही नहीं निशु ने बोड़ाम थाना क्षेत्र में डिमना डैम के पास आशुतोष ओझा उर्फ अंशु पर भी गोली चलवाई थी। पुलिस ने मंगलवार को बदमाश निशु को पैदल मार्च कराया।

निशु जेल से छूटने के बाद अमरनाथ गिरोह को संभालना चाहता था। उसने शहर के कारोबारियों से रंगदारी वसूलने की बड़ी योजना तैयार की थी। वह यह सब काम बहरीन में बैठ कर रहा था। लेकिन, इसी बीच जमशेदपुर पुलिस ने उसके खिलाफ जाल बिछाया और लुकआउट नोटिस जारी कराने के बाद पुलिस ने उसे दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया। निशु को गिरफ्तार करने के बाद उसे जमशेदपुर लाकर पुलिस ने पूछताछ की तो बड़े राज खुले। एसएसपी पीयूष पांडेय ने मंगलवार को अपने कार्यालय सभागार में प्रेस कांफ्रेंस कर इस संबंध में जानकारी दी है। निशु को जेल भेज दिया गया है।

इसके पास से एक एंड्रायड मोबाइल फोन बरामद हुआ है। इसकी जांच की जा रही है। इससे कई और खुलासे संभव हैं। झारखंड पुलिस और जमशेदपुर क्राइम ब्रांच की इस कार्रवाई ने न केवल एक बेहद खतरनाक अपराधी को काबू में किया है, बल्कि शहर में संगठित अपराध की कमर भी तोड़ दी है।

इससे न केवल अमरनाथ गिरोह को बड़ा झटका लगा है, बल्कि अपराध के खिलाफ पुलिस की सक्रियता भी सिद्ध हो गई है।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसएसपी पीयूष पांडेय ● फोटोन न्यूज

पुलिस के हत्थे ऐसे चढ़ा निशु

वारदात के बाद निशु फरार हो गया था और बहरीन (अरब देश) में छिपकर बैठा था। लेकिन, पुलिस की टेक्निकल टीम ने लगातार निगरानी करते हुए भारत सरकार के गृह मंत्रालय से लुकआउट सर्कुलर जारी कराया। जैसे ही वह भारत लौटा, एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन अधिकारियों के सहयोग से गिरफ्तार कर लिया गया। यह जमशेदपुर पुलिस की पहली लुकआउट सर्कुलर से इंटरनेशनल गिरफ्तारी है।

वारदात और साजिश की कहानी

पवन यादव की 2023 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिसकी प्राथमिकी मृतक के भाई मंतोष यादव ने दर्ज कराई थी। तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 9 अपराधियों को हथियार सहित गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। परंतु, मास्टरमाइंड निसार हसन उर्फ निशु फरार था।

स्पेशल टीम ने निभाई गिरफ्तारी की जिम्मेदारी

पुलिस अधीक्षक-नगर के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक भोला प्रसाद सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने अत्यंत गोपनीय तरीके से इस कार्रवाई को अंजाम दिया। अपराधी की बहरीन से भारत वापसी की खबर लगते ही पुलिस ने जाल बिछाया और इमिग्रेशन में ही निशु को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके खिलाफ सोनारी, बिष्टुपुर, मानगो, उलीडीह और बोड़ाम थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं।

गम्हरिया में शराब अड्डे पर छापेमारी

SERAIKELA : उपायुक्त नीतीश कुमार के निदेर्शानुसार उत्पाद अधीक्षक के नेतृत्व में उत्पाद विभाग एवं जिला पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से मंगलवार को गम्हरिया थाना क्षेत्र के गांडेदुंडी गांव में अवैध शराब निर्माण और बिक्री के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया गया।

इसमें अवैध रूप से संचालित महुआ शराब अड्डे का भंडाफोड़ किया गया। कार्रवाई के क्रम में मौके से 350 किलोग्राम जावा महुआ नष्ट किया गया और 20 लीटर तैयार महुआ शराब जब्त की गई।

अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री में संलिप्त दो व्यक्तियों की पहचान की गई है, जिनके विरुद्ध कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। अभियुक्तों को जल्द गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

कबाड़ में किताब बेचने वाला नाइट गार्ड गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त ने लिया संज्ञान, संबंधित पदाधिकारियों से मांगा जवाब

PHOTON NEWS JSR : पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया में सरकारी किताबों की चोरी का मामला सामने आया है। यहां सरकारी किताबें चोरी कर कबाड़ी के यहां बेची गई हैं। प्रशासन ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच के लिए कमेटी गठित कर दी है। प्रशासन ने त्वरित और सख्त कदम उठाते हुए एफआईआर दर्ज की है, भवनों को सील किया गया है और एक नाइट गार्ड को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सरकारी विद्यालयों में वितरित की जानी वाली पुस्तकें गायब पाई गईं। प्रारंभिक जांच के बाद यह मामला गंभीर लापरवाही का प्रतीत हुआ, जिस पर त्वरित कार्रवाई की गई। प्रकरण में चाकुलिया थाना में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है ताकि विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। जिन भवनों एवं विद्यालय परिसरों में पुस्तकें रखी गई थीं, उन्हें तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ रोकी जा सके। अगर इनके साथ छेड़छाड़ की गई तो जांच पर असर पड़ सकता है। इसी वजह से इन्हें सील कर दिया गया है। प्रखंड संसाधन केंद्र में तैनात नाइट गार्ड बापी दास को प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से सेवा से मुक्त कर दिया गया है। पुलिस हिरासत बापी दास वर्तमान में पुलिस हिरासत में है और उससे इस मामले में पूछताछ जारी है। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को इस लापरवाही के लिए 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकर देने का निर्देश जारी किया गया है। सभी प्रखंडों में पुस्तक वितरण की व्यवस्था की गहन समीक्षा एवं जांच के निर्देश वरीय पदाधिकारियों को दिए गए हैं। उन्हें शीघ्र जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा गया है। समस्त तथ्यों की गहराई से जांच के लिए एक जिला स्तरीय जांच समिति का गठन किया गया है, जो आगामी 48 घंटे में अपनी रिपोर्ट समर्पित करेगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार के निदेर्शों के अनुरूप छात्रों के शैक्षणिक अधिकारों और राजकीय संसाधनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इस मामले में दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही दोहराई न जाए।

कबाड़ी के ठिकाने से बरामद की गईं पाठ्य पुस्तकें ● फोटोन न्यूज

इनके खिलाफ प्राथमिकी हुई दर्ज

इस मामले में प्रखंड संसाधन केंद्र चाकुलिया के प्रखंड विकास अधिकारी तरुण कुमार गिरी के आवेदन पर पुलिस ने रात्रि प्रहरी बापी दास, टेंपो जेएच 05 3261 के चालक, रंजीत दास और पुटन टाल के मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है।

गड़बड़ इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण पानी सुगमता से नहीं निकला : सरयू

JAMSHEDPUR : शहर में बीते दिनों बारिश के कारण हुई परेशानियों, खास कर पश्चिमी विधानसभा में हुई दिक्कतों के कारण और उनके समाधान के बिंदुओं की तलाश करने के लिए विधायक सरयू राय की अध्यक्षता में मंगलवार को बिष्टुपुर स्थित मिलानी हॉल में समीक्षा बैठक हुई। इसमें एनडीए से जुड़े कार्यकर्ता-नेता शामिल हुए। सरयू राय ने कहा कि अगर इंफ्रास्ट्रक्चर सही होता तो बारिश का पानी सुगमता से निकल जाता, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। कई इलाकों में कमर तक तो कई इलाकों में घुटनों तक पानी जमा रहा। नित्यानंद कालोनी, देशबंधु कालोनी में जलजमाव की समस्या बेहद पुरानी है, लेकिन इस बार नए इलाकों में भी पानी घुस गया। उन्होंने कहा कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य यह जानना है कि किन इलाकों में दिक्कत हुई, क्यों हुई और इसका समाधान क्या है। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपनी राय दें, उसे एक साथ कंपाइल किया जाएगा और जो जायज चीजें हैं, उन्हें आवश्यक मान कर और प्रशासन पर दबाव बना कर हमें काम कराना होगा। उन्होंने कहा कि अनेक ऐसे प्रोजेक्ट हैं, जिनका प्रस्ताव कई माह पहले ही बना कर भेज दिया गया, लेकिन उनकी प्रशासनिक स्वीकृति अब तक नहीं मिली। स्वीकृति न मिलने से भी काम नहीं हो पाया और लोगों को इस बारिश में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

बैठक को संबोधित करते सरयू राय

कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई को लेकर छात्रों ने निकाली रैली

चक्रधरपुर में सांसद जोबा मांझी के आवास पर जाते छात्र ● फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : सभी कॉलेजों में इंटरमीडिएट कक्षा में नामांकन जारी रखने की मांग पर मंगलवार को छात्रों ने प्रदर्शन किया। जेएलएन कॉलेज में पढ़ने वाले इंटरमीडिएट सेकेंड ईयर के सैकड़ों विद्यार्थियों ने छात्र नेता अजय कुंभकार के नेतृत्व में 3 किलोमीटर लंबी रैली निकाली, जिसमें पुरानी बस्ती, राजबाड़ी रोड, पवन चौक, रेलवे ओवरब्रिज, हनुमान चौक, एलआईसी बिल्डिंग, कुसुमकुंज मोड़, मेन रोड, इतवारी बाजार, कारमेल स्कूल होते हुए पंप रोड पहुंचे। यहां उन्होंने सांसद जोबा मांझी के आवासीय कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। विद्यार्थियों ने नारा लगाते हुए कहा कि सरकार विद्यार्थियों के साथ अन्याय कर रही है। कोल्हान विश्वविद्यालय के अंतर्गत आनेवाले सभी महाविद्यालय में इंटर की पढ़ाई जारी रखी जाए और पुनः नामांकन का आदेश दिया जाए। सांसद ने विद्यार्थियों से फोन पर बात करते हुए आश्वासन दिया कि हम छात्रहित में राजभवन को पत्र भेजेंगे, ताकि जल्द से जल्द सभी कॉलेजों में इंटरमीडिएट की पढ़ाई जारी रहे।

चक्रधरपुर में वज्रपात से महिला की मौत

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव प्रखंड स्थित पिंगु गांव में मंगलवार को वज्रपात से एक महिला की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, टेबो थाना अंतर्गत पिंगु गांव निवासी गोमिया बोदरा की पत्नी रांणी हंस (30 वर्ष) अपने घर के आंगन में बर्तन धो रही थी। तभी बारिश शुरू हो गई और गरज-चमक के साथ आंगन में वज्रपात हुआ। इसकी चपेट में आकर रांणी हंस की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर टेबो थाना की पुलिस पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। अंचल अधिकारी भीकम कुमार ने कहा कि मृतका के परिजनों को सरकारी प्रावधान के तहत मुआवजा दिया जाएगा।

एकलव्य विद्यालयों में नामांकन के लिए दो सत्रों में आए 1671 आवेदन

समाहरणालय सभागार में बैठक को संबोधित करते डीसी चंदन कुमार

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला के समाहरणालय सभागार में मंगलवार को उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय समिति की बैठक हुई। इसमें परियोजना निदेशक, आईटीडीए जयदीप तिग्गा ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 एवं 2025-26 में कुल 11 विद्यालयों में नामांकन के लिए 1671 छात्र-छात्राओं का आवेदन मिला है।

इसके साथ ही उन्होंने बताया कि विद्यालयों में फर्नीचर, बर्तन-उपस्कर एवं सामग्री की आपूर्ति के लिए 25 जून को निविदा आमंत्रण का विज्ञापन प्रकाशित किया जाएगा।

उपायुक्त ने सभी एकलव्य विद्यालयों में गेस्ट फैकल्टी (घंटी आधारित, पूर्णकालिक विभागीय आदेश अनुसार) विषयवार शिक्षकों की बहाली से संबंधित प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। परियोजना निदेशक व जिला शिक्षा पदाधिकारी को वर्तमान में मॉडल विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों को उसी पोषक क्षेत्र के विद्यालयों से टैग करने का भी निर्देश दिया। चतुर्थ वर्ग के लिए जेएसएलपीएस के माध्यम से ग्रामसभा द्वारा अस्थायी रसोइया, चौकीदार एवं झाड़ूदार पद के लिए 75 मानव शक्ति उपलब्ध कराने से संबंधित प्रतिवेदन की भी समीक्षा हुई। बैठक में सहायक समाहर्ता सिद्धांत कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी टोनी प्रेमराज, चिकित्सा पदाधिकारी, प्राचार्य, एकलव्य विद्यालय के शिक्षक आदि भी उपस्थित थे।

पेसा कानून, भाषा विवाद, स्थानीय व नियोजन नीति के मुद्दे पर जमकर बरसे नेता

हेमंत सरकार के खिलाफ भाजपा ने प्रखंडों में किया आक्रोश प्रदर्शन

PHOTON NEWS JSR : झारखंड में सत्तारूढ़ झामुमो, कांग्रेस और राजद गठबंधन सरकार के खिलाफ भाजपा ने मंगलवार को राज्यव्यापी आक्रोश प्रदर्शन किया। इसी क्रम में भाजपा, जमशेदपुर महानगर की अगुवाई में करनडीह स्थित जमशेदपुर, पोटका, पटमदा व बोड़ाम के प्रखंड कार्यालयों पर भी प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने राज्य में लगातार बिगड़ती कानून व्यवस्था, गहराते भ्रष्टाचार, बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी, गरीबों का पेंशन बंद होने, किसानों के बकाया भुगतान में देरी, बढ़ती बेरोजगारी, पेसा कानून के कार्यान्वयन की अनदेखी, भाषा विवाद, स्थानीय नीति व नियोजन नीति जैसे ज्वलंत मुद्दों को लेकर सरकार पर हमला बोला। करनडीह स्थित जमशेदपुर प्रखंड कार्यालय में जिला अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने कहा कि राज्य सरकार जनता की समस्याओं को न देख रही है, न सुन रही है और न ही कोई समाधान निकाल रही है। विधवा पेंशन महीनों से बंद है। मंईयां योजना में भारी अनियमितता है। किसानों को उनकी फसलों का सही मूल्य नहीं मिल रहा है और धान की खरीद भी ठीक ढंग से नहीं हो रही है। सुधांशु ओझा ने यह भी आरोप लगाया कि प्रखंड कार्यालयों में म्यूटेशन सहित अन्य कार्यों में खुलेआम भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने बताया कि इन सभी मुद्दों को लेकर एक ज्ञापन प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) को सौंपा गया है, जिसे बीडीओ उपायुक्त तक पहुंचाएंगे। भाजपा नेताओं ने कहा कि यह प्रदर्शन राज्य भर में एक साथ किया गया है, ताकि सरकार को यह अहसास हो सके कि जनता अब चुप नहीं बैठेगी।

करनडीह स्थित जमशेदपुर प्रखंड कार्यालय के सामने जुटे भाजपा कार्यकर्ता

घाटशिला अनुमंडल के सभी प्रखंडों में हुई नारेबाजी

GHATSILA : भाजपा ने मंगलवार को घाटशिला अनुमंडल के सातों प्रखंड मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान घाटशिला, मुसाबनी, चाकुलिया, बहरागोड़ा, धालभूमगढ़, गुड़ाबांदा व डुमरिया प्रखंड कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए। घाटशिला में भाजपा की जिला मंत्री डॉ. सुनीता देवदूत सोरेन व भाजपा नेता लखन मार्डी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. सुनीता देवदूत सोरेन ने कहा कि जिले में गिरती कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार, सरकारी योजनाओं की विफलता से लोग कराह रहे हैं। सत्ता में दूसरी बार काबिज होने वाली हेमंत सरकार की नीति और नीयत में कोई बदलाव नहीं आया है। पिछले कार्यकाल में जिस प्रकार से राज्य सरकार के संरक्षण में खनिज संसाधनों की लूट, पंचायत से लेकर सचिवालय, मंत्रालय तक लूट और भ्रष्टाचार ने अपने पैर जमा लिए हैं। दूसरे कार्यकाल में यह और मजबूत हो रहा है। विधि व्यवस्था की हालत ऐसी है कि कोई सुरक्षित नहीं है। हत्या-लूट आम बात हो गई है। बहन-बेटियों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। अंत में प्रतिनिधिमंडल ने बीडीओ के प्रधान लिपिक को 14 सूत्री मांगपत्र सौंपा। इस मौके पर दीपक दंडपात, बृजेश सिंह, हरधन सिंह, संजय कुमार मल, साकेत अग्रवाल सहित अन्य शामिल थे।

प. सिंहभूम के 18 प्रखंडों में धरना-प्रदर्शन

CHAIBASA : भाजपा ने पश्चिमी सिंहभूम जिले के 18 प्रखंडों में मंगलवार को धरना-प्रदर्शन किया। टोन्टो प्रखंड में धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष लेबेया लागुरी ने की, जबकि इस दौरान जिला अध्यक्ष संजय पांडे ने कहा कि राज्य सरकार पंचायत प्रतिनिधि एवं गांव में परंपरागत शासन व्यवस्था मुंडा मानकी प्रथा के अधिकारों का हनन कर रही है, शीघ्र पेसा कानून राज्य में लागू करे। कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें सरकारी योजनाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार, प्रशासनिक विफलता और आमजन की दुर्दशा को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में सुरू नंदी, चंद्रमोहन तिग्गा, युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष मनोज लेयांगी, बाबूराम लागुरी, लेबेया लागुरी, लक्ष्मण होनहागा, अर्जुन दास, जगमोहन हेस्सा आदि थे। चक्रधरपुर के प्रदर्शन में महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष मालती गिलुवा, सुरेश साव, अशोक दास, ललित मोहन गिलुवा, पवन शंकर पांडेय, संजय पासवान आदि मौजूद थे।

भाजपा कल मनाएगी काला दिवस : भाजपा 25 जून को आपातकाल के विरोध में काला दिवस मनाएगी। इस अवसर पर चाईबासा स्थित जिला कार्यालय में विचार गोष्ठी होगी। इसमें मुख्य वक्ता के तौर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेशानंद गोस्वामी व पूर्व सांसद गीता कोड़ा आपातकाल से संबंधित विचार रखेंगे।

टाटानगर से चलने वाली कई ट्रेनों के मार्ग परिवर्तित, कई रद्द

JAMSHEDPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे की ओर से टाटानगर से चलने वाली और उससे होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों के परिचालन में बड़ा बदलाव किया गया है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जहां कुछ ट्रेनों की अवधि बढ़ा दी गई है, वहीं आद्रा रेल मंडल में हो रहे विकास कार्यों के कारण कुछ ट्रेनों को रद्द किया गया है, कुछ को शॉर्ट टर्मिनेट/ऑरिजिनेट किया गया है और एक ट्रेन को वैकल्पिक मार्ग से चलाया जाएगा। इस परिवर्तन से खासतौर पर टाटानगर, चांडिल और आस-पास के यात्रियों पर असर पड़ेगा। रेलवे की ओर से मंगलवार को जारी सूचना के अनुसार हटिया-दुर्ग (08185/08186) एक्सप्रेस ट्रेन की सेवा 1 जुलाई 2025 से 1 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। यह ट्रेन पूर्ववत अपने निर्धारित समय, ठहराव और डिब्बों की संरचना के साथ चलेगी। इसी प्रकार शालीमार, अजमेर, दीघा, विजयनगरम और पुरी के बीच चलने वाली ट्रेनों की अवधि भी विभिन्न तिथियों तक बढ़ाई गई है, ताकि यात्रियों को त्योहार और भीड़ के समय अतिरिक्त सुविधा मिल सके। वहीं दूसरी ओर, आद्रा रेल मंडल में आवश्यक विकासात्मक कार्यों के कारण कई लोकल ट्रेनों का संचालन रद्द कर दिया गया है।

BRIEF NEWS

डीडीसी ने की जिला परिषद की योजनाओं की समीक्षा

ARARIA : डीडीसी सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी रोजी कुमारी की अध्यक्षता में जिला परिषद में चल रही जन उपयोगी महत्वाकांक्षी योजनाओं में प्रगति लाने हेतु समीक्षा बैठक की गई। समीक्षा बैठक में डीडीसी ने कई महत्वपूर्ण निर्देश दिये, ताकी महत्वाकांक्षी योजनाएं ससमय पूर्ण हो सके। बैठक ससमय पीसीसी सड़क निर्माण सुनिश्चित करने, पेयजल की उपलब्ध सुनिश्चित करने के क्रम में चापाकल अधिष्ठापन का कार्य शीघ्र पूर्ण करने तथा लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो इसके लिए जिले में बन रही उप स्वास्थ्य केंद्र रानीगंज प्रखंड, पलासी प्रखंड तथा कुसार्काटा प्रखंड में जल्द कार्य पूर्ण किये जाने का निर्देश संबंधितों को दिया गया।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

BHAGALPUR : पुलिस जिला नवगछिया के बिहपुर थाना क्षेत्र के नन्हकार गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग 31 पर मंगलवार को हुई सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान खगड़िया जिला के पसराहा थाना क्षेत्र के छोटा पैकेत निवासी इंदल शर्मा पुत्र निर्मल कुमार (34) के तौर पर हुई है। मृतक खगड़िया से अपाचे बाइक के जरिए नवगछिया की तरफ आ रहे थे। इसी दौरान भी 31 पर अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। स्थानीय राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी के बाद मौके पर पहुंची बिहपुर पुलिस ने युवक को नवगछिया अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर उसकी मौत हो गई।

रोहतास में हुए सड़क हादसे में दो की मौत

DEHRI ON SONE : सासाराम नगर थाना के पुरानी जीटी रोड के बेदा नहर के समीप आज सुबह एक डंफर और ऑटो की जोरदार टक्कर में दो लोगों की घटनास्थल पर हीं मौत हो गई। मरने वालों में एक वनकर्मी इंद्रदेव सिंह के 17 वर्षीय पुत्र संतोष कुमार शामिल हैं, जो माली का काम करते थे। वहीं दूसरे मृतक की पहचान मोरसराय निवासी किसान 45 वर्षीय भोला पासवान के रूप में की गई है। घटना के बाद परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस के मुताबिक तेज रफ्तार डंफर और आटो की टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और इस घटना में दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनका फिलहाल सदर अस्पताल सासाराम में इलाज चल रहा है।

गैस सिलेंडर लीक होने से लगी आग तीन घर जलकर राख

EAST CHAMPARAN : जिले के सुगौली थाना क्षेत्र के गोडिगांवा गांव में खाना बनाने के क्रम में गैस सिलेंडर लीक होने और आग लगने से तीन घर जल गए। घर मे रखी सारी सामग्री जलकर राख हो गई। जानकारी के अनुसार प्रखंड के उत्तरी सुगांव पंचायत के वार्ड नं. 3 गोडिगांवा गांव में अचानक खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर लीक होने लगा जिससे अचानक आग लग गई।

कैबिनेट : बिहार की सभी पंचायतों में बनेगा विवाह भवन

AGENCY PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में 'मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना' को मंजूरी दे दी गई। इसके तहत पंचायतों में विवाह भवनों के निर्माण के लिए 40 अरब 26 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसकी जानकारी एक्स पर मुख्यमंत्री ने दी। मुख्यमंत्री नीतीश ने सोशल मीडिया पर लिखा कि इन विवाह भवनों का संचालन जीविका दीदियों के द्वारा किया जाएगा। पंचायत स्तर पर विवाह भवनों के निर्माण से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बहुत फायदा होगा। इस बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े 46 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर कैबिनेट की मुहर लगी है। मुख्यमंत्री ने लिखा, जीविका द्वारा संपोषित 'दीदी की रसोई'का संचालन बहुत ही अच्छे ढंग से हो रहा है। राज्य के सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पतालों तथा विभिन्न सरकारी संस्थानों में जीविका द्वारा संपोषित 'दीदी की रसोई' द्वारा संचालित कैंटीन के माध्यम से 40 रुपए प्रति थाली भोजन उपलब्ध कराया जा रहा था। अब हमलोगों ने 40 रुपए के स्थान पर 20 रुपए प्रति थाली की दर से गुणवत्तापूर्ण भोजन की व्यवस्था करने का निर्णय लिया है। आज कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव की स्वीकृति दे दी गई है।

उन्होंने लिखा कि 'दीदी की रसोई' का प्रति थाली न्यूनतम खर्च लगभग 40 रुपए है इसलिए 20 रुपए प्रति थाली की क्षतिपूर्ति राज्य सरकार द्वारा जीविका को उपलब्ध कराई जाएगी। सस्ता एवं शुद्ध भोजन उपलब्ध होने से बाह्य मरीजों एवं उनके परिजनों को काफी सुविधा होगी। राज्य के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। हमलोगों ने इस व्यवस्था को राज्य के सभी समाहरणालयों, अनुमण्डल कार्यालयों, प्रखण्ड एवं अंचल कार्यालयों में भी लागू करने का निर्णय लिया है और इसके लिए अधिकारियों को निदेशित कर दिया गया है ताकि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले आमजनों को सस्ते दर पर शुद्ध भोजन मिल सके।

शहीद रमण झा के परिवार को कारगिल ब्रिगेड की टीम ने किया सम्मानित

AGENCY SAHARSA : भारत-पाकिस्तान के बीच हुए कारगिल युद्ध में शहीद जिके के बनगांव गांव के लाल रमण झा के परिजन को कारगिल से आए चार सदस्यीय टीम ने मंगलवार को प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया है। कारगिल ब्रिगेड की इस पहल ने एक बार फिर से भारतीय सेना की देशभक्ति और शहीदों के प्रति सम्मान को प्रदर्शित किया है। शहीद सिपाही रमण झा की शहादत को याद करते हुए सूबेदार अमिताभ दास ने कहा कि उनकी शहादत ने देश के लिए एक मिसाल पेश की है। कारगिल युद्ध में शहीद हुए सिपाही रमण झा के सहरसा स्थित शहीद रमण झा गेस एजेंसी पर एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें कारगिल ब्रिगेड से आए फौजियों के एक दल ने शहीद के परिवार को विजय प्रतीक के रूप में मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।दरअसल आगामी 26 जुलाई को मनाए जाने वाले कारगिल दिवस के पूर्व कारगिल से आए चार सदस्यीय टीम ने शहीद रमण झा के परिजन से मिलकर उनका हालचाल जाना साथ ही शहीद परिवार को सरकार की ओर से मिलने वाले मदद की भी जानकारी ली।

एलएनएमएमसी के स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए उपराष्ट्रपति

बिहार ने देश को अनेक क्रांतिकारी और चिंतक दिए : जगदीप धनखड़

कार्यक्रम के पहले पौधारोपण करते उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ व अन्य

AGENCY PATNA : बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित ललित नारायण (एलएन) मिश्रा कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट के स्थापना दिवस समारोह में मंगलवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शामिल हुए। इस मौके पर उपराष्ट्रपति ने अपने सम्बोधन में कहा कि बिहार शिक्षा के क्षेत्र में बहुत आगे बढ़ रहा है। बिहार धर्म और ज्ञान की भूमि रही है, जिसने देश को अनेक क्रांतिकारी और चिंतक दिए हैं। इस भूमि पर आकर मुझे नई ताकत और ऊर्जा की अनुभूति होती है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि आजादी की बात करूं तो चंपारण सत्याग्रह बिहार की भूमि पर हुआ। 1917 में महात्मा गांधी जी ने यहां से अपना पहला सत्याग्रह आंदोलन किया। किसान की समस्या को उन्होंने राष्ट्र हित का आंदोलन बना दिया। बिहार की जनता का उत्साह, ज्ञान और चेतना पूरे देश के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सराहना करते हुए कहा कि यह नीति छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। अपने संसदीय जीवन के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ बिताए समय को भी याद किया। उनके संसदीय अनुभवों की सराहना की। इसके साथ ही पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। उपराष्ट्रपति ने आपातकाल के दौर को याद करते हुए कहा, "उस समय लोकतंत्र को दबाने का प्रयास किया गया था, लेकिन जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चली संपूर्ण क्रांति ने भारत में लोकतंत्र को नई ऊर्जा और दिशा दी।" उपराष्ट्रपति के दौरे को लेकर जिला प्रशासन की ओर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। एल. एन मिश्रा कॉलेज सहित महत्वपूर्ण स्थानों पर दंडाधिकारियों की तैनाती की गई थी। इस अवसर पर उद्योग मंत्री सह कॉलेज के संस्थापक नीतीश मिश्रा और बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति दिनेश चंद्र राय ने अंग वस्त्र और मोमेंटो देकर उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। उपराष्ट्रपति ने कॉलेज कैंपस में पौधारोपण किया। पूर्व सीएम डॉ जगन्नाथ मिश्रा को श्रद्धांजलि देते हुए उनके योगदानों को भी याद किया।

बिहार में लगेगा न्यूक्लियर पावर प्लांट : खट्टर

बैठक करते केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर व अन्य

AGENCY PATNA : केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने देश की ऊर्जा स्थिति और भविष्य की योजनाओं को लेकर कई बातें कहीं। उन्होंने कहा कि बिहार में एक न्यूक्लियर पावर प्लांट लगेगा। केंद्र सरकार ने इसकी सहमति दे दी है। राजधानी पटना स्थित होटल ताज में मंगलवार को पांचवीं क्षेत्रीय ऊर्जा बैठक में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि बिहार में बिजली के क्षेत्र में बहुत काम हुआ है। ऊर्जा क्षेत्र में बिहार अब अग्रिणी राज्यों की कतार में खड़ा है। इस क्षेत्र में काफी आगे बढ़ा है। उन्होंने बिहार में 80 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जाने की कामयाबी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह एक रिकॉर्ड है। बिहार बिजली के क्षेत्र में पिछड़ माना जाता था, लेकिन आज काफी आगे बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि बिहार से न्यूक्लियर पावर की मांग की गई है। बिहार सरकार न्यूक्लियर पावर लगाए, हम उसमें मदद करेंगे। बिहार से बिजली स्टोरेज के लिए 1000 मेगावॉट के लिए मांग की गई है। अगले 6 महीने में अतिरिक्त 500 मेगावाट की सप्लाई कर दी जाएगी। देश में जरूरत के अनुसार बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर ने कहा कि भारत पहले पॉवर डिफिसिट देश के नाम से जाना जाता था , लेकिन हम आज बिजली की जरूरत को पूरा कर रहे हैं। उसके साथ-साथ भूटान, म्यांमार, बांग्लादेश और नेपाल को बिजली निर्यात भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैठक में ऊर्जा क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई है । देश में थर्मल पावर, सोलर, विंड पावर और स्टोरेज के प्रोजेक्ट पर काम चल रहे हैं। बैठक में सभी राज्यों में कम से कम एक परमाणु बिजली घर का निर्माण करने को लेकर योजना बनाई गई है। साल 2035 तक पावर सेक्टर के लिए विजन तैयार किया गया है। जिसे तय समय में एनडीए सरकार में पूरा किया जाएगा। सम्मेलन में बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और केंद्रशासित प्रदेश अंडमान-निकोबार के ऊर्जा मंत्री भी शामिल हुए।

सहायता शिविर में बदइंतजामी, दिव्यांगों व बुजुर्गों को घंटों करना पड़ा इंतजार

AGENCY BHAGALPUR : भागलपुर के सैंडिस कंपाउंड में मंगलवार को दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों की मदद के लिए लगाए गए शिविर में उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ा। इस सहायता उपकरण वितरण शिविर में भारी अव्यवस्था देखने को मिली। एडिप और राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत भागलपुर में आयोजित यह शिविर दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायक उपकरण वितरण के लिए लगाया गया था। प्रशासन ने लाभुकों को सुबह 9 बजे बुलाया लेकिन यहां पहुंचे लोगों को यह कहकर इंतजार करवाया गया कि किट दोपहर 4 बजे दी जाएगी। शिविर में मौजूद दिव्यांगों का कहना है कि हम लोग सुबह से भूखे-प्यासे बैठे हैं। न पानी है, न टॉयलेट। बहुत तकलीफ हो रही है। उल्लेखनीय है कि भागलपुर के साथ-साथ बांका और मुंगेर से भी बड़ी संख्या में लोग इस शिविर में पहुंचे थे। लेकिन सबसे बुनियादी सुविधाओं पीने का पानी और शौचालय का यहां कोई इंतजाम नहीं था। बुजुर्गों ने कहा कि हम चल-फिर भी नहीं सकते, इतनी देर तक बैठा दिया गया है। कोई पूछने वाला नहीं है। जब अधिकारी से सवाल पूछने की कोशिश की गई तो वे जवाब देने से बचते नजर आए। जनसेवा के नाम पर लगे इस शिविर में व्यवस्थाओं की सच्चाई कुछ और ही बयां कर रही थी।

नवविवाहिता की हत्या कर 10 फीट गड्ढे में दफनाया, शव को पुलिस ने किया बरामद

EAST CHAMPARAN : जिले के पीपराकोठी थाना क्षेत्र के पीपराडीह स्थित कृषि फार्म की भूमि में करीब दस फिट निचे दफन किये गये शव को पुलिस ने बरामद किया है। मृतका की पहचान पीपराडीह गांव निवासी कुंदन कुमार की पत्नी कविता देवी के रूप में हुई है। उसकी शादी इसी वर्ष पिछले 26 अप्रैल को ही हुई थी। इस संबंध में मृतका कविता के पिता पताही थाना क्षेत्र के बखरी बाजार निवासी शंकर राउत ने पीपराकोठी थाने में आवेदन देकर अपने बेटी की हत्या की आशंका जाहिर किया था। उसने अपने आवेदन में बताया कि शादी के बाद मेरी बेटी अपने ससुराल में रह रही थी। और उसने कभी भी अपने ससुराल के संबंध में कोई शिकायत नहीं किया। इधर पिछले 21 जून को सुबह साढ़े छः बजे के आसपास उसके ससुर नरेश सिंह ने फोन पर बताया कि आपकी बेटी भोर में कही भाग गई है। दुबारा मैंने कॉल बैक कर विस्तृत जानकारी लेने का प्रयास किया परंतु ना ही उसके ससुर ने फोन उठाया और ना ही मेरे दामाद ने। फिर मै जब पीपराडीह स्थित अपने बेटी के ससुराल पहुंचा तो पाया कि उसके ससुर और पति दोनों घर पर नहीं है। सास प्रभावती देवी ने कविता के घर से भाग जाने की सूचना दी। कविता के पिता के आवेदन पर पुलिस हरकत में आई और ससुर सहित दो को हिरासत में लेकर पूछताछ आरंभ किया। और मंगलवार को कविता के शव को पीपराकोठी कृषि फार्म की जमीन से बरामद किया है। मामले में डीएसपी सदर 2, जितेश पाण्डेय घटना स्थल पहुंच कर जांच पड़ताल किया। इस संबंध में थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि बरामद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मोतिहारी भेज दिया गया है। मामले में दो लोगों को हिरासत में छानबीन और अग्रतर कारवाई की जा रही है।

जल संसाधन मंत्री से मुलाकात के बाद कटाव निरोधी कार्य शुरू

BHAGALPUR : जिले के बिहपुर विस के भाजपा विधायक सह सत्तरूढ़ दल के सचेतक ई शैलेंद्र द्वारा राज्य के जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी से मुलाकात के बाद मंगलवार से बिहपुर और खरीक प्रखंडों में गंगा और कोसी तटबंधो पर फ्लड फाईटिंग कार्य शुरू हो गया है। विधायक ने मंत्री को फ्लड फाईटिंग कार्य में हो रही देरी से होने वाले नुकसान से भी अवगत कराया था। विधायक श्री शैलेंद्र की मांग पर मंत्री श्री चौधरी ने विभाग के अधिकारियों को तत्काल कार्य आरंभ करने का आदेश दिया था। जिसके बाद मंगलवार को कि गंगा नदी के तटबंध राघोपुर से काजीकोरैया एवं नरकटिया से लेकर नन्हकार तक जहां जहां बांध क्षतिग्रस्त है। उन स्थानों पर फ्लड फाईटिंग का कार्य शुरू हो गया। इसके साथ ही कोसी नदी के कालूचक-विशपुरिया में भी कटाव निरोधी कार्य आरंभ हो गया।

तेजस्वी की जनसभा में पूर्व विधायक कौशल, पूर्णिमा और सलमान राजद में होंगे शामिल : शक्ति सिंह यादव

AGENCY NAVADA : नवादा जिले में मंगलवार को बदली हुई राजनीतिक घटना क्रम में जनता दल यूनाइटेड के पूर्व विधायक कौशल यादव, पूर्व विधायक पूर्णिमा यादव, पूर्व विधान पार्षद सलमान राजीव सहित भारी संख्या में जदयू कार्यकताओं ने बिहार के विकास को ध्यान में रखकर राष्ट्रीय जनता दल में शामिल होने का फैसला लिया है। जिसके लिए 9 जुलाई को नवादा के आईटीआई मैदान में महती जनसभा का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय जनता दल के मुख्य प्रवक्ता पूर्व विधायक शक्ति सिंह यादव ने मंगलवार को नवादा के राजद कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में बिहार के नवनिर्माण के लिए जनता दो तिहाई बहुमत से तेजस्वी सरकार बनाने को तैयार है। जिसके लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल सरकार बनने के बाद मां-बहन सम्मान योजना, 500 रुपये में गैस सिलेंडर, 200 यूनिट बिजली फ्री, वृद्धावस्था पेंशन की बेहतर व्यवस्था के साथ कई योजनाएं लागू करेगी। जिस कारण बिहार का बेहतर विकास होगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दिमागी हालत अच्छी नहीं है। जिस कारण बिहार में अफसरशाही तथा भ्रष्टाचार हावी हो चुका है। सबसे दुखद बात तो यह है कि अयोग के गठन में अधिकारियों ने अपने पत्नी को भी सदस्य बनना शुरू कर दिया है। यह निश्चित तौर पर बिहार में प्रशासनिक आराजकता का सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि बिहार में अब राजनेता सरकार नहीं चला रहे। कुछ चंद अधिकारी भ्रष्टाचार में डूब कर सरकार चला रहे हैं। जो बिहार के लिए विनाशकारी साबित हो रही है।

स्वदेशी जागरण मंच के क्षेत्र संगठक अजय कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा-

परिवारिक जीवन में अपनाएं स्वदेशी, देश को बनाएं तीसरी अर्थव्यवस्था

AGENCY PATNA : स्वदेशी जागरण मंच के क्षेत्र संगठक अजय कुमार ने मंगलवार को यहां पत्रकार वार्ता में कहा कि आज का भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था का देश है। जो जल्दी ही तीसरी अर्थव्यवस्था बन सकता है, यदि देशवासी भारत की बनी हुई वस्तुओं का उपयोग करना अपने जीवन में, परिवार जीवन और समाज जीवन में बढ़ा दे। अजय कुमार ने कहा कि ऐसे समय में अब हमें संकल्प करना है कि विकसित भारत और समृद्ध भारत, मेड बाई इंडिया की अवधारणा से बन पाएगा। जिसमें 'रॉ मैटेरियल' भी भारत का होगा और श्रम भी भारत का होगा, मुनाफा भी भारतीय के पास होगा। उन्होंने कहा कि अभी तो भारत के बाजार में 67 प्रतिशत से अधिक चीन बैठा है, और शेष मल्टीनेशनल का कब्जा बना हुआ है। ऐसे समय में यही संभव है की स्वदेशी को देशभक्ति के एक बड़े फलक के रूप में समाज के सामने रखा जाए। आज की प्रेस वार्ता को कैट के प्रदेश अध्यक्ष अशोक वर्मा ने भी संबोधित किया और उद्योगों, व्यापार और सर्विस में स्वदेशी की संभावनाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला और आह्वान किया कि बिहार विधान परिषद के सभागार से 29 जून को हो रहे स्वदेशी शंखनाद को हम सभी का अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी परिपैक्ष्य में आगामी 29 जून को विधानपरिषद सभागार में बिहार प्रदेश का स्वदेशी शंखनाद का कार्यक्रम 29 जून को सुनिश्चित हुआ है। जिसमे बिहार प्रदेश के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान , इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मार्गदर्शन करेंगे। बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मुख्यवक्ता के रूप में संबोधित करेंगे। बिहार सरकार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा उद्योगों में स्वदेशी की संभावना पर विस्तृत प्रकाश डालेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बिहार झारखंड के क्षेत्र कार्यवाह डॉक्टर मोहन सिंह घर-घर स्वदेशी के अभियान पर प्रकाश डालेंगे।

स्वदेशी विचारक एवं चिंतक स्वदेशी जागरण मंच के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक अरुण ओझा इस स्वदेशी शंखनाद की अध्यक्षता करेंगे।

उल्लेखनीय है कि इस प्रेस वार्ता में स्वदेशी जागरण मंच, कैट तथा विविध संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रिंस राजू, डॉ संजीव सिंह, डॉ देवेश कुमार, डॉ प्रवीण पटेल, सुनील सिंह, नीरज गौतम, सौरभ कुमार और रिंकू कुमार।

एसएसबी जवानों ने निकाली नशा मुक्त जन जागरूकता रैली

ARARIA : एसएसबी 52वीं वाहिनी की बाह्य सीमा चौकी लेटी की ओर ओर से नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत भारत नेपाल सीमावर्ती गांव में एसएसबी जवानों द्वारा मंगलवार को नशा मुक्त जन जागरूकता रैली निकाली गई। एसएसबी जवानों ने रैली के माध्यम से नशीले पदार्थो से होने वाले दुष्परिणामो के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया गया एसएसबी 52 वीं वाहिनी के कमांडेंट महेन्द्र प्रताप के दिशा निर्देश पर नशा मुक्त भारत निर्माण को लेकर पखवाड़ा मनाया जा रहा है। जिसके तहत भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों को एसएसबी के जवानों के द्वारा जागरूक किया जा रहा है। नशा से होने वाले नुकसान को लेकर ग्रामीणों को जानकारी देते हुए नशा से दूर रहने की अपील की जा रही है।

सीकरिया बीएड कॉलेज में त्रिनेत्र गणेश दरबार का हुआ भव्य आयोजन

EAST CHAMPARAN : जिला मुख्यालय मोतिहारी स्थित सीकरिया बी.एड. कॉलेज के सभागार में 'त्रिनेत्र गणेश दरबार' सह भजन कीर्तन का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। बिहार में पहली बार आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में भगवान त्रिनेत्र गणेश अपने पुत्रों शुभ-लाभ और पत्नियों ऋद्धि-सिद्धि के स्वरूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे और इसके साक्षी बने। उल्लेखनीय है,कि राजस्थान के सवाई माधोपुर स्थित रणथंभौर किले की चोटी पर स्थित विश्व के एकमात्र त्रिनेत्र गणेश मंदिर से यह यात्रा काठमांडू (नेपाल) गई थी और वापसी में मोतिहारी पहुंची।बता दे कि रणथंभौर भारत एकमात्र स्थान जहां भगवान त्रिनेत्र गणेश जी अपने पूरे परिवार के साथ पहाड़ से प्रकट हुए थे, जहाँ आज भी उनके चरण पहाड़ में आधे दबे हुए हैं, जो इस मंदिर को विश्व में अद्वितीय बनाता है। इस यात्रा में नेपाल सहित भारत के कई राज्यो के श्रद्धालु कई बसो में सवार होकर पहुंचे थे।कार्यक्रम के दौरान अलौकिक श्रृंगार, मोदक भोग प्रसाद और चंवर सेवा जैसे आयोजन किये गये। जिसमे श्रद्धालुओ ने बढ-चढ कर हिस्सा लिया। त्रिनेत्र गणेश परिवार की विशेष पूजा-अर्चना संस्थान के सचिव यमुना कुमार सीकरीया दंपति द्वारा किया गया।

नब्बे साल पहले छपे समाचार पर हिंदी साहित्य जगत में उद्वेलन

एक पखवाड़ा बीत चुका है, जब हिंदी साहित्य जगत अपनी भाषा के महान लेखक की अंतिम यात्रा को लेकर अब भी वाद-विवाद के दायरे से बाहर नहीं निकल पाया। साहित्यिक-बौद्धिक संसार के लिए यह स्थिति शुभ नहीं कही जा सकती। किसी भी भाषा के साहित्य की जीवंतता के लिए यह आवश्यक है कि उसके अतीत और वर्तमान को लेकर विचार, विमर्श और मंथन की प्रक्रिया अनवरत चलती रहे, पर हिंदी में प्रेमचंद की अंतिम यात्रा को लेकर जो परिदृश्य उपजा है,वो निराश करने वाला है। दुर्भाग्यपूर्ण तो यह भी है कि विवाद प्रेमचंद को लेकर एक नए तथ्य के संधान को लेकर हुआ है। शुरूआत हुई 30 मई को काशी नागरी प्रचारिणी सभा के प्रधानमंत्री और वरिष्ठ कवि-रंगकर्मी व्योमेश शुक्ल के साहित्यिक वेब पोर्टल हिंदवी पर लिखे एक आलेख पर। मास्टर की अर्थी नहीं, आशिक का जनाजा था शीर्षक के इस आलेख में शुक्ल ने हिंदी के महान उपन्यासकार-कथाकार प्रेमचंद की अंतिम यात्रा के संदर्भ में वाराणसी के शताधिक पुराने प्रतिष्ठित समाचार-पत्र आज के नौ अक्टूबर, 1936 में प्रकाशित एक समाचार स्वर्गीय प्रेमचंद जी- श्मशान पर साहित्यिकों की भीड़ के आधार पर यह तथ्य उद्घाटित किया कि प्रेमचंद की अंतिम यात्रा में बीस-पचीस आदमी नहीं, साहित्यिकों की भीड़ थी। दरअसल प्रेमचंद की अंतिम यात्रा को लेकर हिंदी लेखन जगत में गत नौ दशकों से यह बात स्थापित है कि उनकी शवयात्रा एक प्रतिष्ठित महान लेखक की तरह नहीं,बल्कि एक गुमनाम आदमी की तरह निकली थी, जिसे देखकर राह चलते एक अनजान व्यक्ति ने किसी दूसरे से पूछा था- के रहल? दूसरे ने जवाब दिया- कोई मास्टर था। यह बात प्रेमचंद के बेटे अमृत राय ने अपने पिता की जीवनी 'कलम का सिपाही' में लिखी है। इस बात को शुक्ल ने कुछ क्षुब्ध भाव से लिखा है- प्रेमचंद जी की कहानियों, उपन्यासों और लेखों की तरह उनकी मृत्यु की ट्रैजिक गाथा भी हिंदी लेखकों के सामूहिक अवचेतन में रिस गई है। कई पीढ़ियां मृत्यु की वही गाथा पढ़कर जवान हुईं, बूढ़ी हुईं और खप गईं। आज यह पता लगाना असंभव है कि अमृत राय ने ऐसा क्यों लिखा, लेकिन दैनिक आज में 9 अक्टूबर 1936 को प्रकाशित खबर के आलोक में इतना बिल्कुल साफ है कि उन्होंने जो कुछ भी लिखा है, वह न सिर्फ अशिव, अशोभन और मिथ्या है, बल्कि सचाई को और ट्रैजिक बनाकर पेश करने की वासना का नतीजा भी है। प्रेमचंद का पार्थिव शरीर गुमनाम आदमी की लाश नहीं था। इसे पढ़कर प्रेमचंद के वामपंथी धारा के अनेक आलोचकों-प्रशंसकों में उबाल आ गया। दरअसल वे इस बात को स्वीकार करने को तैयार ही नहीं कि अमृत राय अपने पिता की अंतिम यात्रा के बारे ने कुछ गलत लिख सकते हैं। वे भूल जाते हैं कि अमृय राय ने यह बात नंददुलारे वाजपेयी की पुस्तक 'जयशंकर प्रसाद' के एक अध्याय व्यक्ति की एक झलक के आधार पर ही लिखी है। प्रेमचंद की मृत्यु के समय अमृत राय महज पंद्रह वर्ष के थे, लेकिन जब उन्होंने कलम का सिपाही लिखी, तब तक वे पूरी तरह से वामपंथी धारा में रंग कर वामपंथी लेखक-संपादक के रूप स्थापित हो चुके थे। यह भी सत्य है कि हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा के वामपंथी, प्रगतिशील विचारधारा के लिए कवि-लेखक साहित्यकार, पत्रकार और किसान का गरीब, बेबस और लाचार होना एक अनिवार्य तत्व है। इन्हें गरीब रहना और गरीब दिखना ही चाहिए। हिंदी का यह लेखक गुमनामी में मरा और कृतघ्न हिंदी समाज ने उन्हें पूरा सम्मान नहीं दिया। ये त्रासदी से भरा झूठ पीढ़ियों से हिंदी के साहित्यिक समाज के बौद्धिकों को इतना प्रिय रहा है कि आज तक किसी ने इस तथ्य को पलटकर देखने की कोशिश तक नहीं की। अब जब उस दौर के महत्वपूर्ण समाचार-पत्र के आधार पर शुक्ल ने एक नया तथ्य उजागर किया है तो हिंदी के स्वयंभू मठाधीशों को असहनीय पीड़ा हो रही है। इस बात को साहित्य-संस्कृति से जुड़ी नई पीढ़ी अच्छी तरह जान चुकी है कि हिंदी साहित्यिक समाज का एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जो दुख का कारोबार करता है, जो हर दिन ये बताना चाहता है कि हम और हमारे लेखक तो बड़े महान हैं, मगर हिंदी पाठक बड़ा कृतघ्न है। हमारे पिता ने / हमने बहुत-बहुत गरीबी में दिन बिताए हैं। वामपंथी मध्यवर्गीय सोच का यह प्रिय वाक्य रहा है। यह कहते-लिखते हुए वह बार-बार दुःख के दागों को तमगों-सा पहने हुए दोहराता है। लेखक का गरीब होना और उपेक्षित रहना इतना जरूरी बना दिया गया है कि लोकप्रिय होने, आभिजात्य जीवन शैली जीने, अच्छा खाने-पीने, ओढ़ने-बिछाने को हमारे यहां अपराध माना जाने लगा। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या अमृत राय ने अपने पिता प्रेमचंद की जीवनी लिखते हुए उनकी ऐसी बेचारी छवि जानबूझकर गढ़ी थी, क्योंकि वे तो वहां मौजूद थे। फिर उन्होंने ऐसा क्यों लिखा। जब उनके सामने नंददुलारे वाजपेयी की किताब उपलब्ध थी, तो परिपूणानंद वर्मा की किताब बीती यादें कैसे याद नहीं आई, जिसमें वे कहते हैं कि उनकी अंतिम यात्रा में वे स्वयं व कई अन्य लेखकों सहित जाने माने साहित्यकार जयशंकर प्रसाद सहित शहर के सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित थे। हालांकि यह बात भी गौरतलब है कि कलम का सिपाही अंततः एक पुत्र द्वारा लिखी जीवनी है और शायद इसीलिए उसका पूर्णतः वस्तुपरक न होना अस्वाभाविक नहीं। संभव है कि उस दौर के किशोरवय के अमृत राय के अवचेतन मन-मस्तिष्क में अपने पिता की छवि के अनुसार उनकी अंतिम यात्रा में विशाल हुजूम उमड़ने की आकांक्षा हो, लेकिन उनकी जीवनी लिखते समय वे भूल गए कि यह जीवनी घर के लिए नहीं, सार्वजनिक वितान के लिए होगी। वर्ष 1962 के आते-आते परिपक्व वामपंथी हो चुके अमृत राय ने अपनी विचारधारा की प्रवृत्तियों के अनुरूप जीवनीकार के रूप में इन बातों का भरसक ध्यान रखा है कि प्रेमचंद के जीवन की तस्वीर से हमें उनकी अनुकृति या व्यक्ति-चित्र नहीं बनाना है, बल्कि उनकी छवियां गढ़ते हुए उन सब छवियों को अपने मुताबिक स्थापित भी करना है।

मिनी मुंबई इंदौर पर लव जिहादियों की 'बुरी नजर'

ANALYSIS

✍ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दो पीड़िताओं की शिकायत पर दो युवकों के खिलाफ रेप और धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में एफआईआर की गई है। इंदौर की बाणगंगा पुलिस की तहकीकात में सामने आया है कि लव जिहाद की घटना को अंजाम देने के लिए फंडिंग की गई, जिसमें पुलिस ने कांग्रेस पार्षद को भी 120बी के तहत आरोपित बनाया है। जांच के दौरान सामने आए वीडियो में दोनों आरोपियों- साहिल शेख और मोहम्मद अल्ताफ ने कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी का नाम लिया, जिसने लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाने और निकाह के लिए उन्हें मोटी रकम दी थी। उसने युवकों को एक लड़की को फंसाने के लिए एक लाख रुपये और निकाह कराने पर दो लाख रुपये देने की बात कही थी। साथ ही अधिकतम हिंदू युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर बाद में वेश्यावृत्ति के धंधे में धकेलना भी सामने आया है। पकड़े गए दोनों युवकों ने बताया कि पार्षद पहले फोटो देखकर आश्वस्त होता है कि लड़की हिंदू है कि नहीं, फिर उसके बाद फंडिंग की जाती। प्रत्येक युवती को अपने जाल में फंसाने के लिए एक से दो लाख रुपये दिए जाते थे। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने बताया कि अनवर से सामाजिक कार्यक्रम के दौरान मुलाकात हुई थी। उसने दो लाख रुपये दिए थे।

हिंदू लड़कियों को योजनाबद्ध तरीके फंसाकर उनके साथ लव जिहाद कर उन्हें कन्वर्जन करने के सबसे अधिक मामले मध्य प्रदेश के इंदौर से सामने आ रहे हैं। लग रहा है जैसे मिनी मुंबई पर जिहादियों ने पूरी नजर गड़ा रखी है। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर की स्थिति इस वक्त इतनी खराब हो गई है कि हर रोज यहां धर्मपरिवर्तन का खेल खेला जा रहा है, जहां बात प्यार से न बने, वहां लालच दो और जहां रुपये या अन्य महंगी वस्तुओं से काम न चले, वहां डर दिखाकर कन्वर्जन कराओ लेकिन गैर मुसलमानों को ज्यादा से ज्यादा इस्लाम में लाना जैसे यहां इस्लामवादियों का सबसे बड़ा मकसद नजर आ रहा है। यहां तक कि इस्लाम से जुड़े जनप्रतिनिधि भी इस मामले में सक्रिय नजर आए हैं। अब सामने आए प्रकरण में दो पीड़िताओं की शिकायत पर दो युवकों के खिलाफ रेप और धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में एफआईआर की गई है। इंदौर की बाणगंगा पुलिस की तहकीकात में सामने आया है कि लव जिहाद की घटना को अंजाम देने के लिए फंडिंग की गई, जिसमें पुलिस ने कांग्रेस पार्षद को भी 120बी के तहत आरोपित बनाया है। जांच के दौरान सामने आए वीडियो में दोनों आरोपियों- साहिल शेख और मोहम्मद अल्ताफ ने कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी का नाम लिया, जिसने लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाने और निकाह के लिए उन्हें मोटी रकम दी थी। उसने युवकों को एक लड़की को फंसाने के लिए एक लाख रुपये और निकाह कराने पर दो लाख रुपये देने की बात कही थी। साथ ही अधिकतम हिंदू युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर बाद में वेश्यावृत्ति के धंधे में धकेलना भी सामने आया है। पकड़े गए दोनों युवकों ने बताया कि पार्षद पहले फोटो देखकर आश्वस्त होता है कि लड़की हिंदू है कि नहीं, फिर उसके बाद फंडिंग की जाती। प्रत्येक युवती को अपने जाल में फंसाने के लिए एक से दो लाख रुपये दिए जाते थे। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने बताया कि अनवर से सामाजिक कार्यक्रम के दौरान मुलाकात हुई थी। उसने दो लाख रुपये दिए थे। यह भी कहा कि इस काम को आगे

बढ़ाओ। दूसरी ओर आरोपित साहिल खान को लेकर 18 वर्षीय पीड़िता ने अपनी आपबीती में बताया कि करीब पांच महीने पूर्व उससे हिंदू नाम से इंस्टाग्राम पर दोस्ती की गई थी। 12 मई को वह बातचीत के लिए युवती को दोस्त के रूम पर ले गया, जहां पूरी तरह भरोसे में लेकर शादी का झांसा देते हुए शारीरिक संबंध बनाए, इसके बाद साहिल उसे 30 मई को स्कीम-54 में एक कैफे पर मिलने बुलाता है, जहां कई बार मना करने एवं विरोध के बाद उसके साथ जबरदस्ती की गई। बाद में उसकी असली पहचान मुस्लिम होना उजागर हुआ। उसने बताया कि वह मुसलमान है और अब तुम भी अपना धर्म बदल लो। उसने कहा कि तू जितना पैसा मांगेगी मैं दूंगा। फिर युवती को जबरदस्ती बुरका पहनाने की कोशिश की गई। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया का पूरे मामले को लेकर कहना है कि यह कार्रवाई वायरल वीडियो के आधार पर की गई, अभी दो पीड़िताएं इस प्रकरण में सामने आई हैं, इसलिए अलग-अलग दो एफआईआर दर्ज की गईं और साहिल-अल्ताफ दोनों को आरोपित बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इन दोनों पीड़िताओं के बयानों के आधार पर धाराएं बढ़ाई गई हैं। इसमें पार्षद अनवर कादरी को भी आरोपी बनाया जा रहा है। सभी आरोपियों से सघन पूछताछ जारी है। वहीं, थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर ने जानकारी दी कि आरोपी साहिल शेख और अल्ताफ खान ने सोशल मीडिया पर फर्जी हिंदू नामों से आईडी बना रखी थी, इन्हीं नामों से वे युवतियों को फंसाते थे। इसके लिए इन्होंने अपने नाम अर्जुन और राज रखे हुए थे। शिकायत करने सामने आई दोनों युवतियों से भी ये हिंदू नाम से बात करते और उन्हें लव जिहाद का शिकार बनाया गया। इनकी मोबाइल जांच में सामने आया है कि एक बार किसी युवती के इसके झांसे में आने के बाद वे इन लड़कियों पर शादी करने एवं धर्म परिवर्तन का दबाव बनाते। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्षद ऐसे युवकों को फंडिंग करते, यह भी सामने आया है। आरोपी अल्ताफ ने अनवर से एक लाख रुपये लेना स्वीकारा है। पुलिस आरोपियों के बैंक खातों की जांच कर रही है। कादरी के अलावा भी अन्य लोगों की जांच की जा रही है। देर रात पुलिस ने उसके घर छापा मारा, लेकिन वह फरार हो गया। दोनों आरोपी सोमवार तक पुलिस रिमांड पर रहे। पुलिस इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश कर रही है। दरअसल, इंदौर में लगातार लव जिहाद के केस सामने आ रहे हैं। ड्रीम ओलंपिक शूटिंग एकेडमी के कोच मोहसिन खान पर अब तक सात एफआरआर दर्ज हो चुकी हैं। उसने खुद एवं अन्य मुस्लिम दोस्तों व परिवार सदस्यों के साथ मिलकर कई हिंदू लड़कियों को लव जिहाद का शिकार बनाया और रेप किया। बजरंग दल ने दावा किया है कि मोहसिन ने 150 से अधिक हिंदू युवतियों को अपने जाल में फंसाया। ऐसे ही पुलिस ने एक अन्य प्रकरण में फरहान और हन्नेन खान को पकड़ा तो इन दोनों ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए। आरोपी हन्नेन खान ने हिंदू युवती को अपना नाम आयुष पटेल बताकर झांसे में लेना बताया। पुलिस ने हन्नेन के फोन की जांच की तो कई हिंदू युवतियों की चैटिंग मिली। इसी तरह आरोपी फरहान ने भी युवती को हिंदू नाम बताकर झांसे में लिया था। जब युवती को उसके मुस्लिम होने की सच्चाई का पता चला तो विजय नगर थाने में मप्र धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम (लव जिहाद) की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंची। इस प्रकरण में पीड़िता के अनुसार, फरहान के कृत्य में उसकी मां अफसाना भी शामिल है। इसी तरह के लव जिहाद के एक मामले में खजराना निवासी तोहिद रजा का खुलासा हुआ। मामले में पीड़िता ने पुलिस को बताया कि महिला मित्र की जन्मदिन की पार्टी पर तोहिद पुत्र तोफिक रजा से दोस्ती हुई थी। उसने पीड़िता से मोबाइल नंबर ले लिए और दोनों की बातचीत होने लगी। आरोपित ने युवती से कहा था कि उसका नाम राहुल है। उसने शादी का झांसा दिया और उसके साथ शारीरिक संबंध बना लिए। कुछ समय बाद पता चला कि आरोपित का असली नाम तोहिद है और लव जिहादी है। उक्त प्रकरण में टीआई सहर्ष यादव का कहना है कि तोहिद ने पीड़िता का वीडियो बना लिया था, जिसके बाद उसने ब्लैकमेल करना शुरू किया। इंटरनेट पर वीडियो डालने की वह पीड़िता को धमकी भी देता था। उसके विरुद्ध लूट-चोरी के गंभीर मामले दर्ज हैं। वह एमडी ड्रग्स का नशा भी करता है। यहां पत्नी-पत्नी और वो की एक और झकझोर देने वाली कहानी भी हाल ही में सामने आ चुकी है। एक पति ने पहले पांच पन्नों में अपनी दर्दभरी कहानी लिखी, फिर वीडियो बनाकर रोते हुए बताया कि कैसे उसकी पत्नी जिम में जाने के बाद एक 'लव जिहादी' की चंगुल में फंसी। तंग आकर उसने जहर खा लिया। उल्लेखनीय है कि इंदौर पुलिस की जांच में सामने आया कि शहर के कुछ कॉल सेंटर, जिम और शिक्षा केंद्रों को आरोपियों ने लव जिहाद की गतिविधियों का अड्डा बना रखा है। यहां मुस्लिम युवक हिंदू नाम से युवतियों से संपर्क करते हैं, फिर उन्हें दुष्कर्म का शिकार बनाते हैं। चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि इन मुस्लिम युवकों को इस काम में उनके परिवार की महिलाएं भी सहयोग करती नजर आ रही हैं। विश्व हिंदू परिषद, हिंदू जागरण मंच एवं अन्य सनातन धर्म से जुड़े हिंदू संगठनों का कहना है कि इंदौर में लव जिहाद का बड़ा षड्यंत्र चल रहा है।

भविष्य बताने वाले वर्तमान से बेखबर

जब भी आपदा आती है भविष्य बांचने वाले ऑफलाइन मिलते हैं। कई तो यह तक दावा करते हैं कि उनका ऊपर वाले से सीधा संपर्क है। ऐसे देववाचक भी हर बड़ी आपदा, दुर्घटना या संकट के समय चुप क्यों हो जाते हैं। यह बड़ा सवाल इसलिए है कि क्या उनका दिव्य नेटवर्क केवल चढ़ावे और चमत्कार तक सीमित है। सवाल यह भी है कि इनका नेटवर्क अचानक उस समय क्यों डाउन हो जाता है जब कोई भयंकर आपदा, ट्रेन हादसा, प्लेन क्रैश, या भूकंप आता है। तकनीक प्रौद्योगिकी का जमाना है, तो सवाल उठना लाजिमी है कि क्या इनकी ज्योतिषीय सेटिंग में कोई सर्वर एरर आ जाता है या फिर अदृश्य शक्ति भी सावधानी का बोर्ड लगाकर छुट्टी पर चली जाती है। यह प्रश्न अब मजाक नहीं, बल्कि गंभीर सामाजिक विमर्श का विषय बन चुका है। अब जब कोई गंभीर संकट आता है, तो सबसे पहले न्यूज चैनल, वैज्ञानिक एजेंसियां या रेस्क्यू टीमें सक्रिय होती हैं। मगर, वह बाबा नजर नहीं आते, जिनका दावा होता है कि वे भविष्य देख सकते हैं या ईश्वर से सीधी बातचीत कर सकते हैं। यह वही लोग हैं, जो टीवी पर, मंचों पर और यूट्यूब लाइव में हजारों लोगों के सामने आंखें मूंदकर बड़े भावुक अंदाज में कहते हैं- बेटा, तेरा समय बदलने वाला है, तू अगले जन्म में साधु बनेगा, या तेरे कुल में बहुत बड़ा संत हुआ था। लेकिन, जब देश के किसी कोने में कोई बच्चा बोरवेल में गिरता है, जब प्लेन क्रैश होता है, जब कोई महामारी फैलती है, तो ये भविष्यवक्ता नदारद होते हैं। सवाल यह उठता है कि यदि इनके पास सचमुच कोई दिव्य दृष्टि है तो वो सार्वजनिक हित में क्यों नहीं लगाई जाती। क्या इनकी चेतना सिर्फ प्रेम विवाह के उपाय, दुश्मन को वश में करने की विधि या विदेश यात्रा कब होगी जैसे प्रश्नों तक ही सीमित है। क्या ईश्वर से सीधा संपर्क रखने वाले लोगों की जिम्मेदारी नहीं बनती कि वे देश, समाज और मानवता के हित में समय रहते चेतावनी दें। हाल ही में एक वायरल टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरी- इतने बड़े-बड़े भविष्य वक्ता, ऊपर वाले से सीधा संपर्क, फिर भी किसी बड़े हादसे की खबर तक नहीं मिलती। यह वाक्य जितना सरल है, उतना ही तीव्र और तर्कपूर्ण भी है, क्योंकि यह धार्मिक चमत्कारों की उस औद्योगिक प्रणाली पर सवाल खड़ा करता है जो लोगों की भावनाओं को भुनाकर अरबों का कारोबार करती है। आजकल हर गली-मोहल्ले में कोई न कोई ब्रांड है। किसी की टैगलाइन है भाग्य बदलिए, तो कोई कहता है समस्या का समाधान सिर्फ सात दिनों में। कुछ तो ऐसे हैं, जो स्वयं को ईश्वर का अवतार घोषित कर चुके हैं। लेकिन जब देश में कोई आपदा आती है, तो ये सब अवतार अंडरग्राउंड हो जाते हैं। इनके आश्रमों में सन्नाटा छा जाता है और प्रवचन मंचों पर प्रेस नोट चस्पा कर दिया जाता है- बाबा जी ध्यान साधना में हैं, कृपया किसी अन्य समय संपर्क करें। विचार कीजिए, यदि ये लोग सचमुच संकट पूवार्नुमानित कर सकते हैं, तो क्यों नहीं एनडीआरएफ या प्रधानमंत्री कार्यालय को पहले से सूचित कर देते, क्यों नहीं आपदा प्रबंधन में इनका कोई उल्लेख होता है। कारण स्पष्ट है-इनकी भविष्यवाणी एक मार्केटिंग उत्पाद है, एक प्रकार की भावनात्मक ज्योतिषीय फैंटेसी, जिसे धार्मिक आस्था की चादर में लपेटकर बेचा जा रहा है। दुख की बात यह है कि ये लोग आमजन की पीड़ा और अज्ञान का लाभ उठाकर एक ऐसा मायाजाल बुनते हैं, जिसमें न तर्क है, न पारदर्शिता। इनकी भविष्यवाणी जेनरिक होती है- अगले 6 महीने बहुत चुनौतीपूर्ण होंगे, देश में बड़ी घटना होने वाली है, भूकंप या महामारी की संभावना है। अब जरा सोचिए, ये तो किसी भी समय पर लागू किया जा सकता है। यह वाटरप्रूफ भविष्यवाणी होती है- गलत हुई तो कहा जाएगा, तुम्हारी श्रद्धा कम थी, सही हुई तो देखा, बाबा ने पहले ही बताया था। बाजार ने भी इनकी दुकानदारी को बढ़ावा दिया है। टीवी चैनलों से लेकर सोशल मीडिया तक, हर जगह इनका बोलबाला है। इनके प्रवचन में भक्ति कम, ब्रांडिंग अधिक होती है। कोई यू-ट्यूब पर लाइव भविष्यवाणी करता है। कोई इंस्टाग्राम पर ध्यान सत्र लेता है। इनके पास एचडी कैमरे, माइक सेटअप, वीडियो एडिटर तो हैं, पर जब देश को दिव्य चेतावनी चाहिए होती है, तब इनका नेटवर्क फेल हो जाता है। यह विडंबना नहीं, त्रासदी है कि भारत जैसे देश में जहां विज्ञान, तकनीक और आपदा प्रबंधन की व्यापक जरूरत है, वहां संकट की घड़ी में लोग अब भी किसी ऐसे चमत्कारी की फेसबुक लाइव पर आश्वासन खोजते हैं। यह एक गहरी सामाजिक असुरक्षा और वैज्ञानिक सोच की कमी का परिचायक है। यहीं पर जिम्मेदारी बनती है सरकारों, शिक्षकों और सामाजिक संस्थानों की। धर्म आस्था का विषय है, लेकिन जब वह वैज्ञानिक विवेक, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवता से दूर जाकर एक कॉरपोरेट माया बन जाए, तो उसके खिलाफ खड़ा होना जरूरी है। यह कोई धर्म विरोध नहीं, बल्कि अंधविश्वास विरोध है। भविष्यवाणी की आड़ में जो व्यावसायिक ढांचा खड़ा हुआ है, वह न केवल जन संवेदनाओं से खिलवाड़ करता है, बल्कि आपदा के समय नागरिकों को दिग्भ्रमित भी करता है। जब किसी नदी में बाढ़ आती है, तो एनडीएमए और मौसम विज्ञान विभाग तो चेतावनी जारी करते हैं, लेकिन यह लोग चुप रहते हैं। जब ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त होती है, तब न तो किसी ज्योतिषी का वीडियो वायरल होता है, न ही कोई भविष्यवक्ता ग्रीन रूम से बाहर आता है। सवाल यह भी है कि इनका सीधा संपर्क किससे है। क्या वह संपर्क केवल उन्हीं दिनों काम करता है जब दस लाख का यज्ञ, एक करोड़ का चढ़ावा या विशेष पूजा आयोजित की जाती है। क्या ईश्वर को संपर्क में लाने के लिए भी डेटा पैक रिचार्ज कराना पड़ता है।

Social Media Corner

सच के हक में...

श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी का योगदान अनुकरणीय है। दोनों महान विभूतियों के बीच बातचीत के शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुआ। कार्यक्रम को संबोधित भी किया।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के अपने निर्वाचन क्षेत्र में, मतदाता सूची में केवल 5 महीनों में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कुछ बूथों पर 20-50 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। बीएलओ ने अज्ञात व्यक्तियों द्वारा वोट डालने की सूचना दी। मीडिया ने बिना सत्यापित पते वाले हजारों मतदाताओं का पता लगाया। और चुनाव आयोग? चुप - या मिलीभगत। ये अलग-अलग गड़बड़ियाँ नहीं हैं। यह वोट चोरी है। कवर-अप ही कबूलनामा है। इसलिए हम मशीन-पठनीय डिजिटल मतदाता सूची और सीसीटीवी फुटेज को तुरंत जारी करने की मांग करते हैं।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

हेमंत सरकार में फैले भ्रष्टाचार, चरमराई कानून व्यवस्था, बदहाल बिजली-पानी की स्थिति, और अवैध बालू-पत्थर-कोयला की खुली लूट तथा बढ़ती बेरोजगारी के खिलाफ भाजपा झारखंड द्वारा प्रखंड स्तर पर आक्रोश प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

एक ही चेतना के दो रूप- कैलाश और केदार

हर साल जून का महीना उत्तराखंड त्रासदी के जख्म हरे कर जाता है। यह एक ऐसा कालखंड है, जिसे स्मरण करते ही हिमालय की शांत घाटियां सिसकियां भरती प्रतीत होती हैं और पवित्र नदियां अपने प्रवाह में एक गहरी वेदना लेकर बहती हैं। उत्तराखंड की इस त्रासदी ने हजारों श्रद्धालुओं, यात्रियों, ग्रामीणों और जीवन से भरे घाटियों को चिर शांति में लीन कर दिया। यह केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं थी, यह उस चेतावनी का रूप थी, जिसे प्रकृति ने हमें चेतने के लिए भेजा था। मैं स्वयं उस समय कैलाश मानसरोवर यात्रा पर था। यह यात्रा उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल से होकर निकलती है- अल्मोड़ा, धारचूला, नारायण स्वामी आश्रम से होते हुए भारत-नेपाल की सीमा रेखा काली नदी के किनारे-किनारे चलते हुए यात्री लिपुलेख दर्रे को पार कर तिब्बत (अब चीन-शासित क्षेत्र) की ओर बढ़ते हैं, जहां श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ के पावन धाम कैलाश पर्वत के दिव्य दर्शन के साथ परिक्रमा लगाते हैं फिर ब्रह्मा जी के मानस से निर्मित पवित्र मानसरोवर झील में स्नान कर हवन-पूजन कर अपने आप को धन्य अनुभव करते है। किंतु, उसी समय 15 जून की रात्रि से ही गढ़वाल मंडल की केदार घाटी में भीषण त्रासदी प्रकट हो रही थी। मूसलधार बारिश, बादल फटने और भूस्खलनों ने वहां का पूरा जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया था। हजारों श्रद्धालु असमय काल के ग्रास बने। असंख्य परिवार उजड़ गए। और उस तीर्थभूमि ने रक्त और आंसू का ऐसा संगम देखा, जिसे कोई शब्द पूर्णतः व्यक्त नहीं कर सकता। हमारा जत्था हिमालय की ऊंचाइयों में था। मौसम की मार से रास्ते बंद हो गए थे। संपर्क कट चुका था और आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति भी बाधित हो चुकी थी। बाद में वायुसेना के वीरों ने हमें हेलीकॉप्टरों से सुरक्षित निकाला। लेकिन उस संकट की घड़ी में, पूज्य गुरुजी की एक सीख गूंजती रही- पहाड़ पर पहाड़ जैसे रहना, जैसा वह रखे वैसा रहना। इसने हमें संयम, श्रद्धा और संकल्प के साथ परिस्थिति को स्वीकारने और आनंद के साथ जीने की शक्ति दी। कैलाश यात्रा अपने आप में केवल एक तीर्थयात्रा नहीं है- यह आत्मा की यात्रा है। यह रोमांच से अधिक आत्मसमर्पण की यात्रा है। जहां सांसें थम जाती हैं, वहीं ध्यान जागता है। हिमालय की गोद में शिव स्वयं उपस्थित हैं- वटवृक्ष नहीं, ऊंचे पर्वत ही उनके आसन हैं। यहां मनुष्य को अपने सबसे सूक्ष्म रूप में अपने आप से साक्षात्कार होता है। उत्तराखंड की संस्कृति हिमालय जितनी ही ऊंची और नदियों जितनी ही गहराई लिए होती है। यहां के गांवों में लोकगीतों में शिव बसते हैं और यहां की स्त्रियां दुर्गा की तरह श्रमशील और शक्तिशाली होती हैं। यहां के बच्चे भी गाय-भेड़ें चराते हुए नंदा देवी की कहानी सुनाते हैं। यह केवल भौगोलिक भूमि नहीं, यह देवभूमि है-जहां प्रकृति और परमात्मा दोनों का साक्षात्कार होता है। 2013 की आपदा ने हमें यह सिखाया कि प्रकृति के साथ संतुलन ही उत्तर है। यदि हमने अपने पहाड़ों को, नदियों को, और पर्वतीय जीवनशैली को नहीं समझा, तो यह सौंदर्य विनाश का कारण बन सकता है। आज हम उन सभी श्रद्धालुओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जो केदार घाटी की त्रासदी में कालवश हो गए। वे तीर्थ यात्री नहीं, हमारे सनातन विश्वास के वीर सैनिक थे, जिन्होंने परम पथ की ओर यात्रा करते हुए देह का त्याग किया। और साथ ही, यह भी प्रण लें कि हिमालय की गोद में बसे इस प्राकृतिक धरोहर को सुरक्षित रखें। विकास के नाम पर विनाश की राह न चुनें। यात्राओं को श्रद्धा और संयम से करें। पर्यावरण के नियमों और स्थानीय संस्कृति के साथ समन्वय बनाकर आगे बढ़ें। कैलाश और केदार दोनों एक ही चेतना के दो रूप हैं। एक मौन तपस्या है, दूसरा प्रकट करुणा। और दोनों हमें यही सिखाते हैं-जो गया है, वह भी शिव में लीन हुआ है। और जो बचा है, वह भी शिव की इच्छा से ही बचा है। ॐ नमः शिवाय। ॐ शांति! शांति!! शांति!!! दुर्भाग्य से केदारनाथ त्रासदी में मारे गए लोगों की पहचान 12 साल बाद भी रहस्य बनी हुई है।

क्वांटम की चुनौती

आईआईटी दिल्ली और डीआरडीओ के वैज्ञानिकों ने हाल ही में क्वांटम साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में एक ऐसी महत्वपूर्ण प्रगति का प्रदर्शन किया है, जो भविष्य में दुनिया के संचार के तौर-तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। वर्तमान में दुनिया के रहस्यों को उन चैनलों के जरिए संग्रहीत और संप्रेषित किया जाता है, जो मुश्किल गणितीय सवालों द्वारा सुरक्षित हैं। पिछले कुछ सालों में, कुछ खास व्यक्तियों के लिए उपलब्ध कंप्यूटिंग शक्ति की बढ़ती मात्रा ने इन समस्याओं को दुरूह और लगभग असाध्य बना दिया है। क्वांटम कंप्यूटिंग के आसन्न आगमन के लिए इस प्रतिमान को बदलने की जरूरत है, क्योंकि क्वांटम कंप्यूटर (कम से कम कागज पर) उन समस्याओं को हल कर सकते हैं जो वर्तमान में सबसे शक्तिशाली पारंपरिक सुपर कंप्यूटरों के बूते से बाहर हैं। क्वांटम साइबर सुरक्षा इस बदलाव का एक ऐसा पहलू है, जो दुर्भावनापूर्ण व्यक्तियों के लिए उपलब्ध कंप्यूटिंग शक्ति की परवाह किए बिना संचार चैनलों की सुरक्षा का वादा करता है। आईआईटी दिल्ली और डीआरडीओ की टीम ने संस्थान के परिसर में एक किलोमीटर खाली स्थान के माध्यम से क्वांटम कुंजी-वितरण योजना का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। ऐसी तकनीक एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित दो व्यक्तियों (या केंद्रों) को एक-दूसरे को भेजे जाने वाले संदेशों तक सुरक्षित पहुंच प्रदान करती है। अगर कोई गुप्तचर किसी संदेश को भेदने की कोशिश करता है, तो संदेशों को डिक्रिप्ट करने के लिए व्यक्ति द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली कुंजियों में हुए तात्कालिक बदलाव से पता चल जाएगा कि चैनल के साथ छेड़छाड़ की गई है और वह भी इस तरीके से कि गुप्तचर इसे रोक नहीं सकता। अगर इस तकनीक को आगे बढाकर इसमें उपग्रहों को भी शामिल कर लिया जाए, तो यह तकनीक भारत में कहीं भी स्थित केंद्रों को क्वांटम नेटवर्क के जरिए बिना किसी जोखिम के सूचना का आदान-प्रदान करने की इजाजत दे सकती है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Re-shaping of energy and geopolitics in the Middle East

Financial markets and policymakers are complacent about developments in the Middle East and their effects on energy markets. The market price for oil for future delivery is trading around the mid-sixties per barrel, well below the spot price and below the average inflation-adjusted price for two decades.Despite the growth of renewables, especially solar and wind power, oil and gas, alongside coal, remain the staple source of energy underpinning modern economies and societies. Currently, the world consumes around 100 million barrels of oil daily (around 50 percent for transport and 20 percent for petrochemicals). No significant decline is forecast due to limited alternatives for heavy transportation and as a chemical feedstock. Natural gas is around 23 percent of the world's total energy consumption and provides a quarter of global electricity.

The Gulf region is the world's most important energy producer, accounting for around 50 percent of proven reserves. It produces around 33 percent of the world's oil and approximately 17 percent of natural gas. Any severe disruption would affect availability and price flowing through to economies.The absence of concern comes from a perception of ample supplies. In the leadup to the current crisis, OPEC, driven by Saudi pressure, increased output, causing sharp declines in price exacerbated by slowing demand from decelerating economic activity, particularly in China. In a repeat of 2015, Saudi Arabia sought to punish producers who exceeded quotas agreed upon between member states. It may have been to placate President Donald Trump, who has consistently sought lower oil prices. Saudi Arabia's objective is to maintain its market share as low prices make US shale oil and gas uncompetitive and accelerate the use of a potentially stranded resource.

The spreading conflict alters the equation. There is increased stockpiling and consumption—military aircraft are not designed for fuel efficiency. The most serious threat comes from collateral damage to energy facilities or the weaponisation of oil and gas supplies.Israel, whose declared objective is destroying Iran's nuclear capabilities and unseating its leaders, may target oil and gas facilities to increase pressure on the regime. Iran exports up to 2 million barrels of oil and refined petroleum products daily (around 2 percent of total oil supply). This loss may not be covered by other producers whose capacities are already strained due to lack of infrastructure, in part because of under-investment in the shift away from fossil fuels. Only Saudi Arabia, the UAE and Russia, whose capacity is hobbled by sanctions, may have actual additional available capacity.

The US entry into the war has changed its dynamics. Iran may seek a total or selective blockade of the Strait of Hormuz—the chokepoint of global energy supplies—through which a fifth of the world's oil supply passes. A long-standing rule in the Persian Gulf states is that if Iran is under threat, it will seek to prevent regional competitors from selling their oil. Even though free passage is still theoretically possible, many shipping companies are already reluctant to transit the narrow waterway due to insurance concerns. The charter costs of large crude carriers (capable of carrying 2 million barrels of oil) from the Gulf to China have more than doubled (from around $20,000 to just under $48,000 per day).Another option is to attack other Gulf nations' oil facilities, which has happened previously. American and Israeli military bases in these countries increase this risk. Iranian-backed domestic militias, already in place, could undertake these attacks. Iraq, which supplies over 4 million barrels of oil per day, is vulnerable due to the location of its infrastructure in Basra, close to Iran, and the history between the two nations.

US pushes West Asia deeper into chaos

The management of the global nuclear domain is set to become even more challenging and volatile.

THE US military attacks on Iranian nuclear facilities at Fordow, Natanz and Isfahan mark a significant and definitive escalation in the Israel-Iran conflict, with potentially complex and destabilising implications.The US is now directly involved militarily in a regional war and the potential for further escalation will depend on four actors and their actions. The first is Iran, the target of US attacks. Tehran has decided to close the Strait of Hormuz. This will lead to convulsions in the global oil market and adversely impact hydrocarbon-importing nations like India.The second actor is some proxy group — Houthis, Hamas or Hezbollah — which may adopt a low-intensity asymmetric warfare strategy against US and Israeli assets, including merchant shipping.

The third actor is an external power — be it Russia or China — which in recent days have cautioned the US not to get involved in the Israel-Iran war directly. However, the probability that Moscow or Beijing will support Iran with direct military involvement is low, given their domestic priorities.The fourth actor is the US, specifically its domestic politics, where there are reservations within the Republican Party about the US strikes on Iran. American public opinion, which has supported President Donald Trump and his anti-war posture, is wary of the US being drawn into another long war in a distant part of the world.

The impetuous US action is being justified on the grounds that Iran must not obtain a nuclear weapon — come what may — and that its current enrichment programme points in that direction. Paradoxically, there is no credible evidence to suggest that Tehran is close to acquiring a nuclear weapon. Contradictions within the US raise questions about the rectitude of the American attack. Tulsi Gabbard, Director of National Intelligence (DNI), testified to the US Congress in March that "The (US) intelligence community continues to assess that Iran is not building a nuclear weapon."But Gabbard was rebuked by Trump, who said on June 20 that the DNI was wrong in suggesting that there was no evidence of Iran building a nuclear weapon. This was a clear signal that Trump had decided to strike Iran. Tehran has repeatedly asserted that it is not seeking to acquire nuclear weapons and instead wants to defend its sovereign right to nuclear enrichment as a NNWS (non-nuclear weapon state) signatory to the Non-Proliferation Treaty (NPT). Iran added that the actions of the aggressors (Israel and the US) are a grave contravention of international norms and conventions and that retribution would follow.

In a post on X, UN Secretary-General Antonio Guterres condemned the US strikes on Iran. He said: "I am gravely alarmed by the use of force by the United States against Iran. This is a dangerous escalation in a region already on the edge and a direct threat to international peace and security. I call on Member States to de-escalate and to uphold their obligations under the UN Charter and other rules of international law."Can the US act unilaterally to contain what it perceives to be a WMD (weapons of mass destruction) threat and is this action of President Trump a violation of Washington's obligations to uphold international law and related conventions? The answer to this question will shape the contour of the emerging world order, or disorder — at a time when there are many global security challenges that need consensus among the major powers and collective action.It is instructive that in West Asia, Israel is perceived to have acquired its covert nuclear weapon capability with French support and tacit US endorsement in the late 1960s, though this is a capability that Israel neither denies nor confirms. Israel is also a non-signatory to the NPT along with India and Pakistan.The rationale for the June 13 attack on Iran by Israel and the current US action is indefensible or debatable. The trigger was provided by the International Atomic Energy Agency's (IAEA) June 12 resolution that censured Tehran for transgressions over its uranium enrichment commitments and site inspections. But the IAEA had not concluded that Iran was very close to acquiring a nuclear weapon. Yet Israel attacked Iran with impunity, justifying its unilateral action as an act of pre-emptive self-defence. The convoluted logic was that Iran could have acquired a nuclear weapon in the near future and this was totally unacceptable to Israeli PM Benjamin Netanyahu and US President Trump.The Asian strategic framework is very complex, with China being part of the five nuclear powers (led by the US) who have accorded the right to possess this capability unto themselves — while denying it to others. At the time the NPT was introduced in 1968, India had argued that this was a case of 'disarming the unarmed' and refused to sign such an unequal treaty. Neither did Pakistan and Israel.

Currently, along with the first five, there are four other nuclear weapon-capable powers : India and Pakistan, who declared their capability in 1998; Israel, an opaque nuclear-armed state; and North Korea, a self-declared, Pluto-like N-weapon state.If these nations exude the certitude that their current regimes and core national security will be jeopardised without nuclear weapons, how is Iran to be convinced that it must renounce the nuclear/enrichment rights which are due to it as a signatory to the NPT?Iranian leaders have warned that the US attacks would have "everlasting consequences". Tehran has requested that an emergency meeting of the UN Security Council be held. Foreign Minister Abbas Araghchi said : "They crossed a very big red line by attacking nuclear facilities. We have to respond based on our legitimate right for self-defence."President Trump has succumbed to the principle of power and short-term realpolitik, abjuring the abiding power of the equitable principle. Consequently, the management of the global nuclear domain will become even more challenging and volatile than it currently is. That would make the current war definitive in a dangerous manner.

Palanquin bearers: The aching burden of piety

The State must ban such labour practices and offer them dignified economic rehabilitation. Their dignity is their right, not a largesse bestowed by social privilege

Two palanquin-bearers from Jammu and Kashmir died last week in a landslide on the rain-hit Kedarnath Yatra trek route in Uttarakhand. The pilgrim they were carrying survived with minor injuries. The debris fell on two more bearers, who escaped with injuries. The 16- km route is treacherous. Hundreds of pilgrims with comorbidities have died on this route, though porters' fatalities are rare. However, these are two deaths too many.

Thousands of poor people in their 20s to 40s shoulder palanquins (dandi) carrying pilgrims or strap pilgrim-laden wicker litters (kandi) to their backs. It demands remarkable strength and endurance. Strained lungs, weakened spines, and feet eventually force them into painful retirement. Traditionally, the porter service is linked to godliness because it fulfils infirm pilgrims' wish to reach their lord. The travesty of progressive India is also that it's the only means in the hills to transport patients or pregnant women to distant health centres. The concept dates back centuries, when the influential travelled in palanquins and brides left their parents' homes in 'dolis'. This oppressive system is no different from the still-surviving 'cultural tradition' of hand-pulled rickshaw drivers of Kolkata. In our cosmopolitan society, they are a reflection of the excluded who populate the margins of modernity. They are living contradictions of social marginalisation in present-day society, proof of the uncoupling of the right to dignity and fair labour from the economically vulnerable bottom of the pyramic at the intersection of rigid hierarchies and 21st-century reform.

By rostering and licensing the dandi-kandi porters of Uttarakhand, like Kolkata's rickshaw pullers their indignity is both routinised and institutionalised. This archaic form of painfu labour has yet to prod the government to dismantle the system. In the absence of alternative work and hunger and survival snapping at their heels, these workers ploc along. When the West Bengal government decided to ban the undignified work in 2006, the rickshaw pullers resisted because the decision threatened their only means of survival. The State must ban such labour practices and offer them dignified economic rehabilitation. Their dignity is their right, not a largesse bestowed by social privilege. It is time they are offered real choices, not vague promises of progress. In her poem "Palanquin Bearers", Sarojini Naidu may have romanticised their task, but the reality is forbidding.

Finding the soul of India through a foreign language

Bibek Debroy's Sacred Songs—the Mahabharata's Many Gitas is one in a luminous list of translations, using English to re-possess ancient spiritual texts and thereby filling the God-sized hole left in many Indian hearts because of the educational disconnect with their heritage

This week, I came across a book that I read last year and its value struck me afresh. Particularly because I am far from 'ashamed' of knowing the English language, despite the odd political opinion in Delhi on the very many Indians who freely inhabit the unparalleled depth and range of the Anglophone world. The book I found was the late scholar-economist Bibek Debroy's last published volume, Sacred Songs—the Mahabharata's Many Gitas, devoted to the 24 gitas in the epic apart from the Bhagavad Gita. It joined a luminous list of translations from Indian scripture by other scholars. People like Dr Sarvepalli Radhakrishnan, who rendered the Bhagavad Gita and the sixteen principal Upanishads into English; C Rajagopalachari, whose abridged English translations of Valmiki's Ramayana and Vyasa's Mahabharata in the 1950s are still very much around in new editions; and Kamala Subramaniam, who produced monumental English translations of the Ramayana, Mahabharata and Srimad Bhagavatam.The value of such works is that they used the English language to repossess Indian scripture and make it accessible to the millions of Indians trapped in the English language. People who still longed to know their heritage better but had to get on with life, study, find jobs, sustain family responsibilities, all of which consumed their time.For these millions, people like Dr Radhakrishnan, C Rajagopalachari, Kamala Subramaniam, Bibek Debroy, Ramesh Menon and a score of others performed a valuable public service. Through their labours, they gave the soul of India back to those cut off by history. To look at just Debroy's prodigious output, he translated the unabridged version of Vyasa's Mahabharata into English, in a series of 10 volumes. He also translated the Bhagavad Gita, the Harivamsa (an abridged Mahabharata also credited to Vyasa), the Vedas, no less, and Valmiki's Srimad Ramayanam in three volumes.His services to the Puranas were no less monumental. He translated the Bhagavata Purana in three volumes, the Markandeya Purana in one volume, which contains the Devi Mahatmyaham recited every year during Durga Puja, the Brahma Purana in two volumes, the Vishnu Purana in one volume, the Shiva Purana in three volumes and the Brahmanda Purana in two volumes. Besides Manmatha Nath Dutt (1855–1912), he is the only other person to have translated both the Mahabharata and the Ramayana in unabridged form into English.For his translations, he was conferred with the Ramakrishna Gopal Bhandarkar Memorial Award in July 2023 by the venerable Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune, which put the entire Mahabharata together in a critical edition. This edition was prepared with the painstaking efforts of committed scholars over nearly five decades, consulting 1,259 manuscripts. The completed critical edition of the Mahabharata was finally released in 10 weighty volumes on September 22, 1966 by Dr Sarvepalli Radhakrishnan, the then President of India.

It is this milestone Sanskrit text that Debroy gamely translated into English in the service of modern Indians. Written simply and accessibly with footnotes, Debroy's labours of love found favour with the Indian public for their reverse engineering, using the English language to re-possess these ancient spiritual texts and thereby filling the God-sized hole left in many Indian hearts because of the educational disconnect with their heritage. Debroy's last legacy to us was Sacred Songs—the Mahabharata's Many Gitas, released late last year. A dense, layered book of 684 pages, it has 25 chapters, each devoted to a gita, 24 from the

Mahabharata, with the last being the Pandava Gita, which exists outside the Mahabharata. The Bhagavad Gita or Song of God, not included here, is of course THE gita of gitas. But these other gitas bejewel the unabridged Mahabharata, a gita being a philosophical or advisory passage that can be sung or chanted.The first gita in this volume is the Shounaka Gita. This is named for an ancient rishi in the the forest of Naimisharanya (today's Neemsar in modern Uttar Pradesh). Shounaka advises a depressed Yudhishthira in the Vana Parva or forest section of the Mahabharata. He tries to implant a sense of detachment in Yudhishthira, saying that attachment is the cause of all misery, that Yudhishthira should ideally "Perform karma, but also renounce it." This is popularly understood to mean, 'Keep going anyway because that's what life is about'. The Dharma Vyadha Gita is from a beloved Indian story, also from the Vana Parva. Rishi Markandeya tells the Pandavas how a butcher taught a Brahmin dharmic righteousness. That he was a butcher is of no consequence, for that, too, is a genuine profession in society, and a butcher is as capable of dharmic righteousness, in this case more so, than the Brahmin. It's a treat to be able to access their actual conversation through Debroy's lucid text.The Nahusha Gita is a dialogue between Yudhishthira and Nahusha, an ancestor of the Pandavas, who was expelled from heaven and cursed to take the form of a python by Rishi Agastya. He coils himself around Bhima, and Yudhishthira must set him free by conversing with Nahusha. When Nahusha asks who is a Brahmin, Yudhishthira responds that a Brahmin "is one in whom truthfulness, charity, forgiveness, good conduct, lack of cruelty and compassion can be seen". Not otherwise. Which, like the grand old Upanishads, posits categorically that 'caste' is indicated by character, not birth.

This pattern of outright social subversion and valorising moral character high above the accident of birth comes across repeatedly in these ancient gitas, which amazes and gladdens the modern reader. But for such translations, we would never know what our scriptures actually said and how consistently.

Your CTC is lying to you: CA points out salary details most people overlook

CTC is total company expense, not your take-home salary
Components like gratuity, PF, bonuses often locked or uncertain
Many wrongly plan expenses based on gross CTC

New Delhi. Every year, thousands of professionals land what seem like impressive job offers. The Cost to Company (CTC) looks generous, the offer letter is celebrated, and expectations are high. But a few salary cycles in, disappointment kicks in. The in-hand salary feels much lower than expected, and confusion sets in.The confusion often stems from a simple truth: CTC is what your company spends on you, not what you actually take home. This gap between expectations and reality is exactly what Chartered Accountant Abhishek Walia is warning against. In a recent LinkedIn post, Walia wrote, "Your CTC is lying to you!"Walia broke down what typically makes up a CTC and why it feels misleading. "Gratuity – Locked till 5 years. Not yours yet. Employer PF – Yours, but not liquid. Think long-term savings. Performance Bonus – Not guaranteed. Subjective, delayed. ESOPs – May sound glamorous, but only valuable if exercised plus liquid. Insurance

Premiums – Paid on your behalf, but no cash value in hand."The real problem, according to him, isn't just in the CTC structure; it's in how employees interpret it. "Yet most people plan their lifestyle expenses based on CTC, which is a trap."The post calls for a shift in how professionals approach compensation. Walia encourages individuals to read beyond the headline number in their offer letters and ask more informed questions. What is fixed pay? What is variable? What is the vesting period for any ESOPs?His message is clear: understand your payslip in full, not just the top line. Focus on your net income because, in the end, "The real paycheck isn't what's written in your offer. It's what you keep, grow, and protect."The post is part caution and part financial literacy reminder. It challenges employees to take ownership of their earnings and not just celebrate the illusion of a big CTC.

Stock market down 1%: Why did Sensex, Nifty fall after early gains

New Delhi. Sensex and Nifty erased early gains to tumble over 1% in the afternoon session. While the Sensex fell 900 points, the Nifty50 lost 200 points from the day's high to trade marginally higher.The S&P BSE Sensex was up 261.25 points to 82,158.04, while the NSE Nifty50 was up 96.85 points to 25,068.75 as of 2:33 pm.

Markets declined after Israel announced it had instructed its military to launch an attack on Tehran. This came in response to Iran firing missiles, which Israel said broke the ceasefire following 12 days of conflict.Earlier in the day, the indices had gained as much as 1.3%. Israeli Defence Minister Israel Katz said that he had directed a strong military retaliation, accusing Iran of breaching the truce.

The rally in early trade came after US President Donald Trump declared a "total ceasefire" between Israel and Iran, easing concerns of prolonged geopolitical instability in the Middle East.

However, the ceasefire was short-lived as Iran fired missiles on Israel.Adani Ports led the gainers in the afternoon session with a 2.89% jump, followed by UltraTech Cement up 1.86%, Tata Steel gaining 1.61%, Kotak Mahindra Bank rising 1.60%, and Larsen & Toubro adding 0.98%.On the losing side, PowerGrid dropped 1.34%, NTPC fell 1.08%, Trent declined 0.94%, Reliance Industries was down 0.46%, and HCL Technologies slipped 0.43%.

India enters top 100 in global SDG rankings for first time; Nordic nations continue to top index

NEW DELHI. India has for the first time secured a place among the top 100 out of 167 countries ranked for their progress in achieving the Sustainable Development Goals (SDGs), according to a report published on Tuesday.According to the UN Sustainable Development Solutions Network's 10th and latest Sustainable Development Report (SDR), India ranks 99th on the 2025 SDG Index with a score of 67, while China ranks 49th with 74.4 and the US 44th with 75.2 points.India ranked 109th in 2024, 112th in 2023, 121st in 2022, 120th in 2021, 117th in 2020, 115th in 2019, 112th in 2018 and 116th in 2017.

Among India's neighbours, Bhutan takes 74th place with 70.5 points, Nepal ranks 85th with 68.6, Bangladesh 114th with 63.9 and Pakistan 140th with 57 points. India's maritime neighbours, Maldives and Sri Lanka, stood at 53rd and 93rd places, respectively.SGDs were adopted in 2015 with the idea that to save the planet, no one should be left behind in the overall development matrix by 2030. The score measures progress on a scale of 0 to 100 where 100 indicates a country has achieved all 17 goals and 0 means no progress has been made.

The report's authors flagged that SDG progress has stalled at the global level, with only 17 percent of the 17 targets projected to be achieved by 2030. "Conflicts, structural vulnerabilities and limited fiscal space impede SDG progress in many parts of the world," said the report, with world-renowned economist Jeffrey Sachs as its lead author.

European countries, especially the Nordic nations, continue to top the SDG Index, with Finland ranking first, Sweden second and Denmark third. A total of 19 out of the top 20 countries are in Europe.Yet even these countries face significant challenges in achieving at least two goals, including those related to climate and biodiversity, largely due to unsustainable consumption, the authors said.

East and South Asia have outperformed all other global regions in terms of SDG progress since 2015 largely due to rapid socioeconomic development.The countries in East and South Asia that have demonstrated the fastest progress since 2015 (in points) include Nepal (+11.1), Cambodia (+10), the Philippines (+8.6), Bangladesh (+8.3) and Mongolia (+7.7).

Asian shares rally after Trump announces Israeli-Iran ceasefire

BANGKOK. Stocks rallied Tuesday after U.S. President Donald Trump announced a ceasefire in the Israel-Iran conflict, although the situation remained unclear as attacks continued.Trump said Israel and Iran had agreed to a "complete and total ceasefire" soon after Iran launched limited missile attacks Monday on a U.S. military base in Qatar, retaliating for the American bombing of its nuclear sites over the weekend.Uncertainty remained, with Israel not immediately confirming any ceasefire. It was unclear what the missile launches would do for the ceasefire's timeline.Trump's announcement on Truth Social said the ceasefire wouldn't begin until about midnight Tuesday, Eastern time. He said it would bring an "Official END" to the war.U.S. futures advanced, as contracts for the S&P 500 and the Dow Jones Industrial Average gained 0.5%.

In Asia, Tokyo's Nikkei 225 rose 1% to 38,756.00 and the Hang Seng in Hong Kong gained 1.7% to 24,078.94.The Shanghai Composite index climbed 0.9% to 3,411.92.In South Korea, the Kospi jumped 2.3% to 3,082.90, while Australia's S&P/ASX 200 gained 0.9% to 8,551.40.Oil prices fell further, after tumbling on Monday as fears subsided of an Iranian blockade of the Strait of Hormuz, a vital waterway for shipping crude.The price of oil initially jumped 6% after trading began Sunday night, a signal of rising worries as investors got their first chance to react to the U.S. bombings. But it quickly erased all those gains, with U.S. benchmark crude falling 7.2%. It dropped further early Tuesday, giving up 2.7% to $66.67 per barrel. It had briefly topped $78.Brent crude, the international standard, shed 2.5% early Tuesday to $69.68.U.S. stocks rallied on Monday despite the United States' bunker-busting entry into its war with Israel.

Adani AGM 2025: Gautam Adani denies US bribery charges, asserts group's clean record

Ahead of its AGM, Adani Airports Holdings Limited (AAHL) on Tuesday confirmed securing $1 billion in project finance for Mumbai International Airport Ltd (MIAL), which operates the Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport (CSMIA).

New Delhi. The AGM for Adani Enterprises kicked off at 10:30 a.m., with Adani Ports set to follow at 12:30 p.m. Chairman Gautam Adani began the meeting by saluting the Indian armed forces for Operation Sindoor and also remembered the recent Air India plane crash.Adani Group Chairman Gautam Adani said the group's capital investments are poised to break records, with plans to spend $15–20 billion capex annually over the next five years, not just for business growth, but to contribute to India's infrastructure development.During the AGM, Gautam Adani also addressed the bribery allegations brought by U.S. authorities, stating that no one from the group has been charged with violating the Foreign Corrupt Practices Act (FCPA) or obstructing justice in connection with the bribery allegations

by U.S. authorities and the SEC.Referring to the scrutiny around Adani Green Energy, Adani said the group stood firm despite pressure. His remarks come after the US SEC summoned him and his nephew Sagar Adani over alleged bribery and misleading investors during a $750 million bond issuance.Ahead of its AGM, Adani Airports Holdings Limited (AAHL) on Tuesday confirmed securing $1 billion in project finance for Mumbai International Airport Ltd (MIAL), which operates the Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport (CSMIA).For the quarter ending March 2025, Adani Enterprises posted a 752% year-on-year (YoY) jump in profit to Rs 3,845 crore, up from Rs 451 crore last year. The rise was mainly due to an exceptional gain of Rs 3,286 crore. However, revenue from operations dipped 8% YoY to Rs 26,966 crore.Shares of all Adani Group companies traded in the green ahead of the AGM.Key announcements and the group's future plans are likely to be shared during the AGMs.

Explained: Why Enviro Infra Engineers share price jumped 11% in early trade

New Delhi. Shares of Enviro Infra Engineers Ltd surged sharply on Tuesday morning, rising over 11% in early trade after the company announced that it had secured new projects worth Rs 306.30 crore.

At around 9:48 am, the company's stock was trading at Rs 233.50 apiece on the Bombay Stock Exchange (BSE), up 10.43% from the previous close.The rally came after Enviro Infra Engineers issued a press release confirming the receipt of multiple new orders. In the release titled "Enviro Infra Engineers Limited Secures New Projects Worth Rs 306.30 crores", the company said the new projects are part of its normal business operations.While the firm did not disclose further details about the nature of the contracts or the clients involved, citing confidentiality clauses, it emphasised that the development was material enough to warrant a voluntary disclosure.

The company clarified that the provisions under Clause 4 of Part B of Part A of Schedule III of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure

Requirements) Regulations, 2015, along with recent Sebi circulars on contract awards "not in the normal course of business," do not apply in this case. Since the projects are part of routine business activity, the firm was not obligated to disclose them in detail but chose to do so voluntarily.Market participants took this as a positive signal, interpreting the development as a sign of strong order inflow and business momentum.While the announcement lacked granular details, the headline figure of Rs 306 crore in new projects appears to have bolstered investor sentiment and sparked renewed interest in the stock.The jump adds to recent positive momentum for the company's shares, which have seen steady gains in recent weeks amid growing interest in infrastructure and engineering firms with robust order books.Investors will now watch for future updates on project execution timelines and whether this order win translates into stronger financial performance in upcoming quarters.

Novo Nordisk rolls out its much-awaited obesity drug Wegovy in India

CHENNAI. Danish drugs and insulin maker Novo Nordisk launched Wegovy, its latest and the much-awaited weight-loss drug -- a once-a-week semaglutide injection, in India today (June 24). The drug is currently being distributed and will hit pharmacies by the end of June.

The Drug Controller General of India (DCGI) had in February 2025 approved Wegovy for chronic weight management and to reduce cardiovascular events after a select trial.According to the company, the five dose strengths of the obesity drug are available in 0.25?mg, 0.5?mg, 1?mg, 1.7?mg, and 2.4?mg, and the starter doses (0.25–1?mg) will cost Rs 4,366/week ($50.7), or about ?17,345/month.While, the higher doses -- 1.7?mg and 2.4 mg are priced at Rs 24,280/month and Rs 26,015/month respectively.According to industry sources, the company advanced the

India launch, which was originally planned for 2026, to mid-2025 to stay ahead of rivals like Eli?Lilly's Mounjaro.Novo aims to reach $1?billion in Indian sales within 5–7 years, signaling high confidence in demand, the sources say.To meet gobal demand, Novo has invested over $23?billion in production capacity and is running facilities 24/7 In India, it's also building obesity clinics, training healthcare professionals, and partnering with state governments on obesity careWegovy competes with Eli Lilly's Mounjaro (tirzepatide) as the latter's early presence in India made it crucial for Novo to fast-track Wegovy Patent and With semaglutide's patent set to expire in India in 2026, local pharma giants (Sun Pharma, Cipla, Dr. Reddy's, Biocon) are also developing generic versions. Novo had even filed a patent infringement suit to bar DRL and OneSource from selling semaglutide generics, although Delhi High Court restricted them pending an August hearing.India has over 250?million individuals with general obesity and 351?million with abdominal obesity. Around 24% of Indian adults are overweight or obese. However, despite strong demand, pricing remains a concern in India's price-sensitive market. Novo aims to balance affordability with premium positioningThe company claims that Wegovy demonstrated about 15% body weight loss in global trials and reduces major cardiovascular events, setting it apart in the obesity care landscape.

Better than gold: How Ecuador cashed in on surging cocoa prices

In 2024, Ecuador's cocoa exports amounted to 3.6 billion dollars, 600 million dollars more than mining.

MILAGRO. In Ecuador, farmers who bet on cocoa beans rather than bananas, the country's top agricultural export, are cashing in as a global shortage of the main ingredient in chocolate feeds a price bonanza.Cocoa is now a billion-dollar business in the Andean country, rivalling gold, copper and silver as well as the ubiquitous banana.Near the Pacific port city of Guayaquil, in a region called Milagro (Miracle), 50-year-old farmer Cergio Lema can scarcely believe his luck.A few years ago, the price of cocoa "was so low you could only earn enough for the upkeep of the farm," he told AFP as he strolled through his plantation, examining the oblong cocoa pods ripening on his trees.But in the past two years, poor harvests linked to climate change and disease in Ivory Coast and Ghana, which together account for over half of global cocoa output, have whipped global prices into a froth.Lema's income has more than tripled -- from 100 dollars for a 100-kilo (220 pound) sack of the beans packed inside each pod, to 350 dollars per sack.

Nowadays he dreams about expansion.

"I have the vision of saving some money, taking out a loan, and buying another plot of land," he said.In 2024, Ecuador's cocoa exports amounted to 3.6 billion dollars, 600 million dollars more than mining.Between September 2024 and March 2025, the value of cocoa exports surpassed those of bananas, of which Ecuador is the world's top exporter, for the first time in six decades, according to the central bank.Marco Vasquez used his bonanza to modernize his farm in Los Rios province, in the southwest of the country."With the previous prices, it was impossible to invest, but now I've bought more seeds and constructed a small bridge to cross the stream that used to flood the plantations," the 42-year-old told AFP in a telephone call.

Gangs sniff opportunities

Ecuador, believed to be the original home of cocoa, is the world's third-largest producer of the so-called "food of the

gods," according to its agriculture ministry.It is also the biggest exporter of fine flavor cocoa, a premium variety prized by chocolate makers for its rich, fruity taste.But 90 percent of its production is of CCN-51, a genetically modified variety created in the 1980s to resist the bugs behind an outbreak of cocoa swollen shoot virus (CSSV), a disease ravaging crops in Ivory Coast and Ghana."The current prosperity is no accident; we are reaping the benefits of years of private investment and research into a resilient variety," said Ivan Ontaneda, president of Ecuadoran cocoa exporters group Anecacao.African cocoa crops have also been wiped out by heavy rains and extreme drought, both of which experts have linked to climate change.In December 2024, international cocoa prices hit a record $12,000 per metric ton on the back of the shortages, before falling back to about $8,500 dollars currently.

Anecacao estimates that around 400,000 producers and exporters have benefitted from the price surge.

But the boom has left a bitter taste for some: cocoa growers are growing targets for the extortion gangs that hold businesses to ransom across Ecuador, Peru, Venezuela and other South American countries.

The rush to cash in on high prices also risks reputational damage to Ecuadoran cocoa.

Environmental groups have repeatedly warned of rampant deforestation related to cocoa production.

Asia heating up twice as fast: Climate change report cites recent events

Agency New Delhi.

With the world already struggling to find ways to effectively address climate change, a new report on the global crisis has sounded concerns, especially for Asian, with fresh water sources and coastal areas seriously threatened.

The World Meteorological Organization's (WMO) "State of the Climate in Asia 2024" report has highlighted alarming climate changes across Asia recently, saying the continent has heated up twice as fast as the rest of the world.The report reveals that the continent is facing unprecedented environmental challenges, saying in 2024, Asia experienced one of the warmest years on record.

With average temperatures averaging 1.04 degrees Celsius above the 1991-2020 baseline, the continent is warming nearly twice as fast as the global average, the report said.The rapid temperature rise has accelerated glacier melting in key mountain ranges, including the Himalayas and the Tian Shan mountain range in Central Asia, threatening vital freshwater sources and ecosystems.

SEA SURFACE TEMPERATURE RISE RISKS COASTALAREAS

According to the State of the Climate in Asia 2024 report, sea-surface temperatures in the region have also soared to record highs. Due to the record-high temperatures, sea levels along Asia's Pacific and Indian Ocean coastlines rose faster than the global average. These trends have heightened the vulnerability of millions living in coastal areas of the continent, including India.

They are increasing risks from flooding and storm surges. The continent also saw a sharp increase in extreme weather events throughout 2024.

CONTINENT BRACES FOR DEADLY HEATWAVE

The report further claimed that prolonged

heat waves struck parts of Asia, causing hundreds of heat-related deaths, particularly in India and Japan. Marine heatwaves expanded dramatically, reaching a record 15 million square kilometers, severely impacting marine biodiversity. Tropical Cyclone Yagi emerged as the strongest storm of the year, inflicting widespread damage across Southeast Asia. Yagi left dozens dead in northern Vietnam last September.

Also, Central Asia faced its worst floods in over 70 years, while the United Arab Emirates (UAE) experienced unprecedented rainfall, severely disrupting infrastructure. Nepal endured devastating floods in September 2024, resulting in at least 246 fatalities. However, timely early warning systems and coordinated response efforts helped save thousands of lives.

NEED FOR URGENT CLIMATE STRATEGIES

The report underlines the urgent need for robust climate adaptation strategies. It emphasises the critical role of national meteorological services in improving disaster preparedness to protect lives and livelihoods in an era of escalating climate risks.As Asia's climate continues to warm rapidly, proactive measures are essential to mitigate the human and economic toll of these extreme environmental changes, it added.

Vande Bharat Brawl: BJP MLA Rajeev Singh Parichha faces party heat after show-cause notice

Agency New Delhi.

A viral video depicting a violent altercation aboard a Vande Bharat Express train has landed BJP MLA Rajeev Singh Parichha in hot water, resulting in a show-cause notice from the party's Uttar Pradesh unit. The incident, which occurred on June 19th, involved a group of men allegedly associated with Parichha, who was travelling from Delhi to Bhopal with his family.

The video, widely circulated on social media, shows the men violently assaulting a fellow passenger, leaving him bleeding from multiple injuries.The incident quickly escalated into a political controversy after former Madhya Pradesh Congress MLA Mukesh Nayak shared the video, accusing Parichha of "hooliganism" and his supporters of brutally attacking the passenger.

Parichha's response to the controversy has been met with criticism. He filed a complaint with the Government Railway Police (GRP), alleging that the passenger was disruptive, repeatedly encroaching on his personal space. Parichha claimed the passenger's subsequent misbehaviour led to the altercation, and that the passenger later called accomplices to attack his supporters at Jhansi station.However, this version of events starkly contradicts the widely circulated video footage. Unverified reports suggest the conflict originated from a seat-trading request made by the MLA, which the passenger refused.

The BJP's reaction has been swift and firm. State General Secretary Govind Narayan Shukla issued a show-cause notice to Parichha, demanding a response within seven days. The notice explicitly stated that Parichha's actions have severely damaged the party's image and constituted serious indiscipline, warning of strict action should he fail to provide a satisfactory explanation."Your actions have tarnished the image of the party and indicate serious indiscipline. You are directed to respond within seven days, failing which strict action will be taken," the letter reads.

Sanskrit gets Rs 2,532.59 cr for language promotion, highest among six classical languages: RTI

Agency New Delhi.

A Right To Information (RTI) application has revealed that the central government spent a major chunk of funding to promote the Sanskrit language between 2014-2015 and 2024-25. As per the RTI data received by Hindustan Times, the government has spent a total of Rs 2532.59 cr for the promotion of Sanskrit, 17 more than the five other classical languages including Telugu, Tamil, Kannada, Malyalam and Odia.

Every year on an average, Rs 230.24 were doled out for Sanskrit promotion, while the other five languages got a combined of Rs 13.41 cr.Tamil is the highest funded classical language, but received less than 5 per cent of the total funding given to Sanskrit language. While Odia and Malyalam got 0.5 per cent and 0.2 per cent of Sanskrit's total funding.

Sanskrit gets 22 times more funds than Tamil

Tamil got the status of classical language in 2004 and got Rs 113.48 crore as part of Promotion of Indian Languages (GPIL) scheme. The amount given to Sanskrit in this case was 22 times more than allocated to Tamil. Sanskrit was given the status of classical language in 2005.

The RTI data also revealed that Hindi, Urdu and Sindhi languages, though none of them is a classical language, got less funding than the Sanskrit. As per the data, Hindi, Urdu and Sindhi received a total funding of Rs 1,317.96 cr between 2014-15 and 2024-25, which is 52 percent of the total funding Sanskrit got through these years.

Funds for Hindi, Urdu and Sindhi

The report said that Hindi, Urdu and Sindhi individually received Rs 426.99 cr, 837.94 and Rs 53.03 cr during the said period.

UAE doctor sends Rs 6 crore aid to Air India crash victims

Agency New Delhi.

UAE-based healthcare entrepreneur and philanthropist Dr Shamsheer Vayalil's pledge of Rs 6 crore in financial aid has begun to reach those affected due to the devastating Air India Flight 171 crash in Ahmedabad. The first distribution of this aid took place at BJ Medical College in Ahmedabad.The atmosphere at BJ Medical College was heavy with grief as students returned to classes following the tragedy. However, the solemn mood was briefly lifted during a private ceremony in the Dean's chamber where Vayalil's generous donation was formally distributed.

"The dreams your loved ones had were shared dreams of all of us who consider medical service as our life. Please know that you are not alone. The entire medical community stands with you," Shamsheer wrote in a personal letter.

This aid, announced shortly after the crash, was personally delivered by representatives of VPS Health from Abu Dhabi to the families of the deceased and injured.The families of the four deceased medical students, Aryan Rajput, Manav Bhadu, Jayprakash Choudhary, and Rakesh Gobarbhai Diyora, each received Rs 1 crore. The families of six additional deceased, including relatives of Dr. Pradip Solanki and Dr. Nilkanth Suthar, each received Rs 25 lakh.The gesture wasn't limited to the families of the deceased. Recognising the significant medical expenses faced by the injured, Dr. Vayalil's initiative also provided financial support to fourteen seriously injured individuals, each receiving 3.5 lakh. These individuals, including both medical students and residents, suffered injuries ranging from burns and fractures to internal trauma requiring extended hospitalisation.

Supreme Court grants interim relief to Rohingya woman facing deportation

The Rohingya woman was declared a foreigner by an Assam Foreigners' Tribunal. She approached the Supreme Court after the Gauhati High Court upheld the tribunal's decision.

Agency New Delhi.

The Supreme Court has granted interim relief to a Rohingya woman who was declared a foreigner by an Assam tribunal, staying her deportation and barring any coercive action until further orders. The top court also issued a notice to the Centre and the Assam government on the petition filed by Zainab Bibi.

In her petition, Bibi challenged the Gauhati High Court's order that upheld the tribunal's decision. She sought a stay on her deportation from India.

"The petitioner shall not be deported, and no coercive action shall be taken against her in the meantime," the Supreme Court said, while directing that the matter be listed for hearing in the last week of August.

Bibi was earlier declared a foreigner by an Assam Foreigners' Tribunal, a judicial body tasked with identifying illegal immigrants in the state. She then approached the Gauhati High Court, which upheld the tribunal's decision.

SUPREME COURT ON ROHINGYA REFUGEES

The development comes weeks after another bench of the top court took a tough stance on the deportation of Rohingya refugees.In May, the Supreme Court said if Rohingya refugees in the country were found to be 'foreigners' under the Foreigners Act, they would have to be deported as per the law. A three-judge bench had ruled that the right to reside anywhere within India was limited to its citizens.

The petitioners had argued that Rohingyas were at risk of genocide in Myanmar and contended that, as refugees, they had the right to remain in India.

However, the top court remarked, "If they (refugees) have a right to stay here, it will be acknowledged. However, if they do not have a right, they will be deported as per the procedure prescribed in law".

Gangster, wanted for liquor baron's murder, killed in encounter at Delhi border

Agency New Delhi.

A notorious gangster wanted in several murder cases was killed in an encounter with police near the Delhi-Haryana border. Two personnel of the Delhi Police Special Cell sustained injuries during the encounter that broke out in the early hours of Tuesday.

Romil Vohra was a sharpshooter associated with the dreaded Kala Rana-Noni Rana gang. Vohra was wanted in connection with multiple criminal cases, including the June 14 murder of liquor baron Shantanu in Haryana's Yamunanagar district.The police had been tracking the gangster's movements since the sensational killing.

ENCOUNTER BREAKS OUT

According to sources, Delhi Police's counter-intelligence unit received a tip-off from the Haryana Police about the presence of Vohra near the interstate border. A joint team of Delhi and Haryana police were swifly dispatched to the border region.Vohra was spotted on Tuesday and as the police tried to nab him, he opened fire and attempted to flee. The police returned fire in self-defence, killing Vohra. Two sub-inspectors, Pravin and Rohan, sustained injuries in the incident and were rushed to the hospital.

Vohra had several criminal cases registered against him, including charges of murder and extortion. He was named as the prime accused in the murder of liquor businessman Shantanu. Shantanu, who ran a liquor business spread across 12 districts, was shot dead by two bike-borne men on the national highway in Shahabad.

Vohra was also involved in a shooting incident in Yamunanagar last year, where he allegedly gunned down four individuals. A case under the Arms Act was registered against him.

Police believe his death would deal a significant blow to the Kala Rana–Noni Rana network operating across northern India.

'Pakistan will wage war again if...': Bilawal Bhutto's threat to India on Indus Waters Treaty suspension

New Delhi. Former Pakistan foreign minister Bilawal Bhutto Zardari warned India of war over the suspension of the Indus Waters Treaty (IWT). Bilawal, the chief of the Pakistan Peoples Party (PPP), said that if India denies Pakistan its fair water share under the 1960 treaty, then Islamabad "will have to wage war again" against New Delhi."If India refuses to abide by the Indus Waters Treaty, Pakistan will not shy away from waging war again. India has two options: share water fairly, or we will deliver water to us from all six rivers," Bilawal said in Parliament, referring to the six rivers of the Indus basin. Bilawal's statement comes at a time there is a simmering tension between India and Pakistan over the Indus Waters Treaty. India has indicated in recent years that it may reconsider the water pact.

India on April 23 suspended the 1960 agreement, a day after the terrorist attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam that killed 26 people. Union Home Minister Amit Shah last week asserted that India will never restore the water pact. "We will take the water that was flowing to Pakistan to Rajasthan by constructing a canal. Pakistan will be starved of water that it has been getting unjustifiably," he said in an interview to Times of India. Pakistan's Foreign Ministry described Shah's stance on the water pact as a "brazen disregard" for international agreements.

Bilawal also advocated dialogue and said that if the two countries refuse to hold talk and there is no coordination on terrorism, "violence will intensify".

Besides putting the IWT in abeyance and suspending all trade with Pakistan, India launched Operation Sindoor on May 7, targeting terrorist infrastructure in Pakistan in response to the Pahalgam terror attack.

Chasing the catch, barefoot in the grind

Plastic sheets, fish guts and Styrofoam boxes clog open drain, kites and crows circle, stray dogs tear at scraps amid thin rules and regulations.

Agency New Delhi.

Start work at3am while the city still sleeps, and the ice cuts my fingers till they bleed, but I have mouths to feed," says Imran, hoisting a crate of mullet at Ghazipur Fish Market. For twelve years the wiry labourer from WestBengal has lived by the whistle of refrigerated lorries and the smell of offal.Each dawn he earns between Rs 500 and Rs 2,500 hauling fish from trucks to auction tables. After paying for a shared room and cheap food, he wires home about Rs 20,000 a month."If I stop, the children stop eating," he shrugs. Imran's ordeal is echoed by hundreds across the market. Ghazipur, shifted from Jama Masjid in 2000, is now Delhi's seafood artery, nearly 300 wholesalers and 1,500 labourers handle 200 tonnes daily from the coast.

Restaurants would starve without them, yet these men stand ankle deep in melt water with no gloves, boots or medical cover. When COVID 19 shut the gates in 2020, Imran pawned his phone and hitch hiked home, surviving on boiled leaves. Debt soon dragged him back. It is a cycle that traps the poorest in the dirtiest jobs.

Traders see growth

"This market is1000 times better than Jama Masjid," says wholesaler Riaz, whose turnover tops Rs 40lakh a day.

"We businessmen must take responsibility for maintaining cleanliness. It's not just the government's duty; we should allocate resources for cleaning and train our workers accordingly," he says.Hazards are everywhere. Doctors at a nearby hospital treat workers for foot fungus, infections and slipped discs. None of the men carry insurance. Long exposure to ice maims spines before forty. Cash only trade hides another cost. Rajesh, a customer from Kaushambi, waves notes and mutters about tax evasion.Vendors blame damp air for failing card machines, but suspicion lingers: an untaxed economy thrives while revenue leaks away.

Waste is impossible to ignore

Plastic sheets, fish guts and Styrofoam boxes clog the open drain beside the sheds. Kites and crows circle; stray dogs tear at scraps. During lockdown, when waste vanished, vets recorded a spike in bird deaths, proof that even wildlife is chained to Ghazipur's fortunes. A pair of waterproof boots costs Rs 900.

Last year Ghazipur's turnover topped Rs 1,200 crore. Regulation is thin. The market committee employs four cleaners for the entire fish section; their hoses clog within hours.A single sign urging hygiene has peeled to blank tin. In 2018 the Delhi government announced a Rs 150 crore upgrade with cold stores, mechanised waste pits and a welfare centre. Seven years on, the plan is still stuck in tenders, and the only new structure is a half built shed now sheltering strays.Mohammed Salim, who heads an informal workers' committee, fumes: "We carry Delhi's fish economy, yet on paper we don't exist." New labour codes require contractors to provide safety gear and insurance, but enforcement officers rarely cross the slimy threshold.Activists say fixes are cheap, protective gear, a sewage plant, digital payment points, a clinic open after hours. The cost, they insist, is a fraction of the cess collected every dawn. Imran's shift begins with unloading, 40 kgs baskets of ribbon fish, seer and prawns hurled from the lorry to the slick concrete.

By5am the auction bell clangs and he darts between traders, negotiating puddles that hide shards of ice. Breakfast is a five rupee tea and a dry bun. By noon, when the sheds turn into ovens, the remaining fish is boxed for evening retail; hoses flush the floor, emptying straight into the open drain.

NEWS BOX

Iran says 'no agreement' as of now on ceasefire with Israel

TEHRAN (Iran). Iranian Foreign Minister Abbas Araghchi said on Tuesday that there was no ceasefire agreement with Israel as of now, but if it stopped its attacks then Tehran would also stop firing.

"As of now, there is NO 'agreement' on any ceasefire or cessation of military operations," Araghchi posted on social media, shortly after the US president announced a deal would begin around 0400 GMT.

Araghchi added that if "the Israeli regime stops its illegal aggression against the Iranian people no later than 4 am Tehran time, we have no intention to continue our response afterwards."

These Countries May Offer The Safest Refuge If World War III Erupts

world. The escalating conflict between Iran and Israel has triggered widespread concerns about the possibility of a global war, with many fearing the onset of World War III. Recent reports have confirmed that the United States has carried out military strikes on Iranian nuclear facilities, including deploying 30,000-pound bunker-buster bombs to target underground sites over the weekend. These actions, taken alongside Israel's ongoing air operations against Tehran, have significantly heightened tensions in the region and deepened global anxiety about the broader implications.

Amid the growing instability, US President Donald Trump has claimed that both Iran and Israel sought his mediation for "peace", leading to his announcement of a proposed ceasefire. Despite his efforts, however, the situation remains volatile, with the fear of an escalating global conflict hanging over international relations.In a sharply critical response the current situation, Russia's Ambassador to the United Nations, Vassily Nebenzia, condemned the US military strikes on Iran, accusing Washington of opening a "Pandora's box" with potentially disastrous consequences for global security.If the conflict escalates into a global war, it's likely to involve allies worldwide. However, some regions may remain less affected. The Metro has identified countries that could serve as safe havens due to their geopolitical positioning, military neutrality, and stable conditions, offering refuge in a World War III scenario.

Antarctica

Antarctica's extreme southern location makes it one of the safest places during a nuclear war, with vast distances from nuclear powers. Its 14 million square kilometers offer plenty of space for refuge, though the harsh, icy climate can be challenging for survival.

Iceland

Consistently ranked as one of the most peaceful countries, Iceland has never participated in a full-scale war. Its remote geographical location makes it less susceptible to conventional warfare in Europe, though nuclear fallout could reach it in small amounts.

New Zealand

With a neutral stance and ranking second in the Global Peace Index, New Zealand offers protection through its mountainous terrain. It is unlikely to be targeted in a Western conflict with Russia, though it has supported Ukraine financially.

US, Iran And A Night Of Missiles And Fragile Messages

world. In the Middle East's topsy-turvy night of June 23, missiles streaked toward American bases after dusk, and a sweeping ceasefire was proclaimed online before dawn. Just before 17:00 UTC, Iranian Fateh-110 rockets targeted Al-Udeid Air Base in Qatar and Al-Asad in western Iraq, both critical nodes in the US regional military network. Ninety minutes later, President Donald Trump announced on social media that Israel and Iran had agreed to a "complete and total ceasefire", to be phased in over twenty-four hours. It seemed like escalation and de-escalation had collapsed into a single real-time event.The juxtaposition was more than just disorienting - it was emblematic of a strategic landscape spinning faster than the frameworks meant to govern it. In under two weeks, five inflection points reshaped the regional equation: Israel's cross-border airstrikes inside Iran, Iran's retaliatory barrage against Israeli cities, America's dramatic bunker-buster strikes on Iranian nuclear and military targets, Iran's retaliatory targeting of U.S. forces, and finally, a ceasefire announcement that arrived amid trailing missile contrails.For all its vagueness, President Trump's "pause" has positives worth seizing:

By framing the stand-down as an American initiative rather than an Iranian concession, the proposal provides political cover for Tehran and permits the Iranian leadership to accept it as a confidence-building measure without appearing to capitulate under pressure.

The time-bound window with the 24-hour phase-in, if honoured, forces both Israel and Iran to stabilise positions quickly and provides back-channel opportunities to keep reinforcing messages of de-escalation.It has allowed Russia and China to agree to a US proposal to postpone a Security-Council resolution that they intended to put to a vote so as to "allow the cease-fire to take hold". The pause could be used to fold a formal cease-fire into the resolution or work on a new resolution that will include the new ground realities and provide a multilateral imprimatur to the arrangement.

On the other hand, the ceasefire script is fragile. A sequenced silence may provide opportunities for spoilers to disrupt the pause. Six hours of unilateral Iranian restraint before Israel stands down and twenty-four hours before the ceasefire comes into play is long enough for rogue elements and false flag temptations to come into play.US Forces Are Now Direct TargetsDe-escalation with unprecedented swiftness means all actors are required to recalibrate their positions.The United States finds itself in a complex position.

"You Have 12 Hours": Israeli Agent Threatens Iranian General In Leaked Audio

The operative claimed to be calling from the country that had moments earlier assassinated top IRGC figures, including Hossein Salami, Mohammad Bagheri, and Ali Shamkhani.

world. Israeli intelligence agents warned top Iranian generals earlier this month that they had "12 hours" to flee with their families or get killed, according to an audio recording obtained by The Washington Post. The warnings were part of Operation Rising Lion, which began on June 13 when Israel struck Iranian nuclear and military targets.

"You have 12 hours to escape with your wife and child. Otherwise, you're on our list right now," an Israeli operative told a senior Islamic Revolutionary Guard Corps (IRGC) general in one of at least 20 phone calls made to Iranian officials.

"We're closer to you than your own neck vein. Put this in your head. May God protect you," the operative added.The operative claimed to be calling from the country that had moments earlier assassinated top IRGC figures, including Hossein Salami, Mohammad Bagheri, and Ali Shamkhani. Iran's state media later claimed that Shamkhani survived the attack.

"Listen carefully. I'm calling from a country that two hours ago sent Bagheri, Salami, Shamkhani, one by one, to hell," the operative said, as heard in the video.

"Do you want to be one of them? Do you want to be the next one on the list? Do you also want to destroy your wife and child? No, right?" the operative pressed. The general reportedly responded, "So, what should I do?"The agent instructed him to record a video denouncing Iran's regime and send it via Telegram. It remains unclear if the video was made.Israel delivered the threats in Persian, targeting mid and high-level commanders with the aim of destabilising Iran's leadership and deterring potential successors from stepping up. The objective, Israeli sources said, was to instil fear in second and third-tier officials, making it more difficult for Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei to replace the regime's fallen commanders. Israeli operatives used not only phone calls but also notes delivered to homes and messages sent through spouses to warn targeted individuals.The psychological pressure campaign ran side by side with Israel's ongoing military operations inside Iran. Western officials say sleeper teams, pre-positioned weapons caches, and covert assets inside Iran were activated as part of Rising Lion. The US joined the war days later. A strike led by US President Donald Trump targeted three of Iran's uranium enrichment sites with B-2 bombers and Tomahawk missiles.Iran launched a wave of retaliatory attacks in Qatar. The Iranian drones struck Al Udeid Air Base, home to one of the largest US military presence in the Middle East.

With missiles overhead, Tel Aviv residents huddle underground

TEL AVIV. As night falls in Israel's coastal city of Tel Aviv, hundreds make the familiar descent into the depths of the metro to escape the latest salvo of Iranian missiles.For those with no safe shelters near their homes, the city's underground stations and car parks have become vital refuges since the war began on June 13.Despite nightly missile barrages, Israel's casualty toll has remained relatively low, with authorities repeatedly stressing the importance of taking cover in life-saving protected spaces."The day after the Israeli intervention in Iran began, there was an explosion, a bomb not far from my home, and the entire shelter I was in shock," Muriel Azria, 58, who works in tourism, told AFP in a Tel Aviv metro station.She arrives prepared every evening with her suitcase and her dog, ready for a night on her council-provided mttress set up on the platform."From the moment I enter the subway, which is magnificent, I calm down," she said. "It's not very comfortable, but at least I'm not afraid, we hear much less booming.""There are people, everyone is generally very nice," she told AFP.Israeli residents receive blaring phone alerts via SMS to warn them of incoming Iranian missiles, often in the early hours of the morning. These are often followed by the wail of overhead air raid sirens.Among the haphazardly placed mattresses on the platforms of the metro stations, some people clutch phones while others play cards, do crosswords or chat to pass the time underground.For 86-year-old retiree Yudit Kamara, who does not have a shelter at home, the daily journey to the underground station has become an ordeal."It's too much, I don't have the strength anymore to go through this. It's really difficult," she told AFP.

"All these children here, all this mess, and it's really cold and not so comfortable. But what other choice do we have? Where will we go?" she asked, stifling a sob.More than 60 percent of Israelis do not have a safe shelter at home, according to the NGO Latet, which distributes emergency kits, food parcels and children's games to the most vulnerable families.Need to be strong'"I'm very nervous but I need to be strong for my child," said 48-year-old Erlenn Solomon, who has slept every night in an underground station since the start of the conflict.

As a mom, you need to be strong."Israel's economic hub Tel Aviv has been particularly targeted by Iran's missiles since the start of the conflict on June 13.The full extent of the damage from Iran's attacks on Israel is not known due to military censorship rules, but at least 50 impacts have been acknowledged nationwide and 24 people have died, according to official figures.

Tesla Robotaxi A Menace On Road? Caught Speeding, Driving In Wrong Lane

world.US auto safety regulators are looking into incidents where Tesla Inc.'s self-driving robotaxis appeared to violate traffic laws during the company's first day offering paid rides in Austin.The US National Highway Traffic Safety Administration is aware of the incidents that were captured in videos posted on social media and is gathering additional information from the company, the agency said in a statement to Bloomberg.NHTSA officials regularly interact with automakers on safety matters, and it's common for those discussions to stop short of a formal investigation. "Following an assessment of those reports and other relevant information, NHTSA will take any necessary actions to protect road safety," the agency said on Monday. Tesla's shares fell as much as 1.% in postmarket trading after Bloomberg reported NHTSA's discussions with the company.The stock was little changed at 5:33 p.m. in New York. In one video taken by investor Rob Maurer, who used to host a Tesla podcast, a Model Y he's riding in enters an Austin intersection in a left-turn-only lane. The Tesla hesitates to make the turn, swerves right and proceeds into an unoccupied lane meant for traffic moving in the opposite direction.A honking horn can be heard as the Tesla re-enters the correct lane over a double-yellow line, which drivers aren't supposed to cross.

In two other posts on X, initial riders in driverless Model Ys shared footage of Teslas speeding. A vehicle carrying Sawyer Merritt, a Tesla investor, reached 35 miles per hour shortly after passing a 30 miles per hour speed limit sign, a video he posted shows.In a separate live stream from Herbert Ong, a YouTuber with more than 123,000 subscribers, he commented that the vehicle was going faster than the posted limit of 35 miles per hour."It's going at 39 right now, which is perfect, right, because I don't want to drive at 35, and it's driving at the same flow of traffic," Ong said. "If everyone else is driving at this speed, you want to be at the same speed."

Judge halts another Trump administration effort to block foreign students from attending Harvard

WASHINGTON. A federal judge on Monday blocked another effort by the Trump administration to keep international students from attending Harvard University, granting a second preliminary injunction in the case.The order from U.S. District Judge Allison Burroughs in Boston preserves the ability of foreign students to travel to the U.S. for study at Harvard while the case is decided.President Donald Trump has sought to cut off Harvard's enrollment of foreign students as part of a pressure campaign seeking changes to governance and policies at the Ivy League school. Administration officials also have cut more than $2.6 billion in research grants, ended federal contracts and threatened to revoke the tax-exempt status for the school Trump has derided as a hotbed of liberalism.

Harvard sued the Department of Homeland Security in May after the agency withdrew the school's certification to host foreign students and issue paperwork for their visas. The action would have forced Harvard's roughly 7,000 foreign students to transfer or risk being in the U.S. illegally.

The university called it illegal retaliation for rejecting the White House's demands to overhaul Harvard policies around campus protests, admissions, hiring and other issues. Burroughs temporarily had halted the action

hours after Harvard sued and then granted the first injunction Friday.The second injunction came in response to another move from Trump, who cited a different legal justification when he issued a June 4 proclamation blocking foreign students from entering the U.S. to attend Harvard. Harvard challenged the move, and Burroughs again had issued a temporary restraining order.Trump has been warring with Harvard for months after it rejected a series of government demands meant to address conservative complaints that the school has become too liberal and tolerated anti-Jewish harassment.On Friday, he said in a post on Truth Social that the administration has been working with Harvard to address "their largescale improprieties" and that a deal with Harvard could be announced within the next week. "They have acted extremely appropriately during these negotiations, and appear to be committed to doing what is right," Trump's post said.

Trump holds out Israel-Iran ceasefire deal as validation for his gamble of US airstrikes

WASHINGTON. US President Donald Trump on Monday said the "12 day war" between Israel and Iran was set to end in a ceasefire, holding out the expected deal as validation for his strategic gamble of ordering airstrikes on Iranian nuclear sites.

"It has been fully agreed by and between Israel and Iran that there will be a Complete and Total CEASEFIRE," Trump posted on social media.Iran's Foreign Minister Abbas Araghchi said Iran would stop its attacks if Israel would. It's unclear what role Ayatollah Ali Khamenei, Iran's leader, played in the talks. He had said on social media earlier Monday that Iran would not surrender.Israel has not publicly confirmed that it has agreed to end hostilities."As of now, there is NO 'agreement' on any ceasefire or cessation of military operations," Araghchi posted on X."However, provided that the Israeli regime stops its illegal aggression against the Iranian people no later than 4 am Tehran time, we have no intention to continue our response afterwards."A ceasefire, if it culminates as Trump laid out, would be welcome news for the region and the world. But the situation in the Middle East remains far from stable and it's unclear how longer-term dynamics might be affected. The Israeli and US bombing of Iran certainly has slowed Iran's ability to enrich nuclear material but it might also have steeled Tehran's resolve to breakout toward a bomb.Trump's announcement comes as he prepared to depart on Tuesday for the NATO summit in the Netherlands, where he will likely make the case that his mix of aggression and diplomacy has succeeded.Never shy to suggest he deserves the Nobel Peace Price, Trump went so far as to give the conflict between Israel and Iran the name of the "12 day war," a title that seemed to reference the 1967 "Six Day War" in which Israel fought a group of Arab countries including Egypt, Jordan and Syria.Later, Trump in another social media posting said that "Israel & Iran

came to me, almost simultaneously, and said, 'PEACE!'""They have so much to gain, and yet, so much to lose if they stray from the road of RIGHTEOUSNESS & TRUTH," Trump added. "The future for Israel & Iran is UNLIMITED, & filled with great PROMISE. GOD BLESS YOU BOTH!"As Trump described it, the ceasefire would start with Iran and then be joined by Israel 12 hours later, with the president writing that the respective sides would "remain PEACEFUL and RESPECTFUL."The phased-in ceasefire was set to begin Tuesday morning in Israel and Iran and culminate within 24 hours. But Iran launched another attack on Israel after 4 am local time in Tehran, the time Iran's foreign minister said Iran would cease its attacks if Israel ended their airstrikes."This is a War that could have gone on for years, and destroyed the entire Middle East, but it didn't, and never will!" Trump said.The White House reposted Trump's announcement with a photo of the president holding a red hat that said "Trump was right about everything" in all capital letters.A senior White House official said Trump communicated directly with Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu to secure the ceasefire. The official, who insisted on anonymity to discuss the Monday talks, said Vice President JD Vance, Secretary of State Marco Rubio and special envoy Steve Witkoff. communicated with the Iranians through direct and indirect channels.

NEWS BOX

We will go for win, that's the clear message in change room: Tongue

LEEDS. England fast bowler Josh Tongue said they will go all out for a victory against India on the fifth and final day of the first Test here on Tuesday.England ended day four at 21 without loss, needing 350 more runs to clinch the match and take a 1-0 lead in the five-match series.

If successful, it would mark England's second-highest successful run chase in Test cricket and the second-best at this venue.

"No. Just go for the win. That's the clear message in the changing room," said Tongue when asked about England's approach in the final innings."Hopefully we're not in that situation (draw) anyway. We'll try and be as positive as we can in that first session, then see where we are at lunch - then we'll take things from there."Tongue said the current England batting line up has the belief of chasing down any target against any side.

"With our batting line-up I feel we can chase down anything. Their bowlers are going to bowl well in periods, but it's about soaking up that pressure and putting it back on the bowlers. I don't see why we can't chase it," he said."Obviously we're really confident. If you look at our batting line-up it's very strong. We play a positive brand of cricket."

Playing only his fourth Test, Tongue (3/72) took three wickets in four deliveries to help England dismiss India for 364 in their second innings.Tongue, is nicknamed 'The

Mop' by his England and Nottinghamshire teammate Ben Duckett for running through the opposition's lower order.And on Monday he did the same dismissing India's numbers eight, nine and 10 in the same over.

"I've done it twice now, so I might have to start calling myself that," Tongue said of his nickname."Obviously that's part of the game. I'm happy to contribute to the team by getting those wickets," he added.

Emma Raducanu praises Wimbledon after stalker blocked from buying tickets

New Delhi. Emma Raducanu has expressed her gratitude to Wimbledon organisers for blocking her stalker from purchasing tickets to this year's Championships, calling the move a reassurance of her safety as a professional athlete.The British tennis star had been subjected to a frightening ordeal earlier this year, after a man followed her across multiple tournaments and attempted to approach her in person. He was later handed a restraining order by Dubai police but continued to pose a threat, attempting to secure tickets to Wimbledon despite the legal restrictions.Thanks to enhanced security measures at the All England Club, his name was flagged during a routine check of public ballot applicants, and his attempt to buy tickets was blocked."Wimbledon and everyone did an amazing job," Raducanu told the BBC. "I got a notification, the police contacted me and told me everything was OK."The 22-year-old, who had encountered the man at events in Singapore, Abu Dhabi

and Doha, recalled breaking down in tears after spotting him during a match at the Dubai Championships in February. His persistent presence deeply unsettled her, leading to heightened concerns about her safety on and off the court."I know that I'm not the first athlete to go through this, and I probably won't be the last - not just as an athlete, but females in general," she said.Raducanu, who rose to global prominence with her stunning 2021 US Open triumph, said she now travels with significantly more protection, especially at major tournaments like Wimbledon.

"I have a lot more protection around me - especially the ones here in the UK, where it's busy and there's more spectators around. I feel a difference, and that reassures me and makes me feel more comfortable," she added.The British No.3 also praised compatriot Katie Boulter for opening up about her own experiences of online abuse, highlighting the emotional toll of toxic messages on athletes.

ENG vs IND: Sunil Gavaskar reveals he wanted to do backstand after Rishabh Pant's hundred

- Pant scored centuries in both innings against England
- He mimicked Dele Alli's celebration after second century
- Gavaskar admitted he wanted to do a backstand

New Delhi. Former India captain Sunil Gavaskar has never shied away from expressing his admiration for Rishabh Pant, and on Day 4 of the first Test between India and England, the legendary opener was once again full of praise for the flamboyant wicketkeeper-batter. After Pant completed his second century of the match, Gavaskar made a light-hearted yet heartfelt revelation on air - that he had been tempted to mark the moment with a backstand of his own.Pant became the first Indian wicketkeeper to score centuries in both innings of a Test match, celebrating his second hundred in unique fashion, mimicking a gesture made famous by English footballer Dele Alli - a change from his usual somersault celebration. Watching from the Sony Sports studio, Gavaskar was seen gesturing animatedly towards the stands, asking Pant to bring out his now-iconic front flip celebration - the same one he had performed after his first-innings century. Gavaskar, however, was equally prepared to celebrate in his own way."You know what, I've got to confess that after that I came here and I, and I tried not to do the backflip, no chance of, at my age, but I used to do the backstand and I was looking to do the backstand," Gavaskar said during the post-match analysisSo if I could do it successfully then, then I would have shown it here, but I wasn't able to," he added with a smile.

With his second hundred in the match, he etched his name into the record books, becoming just the second wicketkeeper in Test history to score centuries in both innings of a match, and the first Indian to achieve the feat.

ENG vs IND 1st Test Day 4 Highlights

Gavaskar, beaming with pride, said Pant's return to form and fitness was deeply emotional, especially considering his harrowing road back after a serious car accident in late 2022."Very, very happy. I mean, anytime an Indian does well, you feel very happy because you know the passion for cricket in India, how just about every, in every family, I'm sure there is at least one person who—it might not be everybody - at least one person who follows the game," Gavaskar said.

"And therefore to make that family happy, if you can do well, if India does well, then naturally it is, it's a great feeling. And so to see this young kid, come back, I mean, look what had happened to him with all those, with that crash," he added.

ENG vs IND: Why are so many catches being dropped at Headingley

- Leeds Test: India and England struggled with multiple dropped catches in the Leeds Test match. Former England captain Alastair Cook explained why both teams were dropping chances at slips.

Leeds. I did not want to create a scene," said Jasprit Bumrah at the end of Day 3's play in the 1st Test match between India and England. India had dropped three catches off Bumrah's bowling, which frustrated the bowler, but as per his own admission, he did not want to create a scene as no one wanted to drop catches purposefully.India's issues with catching did not stop there as they spilled three more chances in the field, taking the tally to 6 in total. The dropped chances gave Harry Brook valuable life, which he used to score 99 runs in England's first innings, helping the hosts to wipe off India's first innings score.

The issue of butterfingers was not limited to just the visitors, as England dropped four chances in the field during India's second innings. KL Rahul and Rishabh Pant were dropped just before reaching their respective centuries, momentarily sinking their morale on Day 4 of the match.

WHY ARE SO MANY CATCHES BEING DROPPED IN LEEDS?The majority of the chances were dropped in the slip cordon, with Yashasvi Jaiswal being the biggest culprit of them all. On social media platforms, Jaiswal was berated left, right and centre, as people forgot his usual brilliance at short leg in the recent past.But why did the fielders drop so many catches from both sides? Former England captain Alastair Cook had an excellent explanation for it at the end of Day 4. Speaking on BBC's Test Match Special, Cook said that there could be two factors contributing to the dropped catches at Leeds, and both issues were Leeds-specific problems.Cook broke down the two issues, starting with the slope at Leeds. The former opener said that while he was unsure about this one, for young cricketers who have not played in England a lot, the slope could be a big factor making it difficult to concentrate."So we've heard from a number of interviews at the end of the play, that this is a hard-catching ground. Ollie Pope mentioned it and five catches have gone down in the slip cordon.We're standing here, you can see the marks actually where the players make, so they're standing in the right place exactly where they are. And I think it's probably two possible reasons why," Alastair Cook said.

"The first I'm not so sure about is actually the slope, where the players aren't used to the slope. The square behind just there is quite a long way above where we are, so whether that makes an impact on where you're catching it," he added.

Pant, Rahul tons power India before England fight back at Headingley

LEEDS. Generational talent Rishabh Pant overcame a moment of self-reproach to etch his name in cricketing history, becoming only the second wicketkeeper to score centuries in both innings of a Test match. His 118 off 140 balls, combined with KL Rahul's composed hundred, helped India set England a challenging 371-run target in the series opener at Headingley on Monday.

Pant, ever the audacious stroke-maker, formed a commanding 195-run partnership with Rahul for the fourth wicket, propelling India to 364 in their second innings before a late collapse handed the momentum back to England. At stumps, the hosts had reached 21 without loss, with openers Ben Duckett (9*) and Zak Crawley (12*) reducing the target to 350.

India's innings, marked by brilliance and frailty, unravelled in the final session after the dismissals of Rahul and Pant. The latter's century was reached in typical flair, with The Beatles' Hey Jude playing softly in the background as he pushed a single to reach his milestone — becoming the first Indian wicketkeeper to score two hundreds in a Test in

England, and only the second globally after Zimbabwe's Andy Flower.Pant had earlier attempted a reckless shot, prompting an audible moment of frustration picked up by the stump mic: "If you want to hit, do it with a straight bat next ball. Why are you trying to score forcefully?" His self-admonishment preceded a more disciplined, yet still attacking, knock as he switched gears post-lunch to take the game to the bowlers.He was eventually dismissed attempting a big shot off Shoaib Bashir, finding Zak Crawley at long-on. Until then, Pant had tormented England's bowlers with an array of aggressive strokes, mixing finesse with brute force.Rahul, meanwhile, delivered a masterclass in restraint and timing, anchoring India's innings with his calm presence. He reached his hundred with quiet authority, after earlier surviving a tough chance at gully when Harry Brook put down a quick offering off Josh Tongue.India began the day with a 96-run lead, but suffered an early blow as captain Shubman Gill chopped.

Neeraj Chopra enters Ostrava Golden Spike as favourite ahead of homecoming

New Delhi After securing his first win of the season with a fantastic performance at the Paris Diamond League, Neeraj Chopra now shifts his focus to the Ostrava Golden Spike 2025 - a World Athletics Continental Tour (Gold level) meeting - scheduled for Tuesday, June 24. With the 90m barrier finally breached and a title already in his bag, this will be Neeraj's final competition before he returns home to Bengaluru for the inaugural Neeraj Chopra Classic on July 5.This will be Neeraj's first appearance at the Golden Spike event, having missed out in recent years due to injury. But this time, the 27-year-old arrives with momentum on his side, enjoying a strong run of form under the guidance of Jan Zelezny. It will be his fifth outing of the season, following impressive performances at the Diamond League meets in Doha and Paris.By his own admission, Neeraj's primary goal this season is the World Championships in Tokyo, where he will enter as the defending champion. However, a strong showing in Ostrava would serve as ideal preparation for the championship in Japan later this year, while also underlining the progress he has made under Zelezny's mentorship."I am really happy to work with such a great athlete and coach. I've already thrown 90m this year after a little bit more improvement in technique. So, let's see when it comes next time, but I am ready," said Neeraj."Recently we've done a good training in Nymburk so I'll do my best here in Ostrava."

"Main goal for the season is obviously, the World Championships in Tokyo."

Neeraj was a guest at the event last year and now has the chance to impress everyone with his skills."When I was kid, I watched a lot of videos and photos of athletes like Usain Bolt competing here (at Ostrava Golden Spike). I came last year, but I didn't compete because of injury. Now I feel good, but I don't want to put any pressure on myself for 90m. But I'll try really hard," Neeraj said.

Expected stubbornness but Jay Shah is honest and proper: Ganguly on tenure as BCCI President

- Asked about their power dynamics, Ganguly said he and Jay Shah, despite their backgrounds, shared a cordial relationship that continues to this day.

NEW DELHI. Reflecting on his eventful tenure as BCCI President, Sourav Ganguly has revealed that he expected a "certain kind of toughness and stubbornness" from the then Board secretary and current ICC chairman Jay Shah but was left impressed with his "honesty" and resolve to do things "properly".Ganguly and Shah were colleagues at the world's richest cricket board from October 2019 to September 2022, navigating a tumultuous phase caused by the COVID-19 pandemic, which brought sporting activity to a grinding halt for few months."He (Jay) had his own way of doing things but the best thing about him was he wanted to do things properly for Indian cricket," Ganguly told PTI in an exclusive interview at his residence in Kolkata."See, he had the power, the support, so you expected certain kind of toughness, stubbornness from him but he would do things for Indian cricket," the iconic former captain explained, referring to Shah's status of being the son of Home Minister Amit Shah.It was the first time that both Ganguly and Shah held BCCI positions.

Before that, Ganguly had headed the Cricket Association of Bengal, while Shah was an office-bearer in the Gujarat Cricket Association.While Ganguly was replaced by another former Test player Roger Binny in 2022, Shah continued as BCCI secretary till November 2024 before taking over as the youngest ever ICC chairman at 36 years of age.Asked about how the power dynamics and relationship was between the scion of a political family and a celebrated cricket star, Ganguly said they shared a cordial equation

which has continued to this date.

"Relationship was very good. It's still very good. When he came in September 2019. He was a young boy, straight from Gujarat CA, very cooperative, approachable," he recalled."Obviously, he had opinions and rightfully so, he wanted to do things and still does, he is the ICC chairman and it is a bigger post."Ganguly believes that with time, Shah became better at his job.

"He is very supportive of players. He got better as he learnt. The good thing about him was he wanted to do good for the game," the soon-to-be-53 superstar said.The Kolkata-based legend said Shah was acutely aware of his status and always wanted to carry out his work in a principled manner.

"He is very honest, he always had the thought (about) who he was at the back of his mind, what baggage he carried. So, he wanted to do things rightfully and properly all the time. All of us made mistakes, I did, he did. It was never intentional but the game never stopped," Ganguly added.

The former captain said they do bump into each other occasionally.

"He has progressed; he is the ICC Chairman now. You see him at times because you live in different cities. I am not involved in administration, I wish him the best. I saw him in England this time for a little bit. I meet him in ICC meetings because I am the chair of the (ICC cricket) committee and he wants the game to grow and go forward."

Sara Ali Khan

Looks Fierce In A Red Jumpsuit With Bold Lipstick

Sara Ali Khan is currently gearing up for the release of her upcoming movie, Metro In Dino. This multi-starrer is set to release next month. Ahead of the release of the movie, she attended a promotional event for the film with the rest of the cast. Sara Ali Khan's look for the event caught everyone's attention as she looked fierce in a red jumpsuit.

Sara Ali Khan looked radiant in a red, pinstripe jumpsuit paired with a matching red and white watch. She wore a striking, red lipstick and used dainty jewellery to accessorise her look. She wore strappy heels to complete her look. The actress opted for subtle makeup besides the lipstick, and rocked some power poses as she posed for the paps. The fitted silhouette added a flirty touch to the overall look. Have a look here:

Meanwhile, Metro In Dino carries forward the legacy of the interconnected stories in Life In A Metro, which was released in 2007. It is set to explore the complexities of modern-day relationships in the fast-paced world. The film is slated for release on July 4. The romantic drama draws its title from the popular song In Dino from the previous film. It is written and directed by Anurag Basu. In his signature storytelling style, the filmmaker has weaved together four different stories of love, heartbreak and human connection in the upcoming flick.

Metro In Dino is produced by T-Series Films and Anurag Basu Productions. The film's dialogue is written by Samrat Chakraborty. The film, shot across Delhi, Mumbai, Kolkata and Lucknow, has been generating enough buzz online for its emotionally rich, layered narratives. Set to release on July 4, Metro In Dino also stars Aditya Roy Kapur, Pankaj Tripathi, Konkona Sen Sharma, Anupam Kher, Neena Gupta, Fatima Sana Shaikh, and Ali Fazal. Metro In Dino is poised to be a heartfelt slice-of-life drama with multiple storylines interwoven through a city's emotional chaos.

Rashmika Mandanna's

Appreciation Post For Kuberaa Co-Star Dhanush: 'Gem Of A Person'

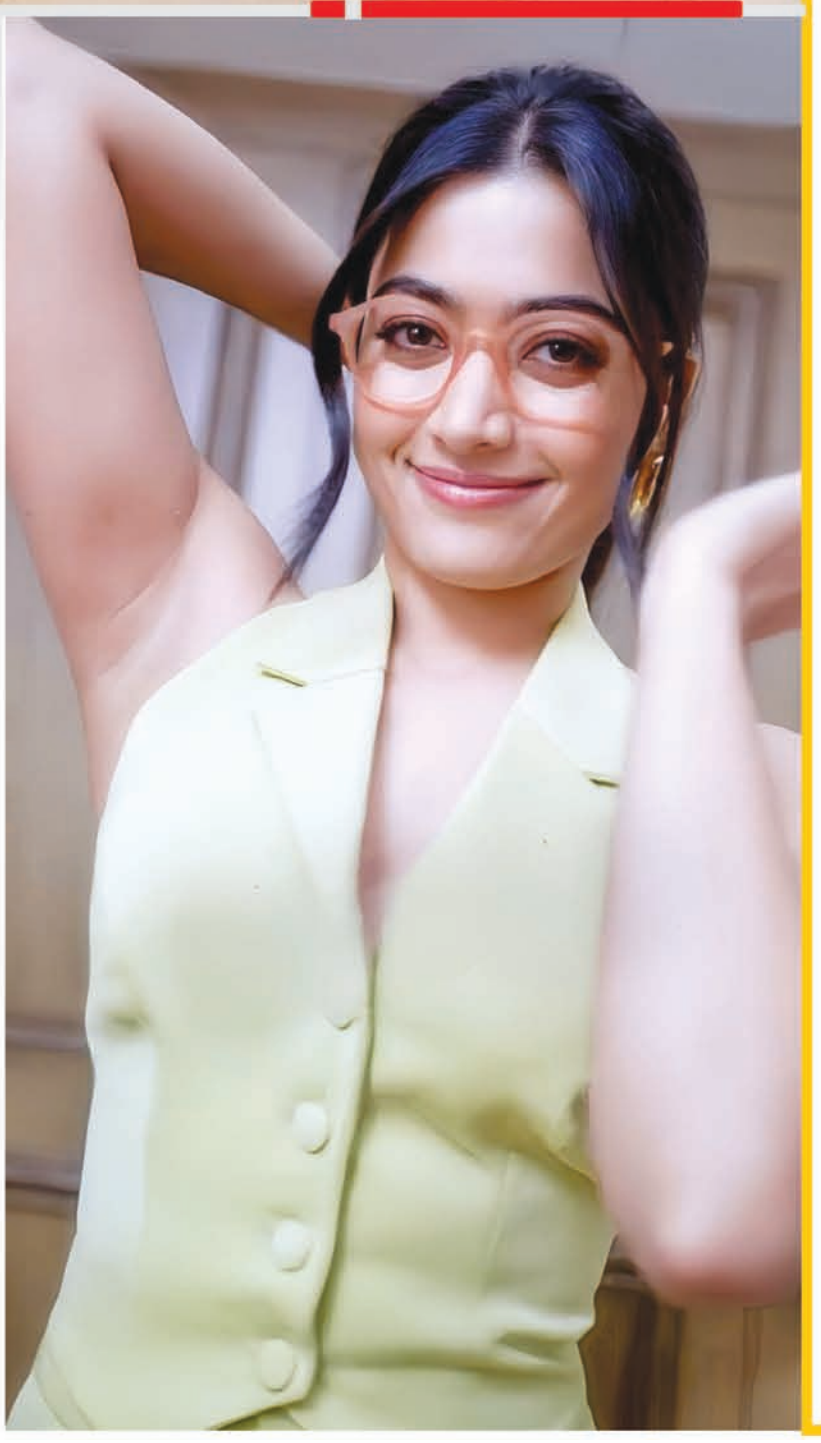

Rashmika Mandanna is all praise for her Kuberaa co-star Dhanush. A day after the film's success meet, the actress shared an unseen picture from the event, and penned a lovely 'appreciation note' for him. She mentioned that despite working on an entire film together, they have only one selfie to show for it. She then went on to heap praise on him, calling him a 'gem of a person' who works extremely hard. She hailed his kindness and also recalled him giving her 'laddoos' on set, and also thanked him for helping her with her Tamil lines every day on set.On Monday, Rashmika Mandanna took to her Instagram to share a picture with Dhanush from Kuberaa success meet. The selfie, clicked by the actress, shows them smiling happily for the picture. In her caption, she wrote, "@dhanushkraja sir,This is literally the only picture I have with you despite of doing an entire film with you.. This is a random appreciation post for you. You've been an absolute gem of a person.. Thankyou so much for working so incredibly hard each and every day (only know this cz every time we talk we are in different cities, doing different things and talking about how important rest is but how we are never actually able to do anything about it) and for giving us this kind of performance not only in Kuberaa, but in everything that you do.. it's nothing short of incredible."

She further added, "You've been so incredibly kind, not only to me but everyone who I've seen you interact with.. and that I'll remember forever the number of laddoos you've given me on set.. the way you'd help me with my Tamil lines everyday.. when you liked the way I'd do a scene and you'd say.. 'that was nice..' These might all be small things but they really stay with you.. @dhanushkraja sir.. I wish you the bestest for everything in the future and last but not the least.. Yaaaay! We did it!"Dhanush was deeply moved by Rashmika's post for him, and he commented, "Such a beautiful post. Thank you for being your incredible self. Keep your amazing positive energy going. More power to you."

Anushka Sharma Is The 'Primary Caregiver' For Kids As Virat Kohli 'Plays Round The Year'

Anushka Sharma married Virat Kohli and slowly started stepping away from the limelight when she became pregnant with her first child, Vamika Kohli. It has been a while since we have seen Anushka Sharma in a film, and ever since the birth of her son Akaay Kohli, the actress has also reduced her public appearances. In an interview with Vogue after Vamika's birth, Anushka said that she is the primary caregiver for her child. She mentioned that Virat Kohli has to play cricket throughout the year, but she can choose how many films she wants to do and when she wants to do them. She emphasised that she will focus primarily on her kids, especially during the early years of their lives.Reflecting on how she and Virat split duties, Anushka said, "We don't see it as mum and dad duties, but as a family unit. For us, it's important that our child be raised with a very balanced outlook. It is all about shared duties. I will be the primary caregiver, especially in the first few years, and that's the reality… I am self-employed, and I can decide when I am working, if I do one or two films a year. In Virat's case, he plays round the year. What becomes important is the time we spend together as a family."

The actress added, "Times have changed. It's important for children to look at their parents—they learn from you. And there is a sense of normalcy that both of us work. Of course, one will have to manage things differently and more efficiently to work… Conditioning is the most important role in how we see the world. I come from a progressive background, so that will always be a part of our home. Love is the underlying factor in our home, and what's important to us is that our child be respectful of people. You have to create that value structure. We don't want to raise brats."

Priyanka Chopra Channels Boss Lady Energy With John Cena, Idris Elba For Heads of State

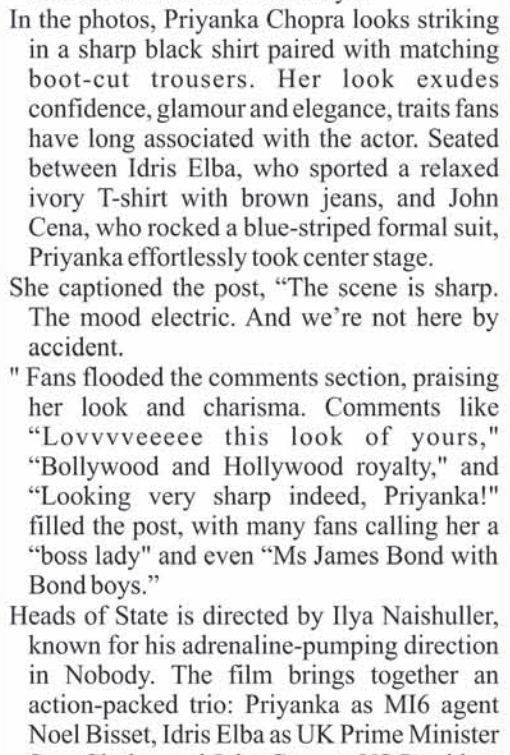

Priyanka Chopra is serving serious boss lady energy as she kicks off promotions for her upcoming action-comedy Heads of State. The global icon recently took to Instagram to share a series of stylish photos from her day out in New York City with co-stars John Cena and Idris Elba. The trio is currently promoting the film ahead of its release on Prime Video on July 2.

In the photos, Priyanka Chopra looks striking in a sharp black shirt paired with matching boot-cut trousers. Her look exudes confidence, glamour and elegance, traits fans have long associated with the actor. Seated between Idris Elba, who sported a relaxed ivory T-shirt with brown jeans, and John Cena, who rocked a blue-striped formal suit, Priyanka effortlessly took center stage.

She captioned the post, "The scene is sharp. The mood electric. And we're not here by accident.

" Fans flooded the comments section, praising her look and charisma. Comments like "Lovvvveeeee this look of yours," "Bollywood and Hollywood royalty," and "Looking very sharp indeed, Priyanka!" filled the post, with many fans calling her a "boss lady" and even "Ms James Bond with Bond boys."

Heads of State is directed by Ilya Naishuller, known for his adrenaline-pumping direction in Nobody. The film brings together an action-packed trio: Priyanka as MI6 agent Noel Bisset, Idris Elba as UK Prime Minister Sam Clarke, and John Cena as US President Will Derringer. The unlikely trio must work together to stop a dangerous global conspiracy.

The trailer teases high-octane sequences and witty banter, with Priyanka in full action mode as she leads the charge. The cast also includes Paddy Considine, Stephen Root, Carla Gugino, Jack Quaid, and Sarah Niles.

Produced by Amazon MGM Studios, Heads of State promises a fast-paced blend of action and comedy, with international stakes and star-studded performances. The film will be available for streaming on Prime Video starting July 2.